हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, मंगलवार 19 मई 2026

भोपाल 44 डिग्री पर, 12 से अधिक शहरों में तीव्र लू की चपेट में

विदिशा में प्यासे बच्चे का कंठ तर करती मां

विश्व में तीसरे नंबर का सबसे गर्म शहर, देश में दूसरे नंबर पर

खजुराहो 46.8 डिग्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में अभी गर्मी चरम पर है। सोमवार को खजुराहो में पारा 46.8 डिग्री रहा। यह प्रदेश में इस सीजन का सबसे अधिक पारा होने के साथ ही विश्व में तीसरे नंबर का सबसे गर्म शहर रहा है। देश में नंबर वन पर उत्तर प्रदेश के बांदा में पारा 47.6 डिग्री रहा। विश्व में सबसे गर्म शहरों में आज 7 भारत के दर्ज हुए हैं। प्रदेश में भी गर्मी का पारा तेजी से बढ़ने के साथ करीब एक दर्जन शहरों में लू और तीव्र लू का असर रहा है। मौसम केंद्र के अनुसार मंगलवार को गर्मी में और तेजी आ सकती है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार खजुराहो विश्व में तीसरे नंबर पर सबसे गर्म शहर रहने के साथ प्रदेश में सीजन में सबसे गर्म दर्ज हुआ है। अभी गर्मी में कुछ दिन और तेजी बनी रहेगी।

- देश में नंबर वन पर उत्तर प्रदेश के बांदा में पारा 47.6 डिग्री
- विश्व में सबसे गर्म शहरों में 7 शहर भारत के दर्ज

गंजबासौदा में पानी की इस तरह जुगाड़

भोपाल में दो साल का सबसे गर्म दिन

भोपाल में पारा 1.4 डिग्री बढ़कर 44 डिग्री रहा, जो मई 2024 के बाद सबसे अधिक है। वर्ष 2024 में यहां 45.4 डिग्री रहा था। दिन में तेज धूप और गर्म हवाओं के असर से शाम तक लू जैसा अहसास रहा। मंगलवार को भी यहां गर्मी में और तेजी आने की उम्मीद है। सोमवार को प्रदेश में औसत अधिकतम पारा 44 डिग्री तक रहा है। खजुराहो के साथ ही दतिया, गुना, खंडवा, राजगढ़, रतलाम, श्योपुर, दमोह, नौगांव, रीवा, सागर, सतना में कहीं तीव्र लू तो कहीं लू का असर रहा। भोपाल, इंदौर, रायसेन, उज्जैन, धार, मंडला, टीकमगढ़ आदि शहरों में पारा 44 डिग्री तक रहने से भीषण गर्मी रही है।

यह 7 शहर विश्व के टॉप 10 में

बांदा 47.6, खुजराहो 46.8, प्रयागराज 46.8, चित्तौड़गढ़, पिलानी 46.2, गंगानगर 46.2, बीकानेर 46 डिग्री के साथ विश्व की टॉप 10 सबसे गर्म शहरों में दर्ज हुआ है।

आज यहां हीटवेव का अलर्ट

मंगलवार को दतिया, भिंड, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी में सीवियर हीटवेव रहेगी। भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, मुरैना, श्योपुरकलां, नरसिंहपुर, पन्ना, दमोह और सागर में लू का असर रहने का यलो अलर्ट है।

सीएम ने निगम, मंडलों के नवनियुक्त पदाधिकारियों को ट्रेनिंग कार्यक्रम में सीख के साथ हिदायत भी दी

कोई आपको उलझाए या भड़काए तो बचें, कोई दूसरा 'मददगार' नहीं होगा

मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त पदाधिकारियों से पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी के आदर्शों पर चलकर जनसेवा की अपील की

प्रशिक्षण का शुभारंभ करते सीएम डॉ.यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निगम-मंडलों के नव नियुक्त पदाधिकारियों से कहा कि नियम-कानून के दायरे में रहकर काम करें। कोई आपको उलझाए या भड़काए तो उससे बचना आपको ही है, कोई दूसरा आपका मददगार नहीं होगा। उन्होंने कहा कि काम करते-करते आपको रोका भी जा सकता है कि अब यह काम नहीं करना है। आप कहेंगे सरकार में लगाना है तो सरकार में लगा देंगे। आप कहेंगे वापस दे दो तो वापस दे देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को अटल बिहारी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में निगम, मंडल, बोर्ड, आयोग एवं प्राधिकरणों के नवनियुक्त पदाधिकारियों के ट्रेनिंग कार्यक्रम में बोल रहे थे। इन संस्थानों में नियुक्ति के बाद पहली बार उन्हें काम-काज से लेकर लोक व्यवहार तक की सीख दी गई। इस दौरान उन्हें हिदायत भी दी गई कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं करना है?

अटल बिहारी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में हुआ ट्रेनिंग सेशन

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारी पूरी प्रशासनिक दक्षता, पूर्ण क्षमता, निष्ठा और सेवा भावना से काम करें। आप सब सरकार का अभिन्न अंग है। आपके काम से ही सरकार की समाज और नागरिकों में साख बनेगी। इसीलिए पहले अपने काम को अच्छी तरह से समझें, विभागीय नीतियों और नियमों का समुचित अध्ययन करें। अपने उपलब्ध संसाधनों का उत्कृष्ट नियोजन करें और बेहतर तालमेल एवं सामंजस्य से अपने दायित्व का निर्वहन करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वित्तीय प्रबंधन एक बड़ी चुनौती होती है,

फिजूलखर्ची पर अंकुश लगाएं

इसीलिए अपने दायित्व की सीमाओं में आत्मानुशासन से हमें आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ना है। इसके लिए वित्तीय अनुशासन लाना, फिजूलखर्ची पर अंकुश लगाना और नवाचारों से आय के नए स्रोत सृजित करना जरूरी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सोच-विचार कर ही अपने सहयोगी रखें। हमें अनावश्यक प्रचार और अनावश्यक चीजों से भी बचना है। कदाचार पर सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति है। इसीलिए अपने संस्थान में किसी भी प्रकार के कदाचार को कतई बर्दाश्त न करें। ऐसे काम और ऐसे लोगों से भी दूरी बनाकर रखें।

अब मुख्यमंत्री को आपकी रोज रिपोर्ट मिलेगी

भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि अब मुख्यमंत्री को आपकी रोज रिपोर्ट मिलेगी। आप क्या कर रहे हैं, आपका व्यवहार कैसा है और परिवार का कितना इन्वॉलवमेंट है, इसकी जानकारी भी जाएगी। उन्होंने कहा कि आपकी परफॉर्मेंस का आंकलन सरकार और संगठन दोनों करेंगे। आगे आपको और बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। अपना फेसबुक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्टिव रखें।

यह भी दिए मंत्र

- काम को पहले समझें और बेहतर समन्वय से करें
- आपके काम से ही बनेगी सरकार की पहचान
- सोच-विचार कर ही अपने सहयोगी रखें
- वित्तीय अनुशासन जरूरी, वित्तीय प्रबंधन बड़ी चुनौती

मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक बस्तर में आज

मप्र समेत 4 राज्यों के सीएम करेंगे, विकास और सुरक्षा मुद्दे पर मंथन

बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह करेंगे

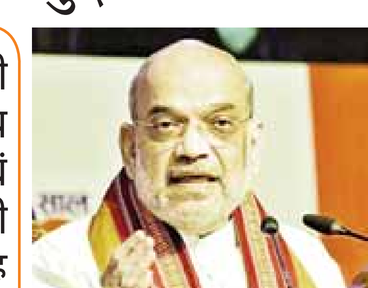

केंद्रीय मंत्री अमित शाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य क्षेत्रीय परिषद (सीजेडीसी) की बैठक छत्तीसगढ़ के बस्तर में होने जा रही है। यह बैठक 19 मई को होगी। इसमें विकास एवं सुरक्षा के मुद्दे पर विशेष तौर पर चर्चा होगी। इसमें मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समेत चार राज्यों उप्र, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भी मौजूद रहेंगे। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह करेंगे।

नक्सल प्रभावित छवि से बाहर निकल रहे बस्तर में अब देश की बड़ी प्रशासनिक बैठकों का दौर शुरू हो गया है। मध्य क्षेत्रीय परिषद की यह 26 वीं बैठक है। बस्तर में पहली बार इस स्तर की अंतरराज्यीय बैठक हो रही है। इसे केंद्र सरकार की उस रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसमें बस्तर को नक्सल हिंसा की पहचान से निकालकर विकास और सुशासन के मॉडल के रूप में पेश किया जा रहा है।

आधारभूत ढांचे के विकास पर फोकस

बैठक में राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा, सड़क और आधारभूत ढांचे के विकास, कानून व्यवस्था, वनाधिकार, जनकल्याण योजनाओं के क्रियान्वयन और आंतरिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। केंद्रीय गृह मंत्री शाह का दौरा केवल परिषद की बैठक तक सीमित नहीं रहेगा। वे बस्तर में सुरक्षा बलों के अधिकारियों से मुलाकात करेंगे, शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देंगे और स्थानीय कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगे। वे बस्तर में चल रहे विकास कार्यों और सुरक्षा अभियानों की समीक्षा भी करेंगे।

खबर संक्षेप

रुपया 96.35 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 54 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 96.35 पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव से वैश्विक बाजार धारणा प्रभावित बनी हुई है। ये भी एक बड़ा कारण है।

इसके अलावा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से भारत सहित उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव बढ़ा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.19 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह और टूटकर 96.39 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। अंत में रुपया 96.35 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा, जो पिछले बंद भाव से 54 पैसे की गिरावट है।

प्रेमानंद महाराज की फिर तबीयत बिगड़ी

वृंदावन। प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज की तबीयत अचानक बिगड़ने के कारण उनकी रोजाना होने वाली पदयात्रा और एकांतिक दर्शन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिए गए हैं। केली कुंज आश्रम के अनुसार डॉक्टरों ने उन्हें पूर्ण आराम की सलाह दी है। यात्रा पर नहीं निकले।

इंडिगो विमान में बिजली गुल

बिना एसी और लाइट के परेशान होते रहे सभी यात्री

वडोदरा-दिल्ली फ्लाइट की घटना

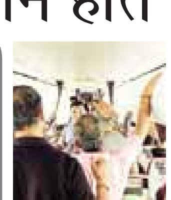

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी निजी विमानन कंपनी इंडिगो एयरलाइंस की वडोदरा दिल्ली फ्लाइट में गंभीर तकनीकी खराबी ने यात्रियों का बुरा हाल कर दिया। वडोदरा एयरपोर्ट पर यात्रियों के विमान में मौजूद होने के वक्त पर बिजली गुल हो गई। इससे यात्रियों को आधे घंटे बिना बिजली और एसी के रहना पड़ा। यह दिक्कत विमान में पावर फेल्योर के कारण हुई। इसके चलते यात्रियों को करीब 30 मिनट पर काफी मुश्किल स्थिति का गर्मी के बीच सामना करना पड़ा। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। जानकारी के अनुसार शनिवार रात वडोदरा से नई दिल्ली जाने वाली इंडिगो की एक फ्लाइट में सवार यात्रियों ने आरोप लगाया कि वडोदरा एयरपोर्ट पर एक तकनीकी खराबी के कारण फ़्लाइट के टेक-ऑफ में देरी हुई।

सुवेंदु कैबिनेट ने दी पे-कमीशन की मंजूरी

पश्चिम बंगाल में सरकारी कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले

एचआरए सहित मिलेंगे कई लाभ

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की नई सरकार ने राज्य कर्मचारियों को आज बड़ा तोहफा दिया है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी का अगुवाई में हुई नई सरकार की दूसरी कैबिनेट मीटिंग में 7वें वित्त आयोग के गठन की मंजूरी दे दी है। यानी आने वाले दिनों में राज्य कर्मचारियों को अधिक सैलरी मिलेगी। भाजपा ने विधानसभा चुनाव के दौरान कर्मचारियों से 7वें पे कमीशन को लागू करने का वादा किया था। बता दें, डीए को लेकर भी नया अपडेट आ गया है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने पहले ही कहा था कि कैबिनेट मीटिंग के एजेंडा में 7वां वित्त आयोग का मुद्दा भी है। जिस पर कैबिनेट की मुहर लग गई है। वहीं, डीए को लेकर आज की कैबिनेट बैठक में कोई चर्चा नहीं हुई है।

वीडी सतीशन केरलम सीएम बने

64 साल बाद राज्य में किसी सीएम ने पूरी कैबिनेट के साथ शपथ ली

समारोह में राहुल-प्रियंका गांधी मौजूद रहे, पूर्व सीएम विजयन को भी मंच पर बैठाया

कैबिनेट की पहली बैठक में 3 बड़े फैसले

- 15 जून से महिलाएं केएसआरटीसी की बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगी
- राज्य के बुजुर्गों के लिए एक विशेष विभाग बनाने की घोषणा की गई
- आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय 3,000 बढ़ाया गया

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

कांग्रेस नेता वीडी सतीशन सोमवार को केरलम के 13वें मुख्यमंत्री बने। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उनके अलावा पूरी कैबिनेट (20 मंत्रियों) को शपथ दिलाई। ऐसा 64 साल के बाद हुआ। इससे पहले राज्य के तीसरे कांग्रेसी मुख्यमंत्री रहे आर शंकर ने 1962 में पूरी कैबिनेट के साथ शपथ ली थी, लेकिन 1964 में अविश्वास प्रस्ताव के बाद उनकी सरकार गिर गई थी। कार्यक्रम में राहुल और प्रियंका गांधी के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री पी विजयन, भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर समेत सभी कांग्रेस शासित राज्यों के सीएम भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

मासूम की जिद पर कोर्ट का फैसला

पिता को हुई जेल तो बच्चा अड़ा मैं... भी जाऊंगा, उसे भी भेजा

4 साल का बच्चा पहुंचा पिता के साथ जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

यहां एक भावुक मामला सामने आया। मां की आत्महत्या के बाद गिरफ्तार पिता के साथ उसका चार साल का बेटा भी जेल पहुंच गया। कोर्ट में बच्चे ने नाना-नानी के साथ जाने से इनकार करते हुए पिता के साथ रहने की जिद की, जिसके बाद अदालत ने उसे पिता के साथ भेजने का आदेश दिया। देवास रोड स्थित आरके होम्स कॉलोनी में रहने वाली एक महिला ने करीब एक महीने पहले फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मामले की जांच के बाद पुलिस ने पति को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी का 4 वर्षीय बेटा भी उसके साथ था, जिसे पुलिस कोर्ट लेकर पहुंची। सुनवाई के दौरान बच्चे के नाना-नानी ने उसे अपने साथ रखने की इच्छा जताई, लेकिन बच्चे ने उनके साथ जाने से साफ इनकार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट की रोड सेफ्टी कमेटी ने मप्र सरकार को यह निर्देश दिए

48 घंटे में सड़कों के गड्ढे भरें सीएस दो महीने में 'रिपोर्ट' दें

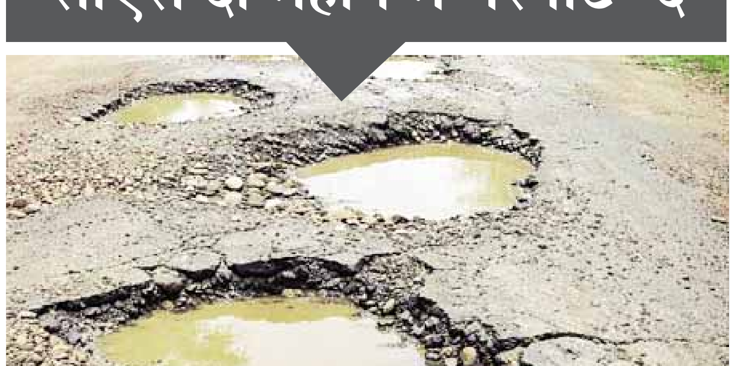

फाइल फोटो

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश में बारिश में खुले नालों और जलभराव क्षेत्रों की बैरिकेडिंग एवं रोशनी की व्यवस्था को अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही, रोड सेफ्टी कमेटी ने सूचना मिलने के 48 घंटों में गड्ढे भरने के निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट की रोड सेफ्टी कमेटी ने यह निर्देश जारी किए हैं। जिसमें बारिश से पहले सड़कों की मरम्मत काम पूरा करने को कहा है। इस संबंध में रोड सेफ्टी कमेटी ने मप्र के मुख्य सचिव को आदेश जारी किया है। साथ ही, कमेटी ने पिछले पांच साल का डेटा मांगा हैं, जिसमें गड्ढों की वजह से हुई दुर्घटना, खुले जलभराव, बिना बैरिकेडिंग वाले क्षेत्रों में हुई मौतों और घायलों की जानकारी डिटेल वाइज होना चाहिए।

- **बारिश में खुले नालों की बैरिकेडिंग और रोशनी अनिवार्य**
- **कमेटी ने इस बारे में पिछले पांच साल का डेटा भी मांगा**

दुर्घटना संभावित इलाकों में लगाना होंगे रिफ्लेक्टिव टेप

रोड सेफ्टी कमेटी ने आगे यह भी कहा हैं कि गड्ढे चिन्हित कर तत्काल मरम्मत, खुले नालों, जल भराव वाले स्थानों समेत अन्य दुर्घटना संभावित इलाकों में मजबूत बैरिकेडिंग, रिफ्लेक्टिव टेप और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करना अनिवार्य किया है।

जिला सड़क सुरक्षा समितियों को ऑडिट के दिए निर्देश

इस संबंध में मप्र के मुख्य सचिव को संबंधित विभागों को निर्देश जारी करने के आदेश दिए हैं। साथ ही, इसकी रिपोर्ट समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। सड़क हादसे रोकने के लिए जिला सड़क सुरक्षा समितियों को नियमित ऑडिट कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के निर्देश दिए हैं।

बंगाल में 1 जून से महिलाओं को 3000 रुपए मिलेंगे, इमामों का भत्ता और पुजारियों का मानदेय बंद

एजेंसी ⏭ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की सुवेंदु अधिकारी की सरकार ने सोमवार को हुई दूसरी कैबिनेट बैठक में 5 बड़े फैसले लिए हैं। बंगाल सरकार की मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने बैठक के बाद सरकार द्वारा लिए गए फैसलों की जानकारी दी। अग्निमित्रा पॉल ने बताया कि पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल ने महिलाओं के लिए अन्नपूर्णा योजना की मंजूरी दी है। इस योजना के तहत राज्य की महिलाओं को 1 जून से हर महीने 3,000 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करने वाले लोगों और मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए ट्रिब्यूनल में आवेदन करने वाले लोगों को अन्नपूर्णा योजना का लाभ दिया जाएगा। राज्य सरकार ने 1 जून से महिलाओं के लिए सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा को भी मंजूरी दे दी है।

सुवेंदु अधिकारी की सरकार ने टीएमसी की सरकार में कथित तौर पर किए संस्थागत भ्रष्टाचार की जांच के लिए रिटायर्ड जज जस्टिस बिस्वजीत दास की अगुवाई में एक जांच आयोग बनाया गया है

कैबिनेट की दूसरी बैठक में सुवेंदु सरकार के पांच बड़े फैसले

1 जून से महिलाओं के लिए सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा

सीएम सुवेंदु अधिकारी

धर्म के आधार पर सरकारी मदद बंद

सरकार ने धर्म के आधार पर दी जाने वाली सरकारी मदद को बंद करने का फैसला लिया है। ये फैसला 1 जून से लागू होगा। इस फैसले से 1 जून से पश्चिम बंगाल में इमामों-मुअज्जिनों को मिलने वाला भत्ता और पुजारियों का मानदेय बंद हो जाएगा। ममता बेनर्जी की सरकार में इन सारी योजनाओं को शुरू किया गया था। ममता सरकार में इमामों को हर महीने 3,000 रुपए, मुअज्जिनों को 1,500 और 2,000 रुपए का भत्ता मिलता था।

सातवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी

मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने बताया कि राज्य कर्मचारियों, संबद्ध वैधानिक निकायों और शैक्षणिक संस्थानों के कर्मचारियों के लिए सातवें वेतन आयोग के गठन को भी कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है।

भ्रष्टाचार की जांच के लिए आयोग गठित

मंत्री पॉल ने बताया कि टीएमसी की सरकार में कथित तौर पर किए संस्थागत भ्रष्टाचार की जांच के लिए रिटायर्ड जज जस्टिस बिस्वजीत दास की अगुवाई में एक जांच आयोग बनाया गया है।

महिलाओं पर अत्याचार को लेकर समिति गठित

सीएम सुवेंदु ने बताया कि महिलाओं पर अत्याचार के मुद्दे को लेकर भी एक कमेटी बनाई गई है। रिटायर्ड जस्टिस समापति चटर्जी की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया गया है। इस कमेटी में आईपीएस दमयंती सेन सदस्य सचिव होंगी। समिति सभी मामलों की जांच करके एक महीने के भीतर रिपोर्ट देगी।

पार्क सर्कस में हिंसा पर सरकार सख्त

कानून तोड़ने वाले नहीं बख्शे जाएंगे: सीएम

सीएम सुवेंदु अधिकारी ने कोलकाता पुलिस के दक्षिण-पूर्व डिवीजन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने शहर की कानून-व्यवस्था की समीक्षा की। यह बैठक पार्क सर्कस इलाके में हुई हिंसा के एक दिन बाद बुलाई गई थी। पुलिसकर्मियों पर हमला किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

खबर संक्षेप

सासाराम-पटना फास्ट पैसेंजर ट्रेन में लगी आग

सासाराम (रोहतास)। बिहार के सासाराम रेलवे स्टेशन पर सोमवार सुबह प्लेटफार्म संख्या छह पर

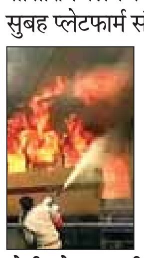

खड़ी खड़ी सासाराम-पटना फास्ट पैसेंजर ट्रेन की एक बोगी के शौचालय से उठा धुआं कुछ ही मिनटों में पूरी बोगी को आग की लपटों में बदल गया। हालांकि इस दौरान रैक प्वाइंट पर काम करने वाले मजदूर संकटमोचक बनकर सामने आए।

मंत्री अरोड़ा 14 दिन की न्यायिक हिरासत में

गुरुग्राम। कथित करोड़ों रुपये की हेरा-फेरी के मामले में घिरे पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा को सोमवार

को गुरुग्राम कोर्ट में पेश किया गया। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद संजीव अरोड़ा को राहत न देते हुए 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। आज तीसरी बार रिमांड खत्म होने पर उन्हें कोर्ट लाया गया।

पालघर में सड़क दुर्घटना में 11 लोगों की मौत

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में सगाई समारोह में जा रहे मेहमानों से भरा एक टेम्पो मुंबई-अहमदाबाद

राजमार्ग पर तेज रफ्तार कंटेनर ट्रक से टकरा गया जिसके कारण 11 लोगों की मौत हो गई जबकि 20 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, हादसा दहानू तालुका के धानीवारी गांव के पास शाम करीब चार बजे हुआ।

खगड़िया में सड़क हादसे में 7 की मौत

खगड़िया। बिहार के खगड़िया जिले के मानसी क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर सोमवार को एक

तेज रफ्तार ट्रक एवं ऑटो-रिक्शा की आमने-सामने की टक्कर में एक महिला एवं एक बच्चे समेत सात लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

छत्तीसगढ़ के बस्तर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का ऐलान

आदिवासियों को नौकरी में 15% आरक्षण
सुरक्षा कैंप 'जनसेवा' केंद्र में बदले जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ बस्तर

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह सोमवार को छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर जिले के नेतानार ग्राम में सीआरपीएफ शिविर पहुंचे। उन्होंने शहीद वीर गुंडाधूर सेवा डेरा नामक जन सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमारे सुरक्षा बलों ने नक्सलमुक्त भारत बनाने के लिए छत्तीसगढ़ में जहां-जहां सुरक्षा शिविर बनाए थे, जन सुविधा केंद्र बनाए जा रहे हैं। यह शहीद वीर गुंडा धुर की जन्मभूमि और कर्मभूमि है। आज, उनसे प्रेरणा लेते हुए नेतानार कैंप (जो 2013 से एक सुरक्षा चौकी के रूप में काम कर रहा था) अब आदिवासी समुदाय के कल्याण के लिए समर्पित एक सेवा केंद्र में बदला जा रहा है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि महज छह महीनों के भीतर, यह केंद्र जो अभी केवल एक सरकारी पहल जैसा दिखता है, स्थानीय आदिवासियों की मौजूदगी और उनकी हंसी-खुशी से गुलजार, जीवन से भरपूर नजर आएगा। जिस जमीन पर मैं आज खड़ा हूं, वह अपने आप में भारत के हर नागरिक के लिए एक पवित्र तीर्थस्थल है। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि आजादी देशभर में बहुत पहले ही आ गई थी, लेकिन हमारे बस्तर में 31 मार्च 2026 के बाद ही आजादी का सूर्य उदय हुआ है। इस दौरान बस्तर का जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई हम बहुत जल्द करेंगे। यहां के लोगों के विकास के लिए भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। इस अवसर पर सीएम विष्णु देव साय, डिप्टी सीएम विजय शर्मा और मुख्य सचिव विकासशील भी उपस्थित रहे।

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि आजादी देशभर में बहुत पहले ही आ गई थी, लेकिन हमारे बस्तर में 31 मार्च 2026 के बाद ही आजादी का सूर्य उदय हुआ है। इस दौरान बस्तर का जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई हम बहुत जल्द करेंगे। यहां के लोगों के विकास के लिए भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी

डेढ़ साल में सभी शिविर आदिवासी कल्याण के केंद्र बन जाएंगे

हर गांव में डेयरी और आदिवासी बहन को दो पशु दिए जाएंगे

गृह मंत्री शाह ने सीएम साय के साथ जन सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया

हर केंद्र में बैंकिंग सुविधा मिलेगी

शाह ने कहा कि इन शिविरों को बेहतर ढंग से डिजाइन करने के लिए हम नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन को यह प्रोजेक्ट देने वाले हैं। हर शिविर का डिजाइन संपूर्ण होगा, जिसके अंदर बैंकिंग की सुविधा भी होगी। आपका आधार कार्ड भी बनेगा, राशन कार्ड भी बनेगा और सरकार की योजनाओं के पैसे भी आपको यहीं से मिल जाएंगे।

राजधानी आने की जरूरत नहीं

शाह ने घोषणा की कि एक साल के भीतर सरकार सीधे गांवों तक पहुंचेगी। अब किसी को भी रायपुर तक जाने की आवश्यकता नहीं होगी। जन सुविधा केंद्र के माध्यम से राज्य सरकार और केंद्र सरकार की 371 योजनाओं का लाभ एक ही भवन से आपको मिलेगा। बस्तर में अभी तक लगभग 196 शिविर हैं। इनमें से 70 शिविरों को हम इसी प्रकार के सेवा केंद्रों में डेढ़ साल के भीतर परिवर्तित करके आदिवासी कल्याण के केंद्र बनाने वाले हैं।

सरकारी नौकरी और रोजगार के अवसर देंगे

शाह ने कहा कि सरकार ने आदिवासी भाई-बहनों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की है। कहीं पर भी नौकरी का विज्ञापन निकलता है, तो 15 फीसदी आरक्षण आपके लिए सुनिश्चित है। एक बार आप अपने बच्चों को पढ़ा दें, तो उन्हें सरकारी नौकरी भी मिलेगी और उद्योगों में भी रोजगार के अवसर मिलेंगे। राष्ट्रीय स्तर की सहकारिता के माध्यम से वन उपज का भी अच्छे तरीके से पैकेजिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग करने का हमने संकल्प लिया है।

धान केंद्र का अवलोकन किया

अमित शाह ने धान डेकी प्रशिक्षण केंद्र में ग्रामीण महिलाओं से चर्चा की, जिससे चावल बिक्री और पशुओं को पौष्टिक आहार मिलेगा। उन्होंने इमली प्रसंस्करण केंद्र में स्व सहायता समूह की महिलाओं से बातचीत की। उन्होंने जाना कि महिलाएं इमली बिक्री से अपनी आय कैसे बढ़ा रही हैं।

स्वतंत्रता सेनानी गुंडा धुर को नमन

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के नेतानार गांव के दौरे के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी गुंडा धुर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम विष्णु देव साय भी उपस्थित थे।

केरलम में नए मंत्रिमंडल ने ली शपथ

वकील से मंत्री बने सबसे युवा जनीश पर 68 आपराधिक मामले

ओजे जनीश

शिबू बेबी जॉन

सीएम सतीशन पर 18 आपराधिक केस

आरएसपी नेता शिबू जॉर्ज सबसे अमीर मंत्री

एजेंसी ⏭ तिरुवनंतपुरम

केरलम में सोमवार को नई कैबिनेट का शपथग्रहण पूरा हुआ। वीडी सतीशन ने राज्य के सीएम पद की शपथ ली। इसके बाद 20 और मंत्रियों ने अपने पद और गोपनीयता की शपथ पूरी की। इसके अलावा यूडीएफ गठबंधन में कांग्रेस की साथी पार्टी आईयूएमएल के पांच विधायकों और अन्य चार दलों के एक-एक विधायक को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। मंत्रिमंडल में शिबू बेबी जॉन की कुल संपत्ति करीब 24.63 करोड़ रुपए है। शिबू बेबी जॉन यूडीएफ सरकार में शामिल पार्टी रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) के नेता हैं। सबसे ज्यादा आपराधिक मामले वाले कांग्रेस के नेता मंत्री एडवोकेट ओजे. जनीश हैं। उनके खिलाफ सबसे अधिक कुल 68 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

20 में से 16 मंत्री उच्च शिक्षित, 1 चौथी पास

केरलम के नए यूडीएफ मंत्रिमंडल के 20 में से 16 मंत्री उच्च शिक्षित (ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट या

रोजी एम. जॉन

प्रोफेशनल डिग्री धारक) हैं। इनमें कानून की पढ़ाई करने वाले वकीलों की संख्या सबसे अधिक है। मंत्री रोजी एम जॉन एम.फिल और एम.ए. (राजनीति विज्ञान, जेएनयू), बिंदु कृष्णा और एम. लिजू एलएलएम, मोंस जोसेफ एम.ए. (समाजशास्त्र) और एलएलबी, तुलसी टीचर एम.ए. (इतिहास), शिबू बेबी जॉन बी. टेक (मैकेनिकल), वीई अब्दुल गफूर एलएलबी, एन. शम्सुद्दीन एलएलबी, ओजे जनीश बीबीए व एलएलबी हैं। एपी. अनिल कुमार और केएम शाजी 12वीं पास हैं। पीके. बशीर 10वीं पास और सनी जोसेफ चौथी कक्षा पास हैं।

74 वर्षीय कुन्हालीकुट्टी सबसे वरिष्ठ मंत्री

इस मंत्रिमंडल में सबसे कम उम्र के मंत्री एडवोकेट ओजे जनीश हैं, जिनकी आयु मात्र 37 वर्ष है। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के नेता पीके. कुन्हालीकुट्टी इस कैबिनेट के सबसे वरिष्ठ मंत्री हैं, जिनकी आयु 74 वर्ष है। उनके बाद के. मुरलीधरन और रमेश चेन्निथला 69 वर्ष के हैं। सबसे युवा मंत्री ओजे जनीश की आयु 37 वर्ष है इसके बाद रोजी एम जॉन 43 वर्ष और एम. लिजू 46 वर्ष आयु के हैं।

नीट-यूजी परीक्षा रद्द होने का मामला

जयराम ने मंत्री प्रधान के खिलाफ सीपी राधाकृष्णन को भेजा नोटिस

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस के राज्यसभा मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने सोमवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। रमेश ने प्रधान पर संसद की गरिमा कम करने का आरोप लगाया है। यह नोटिस 15 मई को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिए गए बयानों के संबंध में राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन को सौंपा गया है।

रमेश ने कहा कि नीट-यूजी परीक्षा रद्द होने के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधान ने एक संसदीय

जयराम रमेश धर्मेंद्र प्रधान

समिति के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां कीं, जो संसद के प्रति उनकी अवमानना को दर्शाती हैं। मैंने राज्यसभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 187 के तहत केंद्रीय शिक्षा मंत्री के खिलाफ नोटिस भेजा है।

कर्नाटक के एलीफेंट कैंप में हादसा

दो हाथियों की लड़ाई में महिला पर्यटक की मौत, जांच शुरू की

एजेंसी ⏭ बेंगलुरु

कर्नाटक के कोडागु जिले स्थित मशहूर डुबारे एलीफेंट कैंप में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। दो हाथियों के बीच हुई अचानक लड़ाई की चपेट में आने से चेन्नई की एक महिला पर्यटक की मौत हो गई। घटना सुबह करीब 10 से 10:30 बजे के बीच हुई। उस समय पर्यटक कैंप के पास नदी किनारे मौजूद थे। इसी दौरान दो हाथी अचानक आपस में भिड़ गए, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लड़ाई के दौरान एक हाथी गिर

डुबारे एलीफेंट कैंप का दृश्य

पड़ा और उसकी चपेट में आकर 33 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने महिला को बचाने की कोशिश की और तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उसकी मौत हो गई।

नवी मुंबई में हजारों फ्लेमिंगो का आगमन

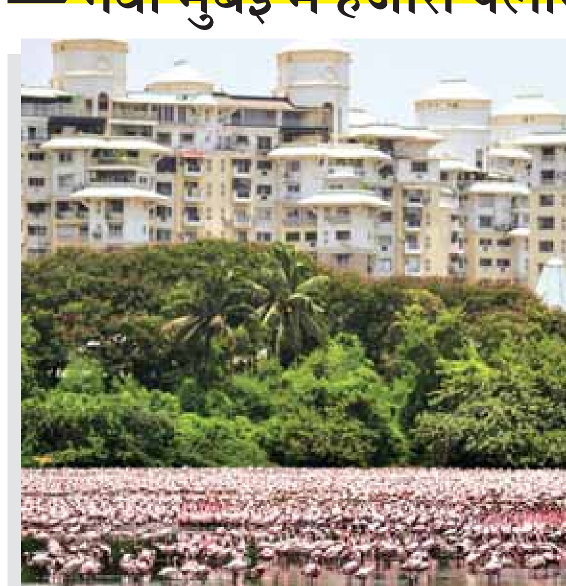

प्राकृतिक रूप से पानी को साफ कर रहीं

नवी मुंबई। नवी मुंबई के नेरुल इलाके के एनआरआई कॉम्प्लेक्स के पीछे मौजूद तालावे वेटलैंड्स में फ्लेमिंगो का विशाल झुंड देखा गया। लेसर फ्लेमिंगो आकार में छोटे और ज्यादा गुलाबी होते हैं, जबकि ग्रेटर फ्लेमिंगो लंबे और हल्के गुलाबी रंग के होते हैं। दोनों पक्षियों की चोंच खास तरीके से बनी होती है, जो पानी और कीचड़ में मौजूद सूक्ष्म भोजन को फिल्टर करने का काम करती है। ये पक्षी अपना सिर उल्टा करके पानी में डालते हैं और अपनी जीभ की मदद से पानी को अंदर-बाहर करते हैं।

दिल्ली शराब घोटाला मामला

जज स्वर्णकांता के हटने के बाद हाई कोर्ट ने मामलों की सुनवाई के लिए गठित की दो बेंच

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े शराब घोटाले के माममले में दिल्ली हाई कोर्ट ने सीबीआई की उस याचिका पर सुनवाई के लिए नई बेंच का गठन किया है, जिसमें दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और अन्य आरोपियों को आरोपमुक्त करने के फैसले को चुनौती दी गई है। अदालत ने निर्णय तब लिया जब जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने खुद को इस मामले की सुनवाई से अलग कर लिया। मामले की सुनवाई अब जस्टिस मनोज जैन करेंगे।

अवमानना के लिए एक अलग बेंच गठित

अरविंद केजरीवाल दिल्ली हाई कोर्ट

इस प्रकरण से जुड़े एक अन्य मामले, जिसमें अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज समेत अन्य नेताओं के खिलाफ आपराधिक अवमानना का मामला चल रहा है, उसकी सुनवाई के लिए भी हाईकोर्ट ने अलग बेंच गठित की है।

ट्रायल कोर्ट ने नेताओं को किया था बरी

इस अवमानना मामले की सुनवाई जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस रविंदर डुडेजा की खंडपीठ करेगी। बताया जा रहा है कि इन दोनों महत्वपूर्ण मामलों पर दिल्ली हाई कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई होगी, जिस पर हर किसी की नजरें टिकी हुई हैं।

उप्र सीएम योगी आदित्यनाथ की चेतावनी प्यार से मानें वरना...

नमाज रोकेंगे नहीं पर सड़क पर भी नहीं होने देंगे

एजेंसी ⏭ लखनऊ

यूएपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राजधानी लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि नमाज सड़क पर नहीं होने देंगे, सड़कें चलने के लिए हैं और आवागमन के लिए हैं। उन्होंने कहा कि लोग मुझसे पूछते हैं कि आपके यहां यूपी में क्या सड़कों पर सच में नमाज नहीं होती। मैं कहता हूं कतई नहीं होती है, आप जाकर देखलो नहीं होती है। उन्होंने आगे कहा कि अरे सड़कें चलने के लिए हैं, क्या कोई भी व्यक्ति चौराहे पर आकर तमाशा बना देगा? क्या अधिकार है उसको सड़क रोकने का, आवागमन बाधित करने का कौन सा अधिकार है।

योगी बोले- जरूरी है तो शिफ्ट में पढ़िए

सड़क आम लोगों के चलने के लिए बनी

सीएम योगी आदित्यनाथ फाइल फोटो

कानून समान रूप से लागू करेंगे

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर आपको सिस्टम के साथ रहना है तो नियम और कानून को मानना शुरू करें। कानून का राज होगा, कानून का राज सबके लिए समान रूप से लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर नमाज पढ़नी आवश्यक है, आप शिफ्ट में पढ़िए, हम उसको रोकेंगे नहीं लेकिन सड़क पर नहीं होने देंगे।

... तो दूसरा तरीका अपनाएंगे

सीएम योगी ने कहा कि हम सड़क को बाधित नहीं करने देंगे। सरकार का नियम सार्वभौम है, सबके लिए समान रूप से लागू होता है। हमने सबको कहा कि अब ये नहीं चलने देंगे। प्यार से मानेंगे ठीक बात है, नहीं मानेंगे तो दूसरा तरीका अपनाएंगे।

असम में अजान पर विवाद

भाजपा विधायक बोले- लाउडस्पीकर का इस्तेमाल न हो

गुवाहाटी। असम में भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक दिगंता कलिता ने अजान के दौरान

लाउडस्पीकर के इस्तेमाल को सीमित करने की मांग उठाई है। इससे विधानसभा और विधायक हॉस्टल क्षेत्र में व्यवधान उत्पन्न होता है। उन्होंने कहा वे अजान के विरोधी नहीं हैं। उनका विरोध सिर्फ लाउडस्पीकर के अत्यधिक शोर से है। वे पिछले पांच वर्षों से विधायक हॉस्टल में रह रहे हैं। वहां पास की एक मस्जिद से सुबह से शाम तक पांच बार लाउडस्पीकर पर अजान होती है।

जबलपुर
मंगलवार 19 मई 2026
ज्येष्ठ मास ‘शुक्ल पक्ष’ –3
वर्ष : 21, अंक : 19
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *
मौसम
अधि. 36
न्यून. 25

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

पीएम मोदी की नॉर्वे की पहली यात्रा

पीएम मोदी व पीएम जोनास गहर स्टोर ने साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की

100 बिलियन का निवेश व 10 लाख नौकरियां अंतरिक्ष से लेकर आर्कटिक तक हुए कई समझौते

- 43 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की भी इस देश की पहली यात्रा
- भारत-यूरोपीय यूनियन फ्री-ट्रेड एग्रीमेंट का भी उल्लेख किया

एजेंसी ▶▶ ओस्लो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नॉर्वे की यात्रा पर हैं। इस दौरान उन्होंने नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर के साथ साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया है। इस दौरान पीएम मोदी ने भारत-नॉर्वे संबंधों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने भारत-नॉर्वे के बीच हुए समझौतों की जानकारी भी दी। पीएम मोदी ने भारत-यूरोपीय यूनियन फ्री-ट्रेड एग्रीमेंट का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष, भारत और यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन ने, एक ऐतिहासिक ट्रेड एंड इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट लागू किया। यह एग्रीमेंट भारत और नॉर्वे के बीच, साझा विकास और प्रास्पेरिटी सुनिश्चित करने का ब्लू प्रिंट है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कथक के साथ अभिवादन

पीएम मोदी बच्चे के साथ खुशी जाहिर करते हुए

पहलगाम हमले पर एकजुटता दिखाने पर थैंक्यू कहा

पीएम मोदी ने आगे कहा कि मैं पिछले वर्ष नॉर्वे आने वाला था, लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के कारण वह यात्रा स्थगित करनी पड़ी। उस कठिन समय में नॉर्वे ने आतंकवाद के विरुद्ध भारत के साथ मजबूती से खड़े होकर सच्ची मित्रता का परिचय दिया। आज जब मैं नॉर्वे आया हूं, तो मैं उस एकजुटता के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने अपने संबोधन के दौरान दुनियाभर में जारी संघर्षों और युद्ध का जिक्र भी किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज विश्व एक अस्थिरता और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है। यूक्रेन हो या वेस्ट एशिया, दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है।

भारत-नॉर्वे के बीच आर्कटिक को लेकर डील

पीएम मोदी ने कहा कि नॉर्वे आर्कटिक रीजन का एक महत्वपूर्ण देश है। आर्कटिक और पोलर रिसर्च में हमारा लंबे समय से सहयोग रहा है। भारत के आर्कटिक रिसर्च स्टेशन हिमाद्रि के ऑपरेशन के लिए हम नॉर्वे के आभारी हैं। इसरो और नॉर्वे स्पेस एजेंसी के बीच एमओयू हो रहा है। हमारे स्पेस को-ऑपरेशन को भी नए आयाम देगा। इन सभी क्षेत्रों में गहरे सहयोग से हमारे वैज्ञानिक क्लाइमेट चेंज को समझने, फ्रैजाइल इकोसिस्टम को प्रोटेक्ट करने, और मानव के भविष्य को सुरक्षित करने में योगदान देंगे।

खबर संक्षेप

आईआरटीसी: इंदौर से नेपाल चलेगी गौरव ट्रेन

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने इंदौर से नेपाल के लिए नई भारत गौरव ट्रेन शुरू की है। यह ट्रेन

पशुपतिनाथ नेपाल दर्शन यात्रा पैकेज के तहत चलाई जा रही है। यह 10 दिन की यात्रा है, जो आईआरटीसी द्वारा आयोजित की गई है। यह कोई आम ट्रेन सेवा नहीं है, बल्कि एक फूल टूर पैकेज है, जिसमें सफर के साथ रहने, खाने और घूमने की भी सुविधा शामिल है. यह ट्रेन 12 जून से शुरू हो जा रही है।

एसडीओपी पूजा को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में हुए हवाला लूटकांड की मुख्य आरोपी एसडीओपी पूजा

पांडे को आखिरकार सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। एसडीओपी ने कोर्ट को बताया कि उसके साथ 2 साल का बच्चा है। इसी आधार पर सोमवार को देश की सर्वोच्च अदालत ने उन्हें जमानत दे दी। हालांकि, ट्रायल कोर्ट में केस यथावत चलता रहेगा। पूजा पांडे करीब 3 करोड़ रुपए के हवाला की मुख्य आरोपी हैं।

यूपी में ट्रक ने मैजिक को टक्कर मारी, 10 की मौत

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर खीरी में सोमवार सुबह 7.30 बजे मैजिक वाहन और ट्रक की

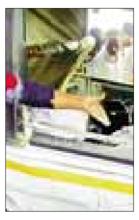

टक्कर में 10 लोगों की मौत हो गई। ये सभी मैजिक वाहन में सवार थे। 9 लोगों की मौके पर ही मौत हुई, जबकि एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतकों में सरकारी टीचर और इंजीनियर भी शामिल हैं। हादसा जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर अदलीसपुर गांव के पास हुआ।

मॉडल व एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत पर भोपाल से लेकर नोएड़ा तक हंगामा

पति समर्थ की गिरफ्तारी पर 10 हजार का इनाम, उसके विदेश भागने का शक

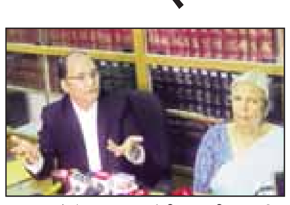
पत्रकारों के समक्ष आरोपी पक्ष की सफाई

इस केस में समर्थ की गिरफ्तारी के बाद ही पूरा दृश्य साफ हो सकेगा। वही उसे फंदे से उतारकर एम्स ले गया था। सवाल है कि यदि वह आरोपी नहीं है तो फरार क्यों है?

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कटारा हिल्स स्थित बागमुगलिया एक्सटेंशन में 12 मई की रात संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मॉडस, एक्ट्रेस व एमबीए पढ़ी ट्विशा की मौत के मामले में सोमवार को दशम अपर सत्र न्यायाधीश पल्लवी द्विवेदी ने पति समर्थ शर्मा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। दरअसल, ट्विशा के वकील ने जमानत पर आपत्ति जताई थी। साथ ही सामाजिक संगठन भी सामने आया और खुद को न्याय मित्र बताते हुए समर्थ की जमानत पर आपत्ति जताई थी। हालांकि, कोर्ट ने सामाजिक संगठन की आपत्ति अस्वीकार कर दी। कोर्ट ने अपराध की प्रकृति, शादी के बाद मृतका की मृत्यु की समयावधि और अपूर्ण विवेचना के मद्देनजर आरोपी की जमानत खारिज की। इधर, एसआईटी पूरे प्रकरण की जांच कर रही है। लगातार आरोपी समर्थ शर्मा के ठिकानों पर दबिश देने के बाद भी वह गिरफ्त से दूर है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। उसकी तलाश में 6 टीमें लगाई गई हैं। परिजनों को संदेह है कि समर्थ शर्मा विदेश भाग सकता है। पुलिस ने उसके पासपोर्ट को निरस्त करने के लिए आवेदन दिया है। इधर, आरोपी पक्ष ने सोमवार को मीडिया के सामने आकर अपनी बात रखी।

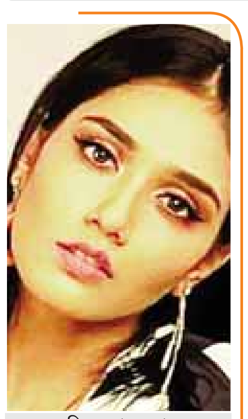
ट्विशा (मृतक)

पति समर्थ की जमानत याचिका खारिज, पुलिस ने समर्थ का पासपोर्ट जब्त करने दिया आवेदन, तलाश के लिए पुलिस की 6 टीमें लगाई गईं

सीसीटीवी फुटेज सामने आए

12 मई शाम 7 :20 बजे ट्विशा सीढ़ियों से गई, 8 :19 पर अचेत अवस्था में लाया गया

आरोपी पक्ष बोला- ट्विशा ड्रग लेने के कारण डिप्रेशन में थी उसका इलाज चल रहा था

पीड़ित पक्ष ने कहा- ड्रग का आरोप झूठा, पति समर्थ ड्रग लेता था, ट्विशा नहीं

आरोपी पक्ष बोला: सीबीआई जांच के लिए हम भी तैयार

सोमवार शाम आरोपी पक्ष के वकील इनोस जॉर्ज कार्लो के एमपी नगर स्थित कार्यालय में कार्लो ने पत्रकारों से चर्चा की। इस दौरान रिटायर्ड जज गिरीबाला सिंह भी मौजूद रही। उन्होंने कहा कि हम पर तमाम तरह के झूठे आरोप प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच होनी जाहिए। गिरीबाला सिंह ने कहा कि ट्विशा को मैं अपनी बेटी और बहू की तरह रखती थी। उसका असमय जाना हमारे लिए भी बहुत बड़ी क्षति हैं, लेकिन इस स्थिति में ट्विशा के परिजन हमारे खिलाफ हो गए।

ट्विशा के परिजनों की मांग- नई दिल्ली के एम्स में दोबारा पीएम हो

ट्विशा के परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच नहीं होने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि आरोपी पक्ष हाई-प्रोफाइल है, इसलिए उन्हें न्याय की उम्मीद कम होती जा रही है। परिवार ने कोर्ट के जरिए दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग उठाई है।

ट्विशा की ये चैट आई सामने

- मैं घर पर बैठी हूं, इसलिए बहुत ज्यादा एंग्जायटी में हूं। मैं अपनी जिंदगी में कुछ करना चाहती हूं।
- इन सबको लगता है कि मैं ड्रग्स लेती हूं, इसलिए मेरा मूड खराब रहता है। एक बार भी इनके दिल में यह नहीं आता कि इनका बेटा मुझे छोड़कर बैठा है। मेरा मूड इस वजह से भी खराब हो सकता है।
- मुझे बहुत ज्यादा घुटन हो रही है मां। ये लोग न रोने देंगे, न हंसने की वजह देंगे।

इंदौर में दादा-दादी के साथ गई थी वर्कशॉप

कार में दम घुटने से 4 वर्षीय बच्ची की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

लौटते वक्त गाड़ी में ही सो गई मासूम

इंदौर के जूनी इंदौर थाना क्षेत्र की नंदनवन कॉलोनी में एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां चार साल की मासूम बच्ची की मौत हो गई। वह अपने दादा-दादी और अन्य बच्चों के साथ कार से वर्कशॉप गई थी। वहां से लौटते समय वह कार में ही सो गई थी। घर पहुंचने पर सभी लोग कार से उतर गए, लेकिन बच्ची कार में ही सोती रह गई। काफी देर तक नजर नहीं आने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। बाद में वह कार में बेसुध हालत में मिली। परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हाजरा (मृतक)

एमजीएम मेडिकल कॉलेज की घटना

इंदौर में पांचवीं मंजिल से गिरे जूनियर डॉक्टर की मौत

बॉयज हॉस्टल परिसर में शव मिला

अमन पटेल (मृतक)

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज के बॉयज हॉस्टल में रविवार देर रात एक पीजी डॉक्टर की मौत हो गई। डॉक्टर का शव हॉस्टल की पांचवीं मंजिल से गिरने के बाद परिसर में मिला। पुलिस आत्महत्या और हादसा, दोनों पहलुओं से जांच कर रही है। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे एमजीएम बॉयज हॉस्टल परिसर के ब्लॉक नंबर-5 के पास डॉक्टर का शव मिला। डॉ. अमन पटेल (30) मेडिसिन विभाग में फाइनल ईयर के 2023 बैच के पीजी स्टूडेंट थे।

यह ट्रेन मुंबई और अहमदाबाद के बीच चलेगी

280 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी

ये भारत की पहली बुलेट ट्रेन रेल मंत्रालय ने दिखाई झलक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने देश की बुलेट ट्रेन का डिजाइन पेश किया है। यह ट्रेन मुंबई और अहमदाबाद के बीच चलेगी। रेलवे मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजधानी में इस ट्रेन की एक तस्वीर प्रदर्शित की है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने फरवरी 2026 में लोकसभा को बताया कि 508 किलोमीटर लंबा मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट महाराष्ट्र, गुजरात और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली से होकर गुजरेगा। मुंबई से अहमदाबाद के बीच चलने वाली बुलेट ट्रेन के इस रूट पर 12 स्टेशन होंगे- मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद और साबरमती। भारतीय रेलवे के मुताबिक इस प्रोजेक्ट के लिए, गुजरात के आठ स्टेशनों (वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, आनंद, वडोदरा, अहमदाबाद और साबरमती) पर नींव का काम पूरा हो चुका है।

स्कूलों में शौचालय निर्माण हो रहा

डीपीसी खरे ने मांगे 17 लाख, एक लाख की घूस के साथ दबोचे गए

साइन करने की एवज में मांग रहे थे 5 फीसदी कमीशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धार

जिला शिक्षा केंद्र के डीपीसी (जिला परियोजना समन्वयक) प्रदीप खरे रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किए गए हैं। इंदौर लोकायुक्त पुलिस की कार्रवाई से अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। खरे 1 लाख रुपये की रिश्वत लेते अरेस्ट हुए हैं। लोकायुक्त पुलिस की टीम डॉक्यूमेंट्स खंगाल रही है।

ड्राइवर को झपकी आई और बाइक पर चढ़ गया टैंकर

मासूमों ने मौके पर दम तोड़ा

इंदौर में टैंकर ने बाइक को मारी टक्कर, तीन की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

इंदौर के धार रोड स्थित हाईलिंक कॉलोनी के सामने सोमवार सुबह हुए सड़क हादसे में एक मां और उसके दो मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। परिवार के छह लोग (तीन वयस्क-तीन बच्चे) एक ही बाइक पर सवार होकर पगड़ी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे, तभी पीछे से आए तेज रफ्तार टैंकर ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसा इतना भयावह था कि दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी मां ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही चंदन नगर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया। दोनों बच्चों के शव जिला अस्पताल भेजे गए, जबकि महिला का शव पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल पहुंचाया गया। मृतकों के परिजन लखन देवड़ा ने बताया कि उनका बड़ा बेटा अशोक देवड़ा (30), बहू अनिता देवड़ा (28), उनके बच्चे वैष्णवी उर्फ वेशू (4), रोहन (2), संतोषी (1) और भांजा राजेश बाइक पर सवार होकर औरंगपुरी से देवास जिले के बबलू ग्राम बेसन कांटा फोड़ जा रहे थे।

मृतक दोनों मासूम

नीट पेपर लीक मामला : अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें से 6 महाराष्ट्र के रहने वाले

नीट पेपर लीक मामले में तेज हुई कार्रवाई

- लातूर में रेनूकाई केमिस्ट्री क्लासेस (आरसीसी) चला रहे थे शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर
- शिवराज ने नीट एग्जाम के बाद लीक हुए क्वेश्चन पेपर नष्ट कर दिए थे

साइकिल से ट्यूशन पढ़ाने वाले ने कोचिंग का 200 करोड़ रुपए का साम्राज्य खड़ा किया, अब सीबीआई ने किया गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र के लातूर में रेनूकाई केमिस्ट्री क्लासेस (आरसीसी) चलाने वाले मशहूर शिक्षक शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर को गिरफ्तार कर लिया है। जांच एजेंसी द्वारा की गई छापेमारी के दौरान मोटेगांवकर के मोबाइल फोन से मेडिकल प्रवेश परीक्षा (नीट) का लीक प्रश्नपत्र बरामद हुआ है।

शिवराज मोटेगांवकर

पीवी कुलकर्णी

एनटीए प्रमुख तलब, संसदीय समिति करेगी समीक्षा

संसद की शिक्षा संबंधी स्थायी समिति ने एनटीए में चल रहे सुधारों और नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले की समीक्षा करने का फैसला किया है। इसके लिए एनटीए प्रमुख प्रदीप कुमार जोशी और वरिष्ठ अधिकारियों को चर्चा के लिए बुलाया गया है। समिति 21 मई को शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों से भी इस मामले पर राय लेगी।

प्रदीप कुमार जोशी

पेपर व आंसर शीट की कॉपी कई लोगों तक पहुंचाई

सीबीआई के आरोप हैं कि मोटेगांवकर ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से जुड़े दूसरे आरोपियों और सरकारी कर्मचारियों के साथ मिलकर लीक हुए क्वेश्चन पेपर और आंसर शीट की कॉपी कई लोगों तक पहुंचाई जिनमें विवेक पाटिल और दूसरे लोग शामिल हैं।

31 जिलों के 743 स्वयंसेवक खुद को 'गढ़ेंगे', सिखाए जाएंगे विभिन्न प्रकार के 'जीवन प्रबंधन'

शिवपुरी में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग में 369 कार्यकर्ता, ब्यावरा में 200 कार्यकर्ता और बैतूल में 174 कार्यकर्ता शामिल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्यभारत प्रांत के शिक्षा वर्ग प्रारंभ, 15 दिन चलेगा प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

संघ शिक्षा वर्ग एक साधना स्थली है, जहां शिक्षार्थी साधक के रूप मे नित्य शारीरिक, बौद्धिक एवं व्यवस्थात्मक प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। यह सभी प्रशिक्षण मन की साधना से ही संभव है।

यह विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मध्यभारत के प्रांत प्रचारक विमल गुप्ता ने शिवपुरी के सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय फतेहपुर में संघ शिक्षा वर्ग के उद्घाटन पर व्यक्त किए। मध्यभारत प्रांत के विद्यार्थी कार्यकर्ताओं के लिए शिवपुरी में, तरुण व्यवसायी कार्यकर्ताओं के लिए ब्यावरा में और 40 से अधिक आयुवर्ग के कार्यकर्ताओं के लिए बैतूल में संघ शिक्षा वर्गों का आयोजन किया जा रहा है। तीनों ही स्थानों पर संघ शिक्षा वर्ग 16 मई से प्रारंभ हो गए हैं, जिनका औपचारिक उद्घाटन रविवार को किया गया। संघ शिक्षा वर्ग में शामिल शिक्षार्थियों को शारीरिक, बौद्धिक, योग, सेवा, प्रबंधन और संघ कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त होगा। 15 दिन के इस वर्ग में युवा कठोर अनुशासित दिनचर्या का पालन करते हुए अपने व्यक्तित्व को मजबूत करेंगे। प्रांत प्रचारक विमल गुप्ता ने कहा कि वर्ग में 24 घंटे की व्यस्ततम दिनचर्या में स्वयं को व्यस्त रखते हुए सीखने के मानस से शिक्षार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करता है। उन्होंने कहा कि संघ शिक्षा वर्ग मे शिक्षार्थी विभिन्न प्रकार के प्रबंधन भी सीखता है, जैसे - समय प्रबंधन, मानव प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, संसाधन प्रबंधन, आपदा प्रबंधन और कार्यक्रम प्रबंधन।

कठोर अनुशासित दिनचर्या का पालन करते हुए अपने व्यक्तित्व को मजबूत करेंगे युवा

संबोधित करते प्रांत प्रचारक विमल गुप्ता।

जो कठिनाइयों में जी नहीं सकता, वह साधक नहीं: पांडेय

ब्यावरा में उद्घाटन सत्र में प्रांत के सह-संघचालक डॉ. राजेश सेठी ने कहा कि अच्छे कार्यकर्ता बनने के लिए केवल शारीरिक क्षमता पर्याप्त नहीं, बल्कि बौद्धिक और भावनात्मक विकास भी आवश्यक है। यही कारण है कि संघ शिक्षा वर्ग में तीनों आयामों पर समान रूप से काम किया जाता है। बैतूल स्थित भारत भारती विद्यालय परिसर में संघ शिक्षा वर्ग (विशेष) के उद्घाटन समारोह में प्रांत संघचालक अशोक पांडेय ने स्वयंसेवकों से कहा कि साधना कठिनता से सफल होती हैं। जो कठिनाइयों में जी नहीं सकता वह कभी साधक नहीं बन सकता है।

मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने वन विभाग की अनूठी पहल

भोपाल। दक्षिण सामान्य वनमण्डल बालाघाट तेंदूपत्ता संग्रहण सीजन के दौरान संग्राहकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से विशेष जनजागरूकता अभियान संचालित कर रही है। अभियान के तहत तेंदूपत्ता संग्राहकों के बीच सुरक्षा संदेशों से मुद्रित मास्क वितरित किए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से जंगल में सुरक्षित व्यवहार एवं आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी जा रही है। वन विभाग की ओर से मिली जानकारी के अनुसार तेंदूपत्ता संग्रहण के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं वनाश्रित परिवार जंगल क्षेत्रों में प्रवेश करते हैं। ऐसे समय में हिंसक वन्यप्राणियों की गतिविधियों वाले क्षेत्रों में सतर्कता अत्यंत आवश्यक होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभागकी ओर से सुरक्षा संबंधी संदेशों को सरल एवं प्रभावी तरीके से जन-जन तक पहुंचाने के लिए यह अभिनव पहल की गई है।

खुलासा करने वाले प्रभारी अधीक्षण यंत्री को जरूर किया गया उपकृत

पीडब्ल्यूडी में प्रभार का खेल, कार्यपालन यंत्री को बना दिया प्रभारी मुख्य अभियंता

जिस कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने का पत्र अधीक्षण यंत्री ने जारी किया, उसमें कंपनी का कुछ नहीं बिगड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में इन दिनों प्रभार का जमकर खेल चल रहा है। जिन्हें वास्तव में मुख्य अभियंता के पद पर पदस्थ होना चाहिए, उनके बजाय कार्यपालन यंत्री (ईई) स्तर के इंजीनियर को प्रभारी मुख्य अभियंता बनाकर खेल किया जा गया है। जबकि मुख्य अभियंता स्तर के इंजीनियर तृतीय श्रेणी स्तर का काम कर रहे हैं। इसे लेकर इंजीनियरों में बड़े पैमाने पर नाराजगी उभर कर सामने आई है।

अभी कुछ समय पहले राज्य शासन ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में पदस्थ अधीक्षण यंत्री (सिविल) जो प्रभारी मुख्य अभियंता के पद पर प्रमुख अभियंता (भवन) के पद पर पदस्थ थे। उन्हें प्रभारी मुख्य अभियंता (भवन) जबलपुर के रिक्त पद पर पदस्थ किया गया है। दरअसल, पदोन्नति में आरक्षण मामले की वजह से अधीक्षण यंत्री को अभी तक प्रभारी मुख्य अभियंता के पद पर कार्यरत किया जाता रहा है। इस अनुसार अधीक्षण यंत्री जिले सिंह बघेल को प्रभारी मुख्य अभियंता जबलपुर में पदस्थ किया गया।

फाइल फोटो।

कार्यपालन यंत्री को प्रभारी मुख्य अभियंता बनाने का खेल

सबसे रोचक बात यह है कि लोक निर्माण विभाग मंडल नर्मदापुरम में पदस्थ कार्यपालन यात्री (सिविल) योगेंद्र कुमार को लोक निर्माण विभाग इंदौर परिक्षेत्र में प्रभारी मुख्य अभियंता के पद पर पदस्थ किया गया है। अभी तक योगेंद्र कुमार प्रभारी अधीक्षण यंत्री के पद पर नर्मदा पुरम में पदस्थ थे। इतना तक तो ठीक था, किंतु अब उन्हें प्रभारी मुख्य अभियंता इंदौर के पद पर पदस्थ किया गया है। इस खेल की वजह से लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरों में जमकर नाराजगी सामने आई है। कई इंजीनियरों ने बताया कि अधीक्षण यंत्री को प्रभारी मुख्य अभियंता बनाया जा सकता है, किंतु कार्यपालन यंत्री (ईई) किस आधार पर प्रभारी मुख्य अभियंता बनाया गया, यह समझ से परे है।

कंपनी तो ब्लैकलिस्ट नहीं हुई, पर योगेंद्र कुमार को जरूर हट गए

सूत्रों ने बताया कि अभी कुछ दिन पहले ही प्रभारी अधीक्षण यंत्री योगेंद्र कुमार ने नर्मदापुरम में करीब 16 करोड़ रुपए के कई रोड निर्माण कार्य में यूएस इंफ्रा को ब्लैक लिस्ट करने मुख्य अभियंता राजधानी परिक्षेत्र को पत्र लिखा था। उन्हें अपने पत्र में खुलासा किया था कि यूएस इंफ्रा ने पांच सड़कों के निर्माण में गंभीर अनियमितता की है। यहां तक कि कुछ सड़कों में तो महज 20 से 30 फीसदी कार्य भी नहीं हुआ, पर पेमेंट 90 फीसदी तक हो गया। उन्होंने बड़े पैमाने पर अनियमितता का खुलासा की करते हुए उक्त ठेकेदार को तत्काल प्रभाव से ब्लैक लिस्ट करने का पत्र जारी किया था। किंतु उसे पत्र को दबा दिया गया। इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई। जबकि उक्त फर्म ने शासन को करोड़ों रुपए का चुना लगाया। प्रभारी अधीक्षण यंत्री योगेंद्र कुमार ने जांच रिपोर्ट भेजी थी।

कोई जवाब नहीं मिला

इस मामले में प्रमुख सचिव सुखबीर सिंह से संपर्क करने की कोशिश की गई, किंतु कोई जवाब नहीं मिला।

8 बसें परमिट नियम उल्लंघन करते मिली

एक बस में इमरजेंसी गेट के आगे सीट दूसरी में अग्निशामक यंत्र छोटा मिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

परिवहन आयुक्त के निर्देशानुसार यात्री सुरक्षा को लेकर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय द्वारा रविवार को आरटीओ टीम ने बस स्टैंड पर बसों की चैकिंग की। इस दौरान एक बस में इमरजेंसी गेट के आगे सीट लगी मिली। तो वहीं दूसरी में फायर फाइटिंग की डेट एक्सपायर हो गई थी।

2 लाख, 69 हजार जुर्माना

क्षेत्रीय परिवहन फ्लाइंग स्क्वॉड भोपाल द्वारा यात्री बसों की चैकिंग की गई। एमपी 13 पी 7033 में फायर एक्टिंग्विशर की तारीख खत्म होने के कारण एवं आपातकालीन खिड़की आसानी से न खुलने के कारण फिटनेस निरस्त किया गया हैं। साथ ही 8 बसों से परमिट शर्तों के उल्लंघन के समन शुल्क के रूप में 113500 रुपए वसूल किए गए हैं। वहीं 3 बसों से समन शुल्क के रूप में 269100 रुपए जुर्माना वसूल किया गया है।

ट्रैफिक नियमों की अनदेखी पर एक्शन 5 हजार लाइसेंस सस्पेंड किए जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रदेश में सड़क सुरक्षा नियमों की लगातार अनदेखी करने वाले वाहन चालकों पर अब सख्त कार्रवाई की तैयारी है। परिवहन विभाग जल्द ही 5 हजार से अधिक ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित करेगा। इसके लिए विभिन्न जिलों की पुलिस ने परिवहन विभाग को प्रस्ताव भेजे हैं। यह कार्रवाई हाल ही में चलाए गए विशेष सड़क सुरक्षा अभियान के बाद की जा रही है। प्रदेशभर में 15 दिनों तक चले इस अभियान में हेलमेट नहीं पहनने, ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने और लापरवाही से वाहन चलाने वालों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की गई।

उत्तम स्वास्थ्य के लिए स्वयं पहल करें और दूसरों को भी प्रेरित करें: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि तनाव-अनियमितता और असंतुलित भोजन, उच्च रक्तचाप और बीमारियों के प्रमुख कारण हैं। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने और पौष्टिक आहार, योग तथा अनुशासन से तनाव मुक्त बने रहने के लिए हमें जागरूक करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर उत्तम स्वास्थ्य के लिए स्वयं पहल करने और दूसरों को भी प्रेरित करने का प्रदेशवासियों से आव्हान किया है।

इन नियुक्तियों में भी नहीं मिली सिंधिया को तवज्जो

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने लोकसभा क्षेत्र गुना-शिवपुरी तक ही सीमित होते जा रहे हैं। इतना ही नहीं, अभी निगम-मंडलों, प्राधिकरणों, आयोगों आदि में की गईं 60 से ज्यादा नियुक्तियों में सिंधिया के समर्थक सिर्फ 2 हैं। इमरती देवी सहित उनके लगभग एक दर्जन समर्थक परदे के पीछे से सरकार में हिस्सेदारी मिलने का इंतजार ही करते रह गए। इससे सिंधिया नाराज हैं। इसे लेकर वे भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से मिल चुके हैं। इस पेच के कारण ही लगभग दो दर्जन निगम-मंडलों में नियुक्तियों का काम रोक दिया गया है। इनके लिए फिर नए सिरे से मंथन होगा।

किसी पर गाज, किसी को माफी...ये तो नाइंसाफी

भाजपा का प्रदेश नेतृत्व भेदभावपूर्ण कार्रवाई की अपनी परंपरा से उबर नहीं पा रहा। भिंड के किसान मोर्चे का जिलाध्यक्ष चूंकि सबसे छोटा था, उनके समर्थन में भीड़ जुटी तो उन्हें पद से हटाने में देर नहीं की गई। इसके विपरीत अन्य कई काफिले के साथ निकले, मंत्री प्रभार के जिले में वाहनों की लंबी कतार के साथ घूमे, एक मंत्री ने सवाल करने वाले पत्रकार को ही झिड़क दिया। इन बड़े नेताओं को माफी दे दी गई। इन्हें तलब करने अथवा नोटिस देने की खानापूर्ति की गई। नेता बड़ा हो या छोटा, पार्टी के अंदर कार्रवाई एक तरह की होना चाहिए।

'भोजशाला' पर कांग्रेस से भी नहीं उठी आवाज

जिस तरह अयोध्या से समूचे हिंदू समाज की आस्था जुड़ी थी, मप्र के हिंदुओं के लिए धार की भोजशाला का लगभग वैसा ही महत्व था। हाईकोर्ट से विवाद का निबटारा भी अयोध्या की तर्ज पर हुआ। दिग्विजय सिंह ने हालांकि कुछ बोला पर बोलने में उन्होंने भी सावधानी बरती। कांग्रेस ने निर्णय का विरोध नहीं किया और दिग्विजय ने सिर्फ इतना कहा कि वे फैसले का अध्ययन करेंगे और सुप्रीम कोर्ट में इसका फैसला होगा।

गले की फांस बन गए मंत्री शाह

मंत्री विजय शाह पार्टी नेतृत्व के लिए गले की फांस बन गए हैं। कर्नल सोफिया कुरैशी पर शाह की अभद्र टिप्पणी पर पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने प्रदेश सरकार को 4 हफ्ते में रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए। इससे भाजपा में खलबली है। शाह पार्टी का आदिवासी चेहरा हैं। इस वर्ग में विपरीत मैसेज न जाए, इसलिए पार्टी लगातार कार्रवाई से बच रही है। सुप्रीम कोर्ट के कड़े रुख के बाद मामला पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के पाले में पहुंच गया है।

केंद्रीय टीम में जगह पा सकते हैं भाजपा के ये दिग्गज

प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए अभी दो साल से ज्यादा का समय है, लेकिन भाजपा ने सांगठनिक तौर पर अभी से तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन अपनी टीम तैयार करने की कसरत कर रहे हैं। मप्र से भी केंद्रीय टीम के लिए दावेदार नेताओं की कमी नहीं है। इस बार भी टीम में मप्र का जलजला रह सकता है। संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति में भी प्रदेश से एक-एक बड़े नेता को शामिल किया जा सकता है। एक पद पर कैलाश विजयवर्गीय का नाम लिया जा रहा है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और महामंत्री के लिए वीडी शर्मा, कविता पाटीदार, नरोत्तम मिश्रा और राकेश सिंह के नामों की चर्चा है। नरोत्तम को जगह तभी मिलेगी जब उन्हें दतिया का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ाया जाएगा और राकेश को राज्य मंत्रिमंडल से हटाया जाएगा। राष्ट्रीय मंत्री के लिए अरविंद भदौरिया और रामेश्वर शर्मा के नामों की चर्चा है।

दिनेश निगम 'त्यागी'

25 मई से शुरू होगा चरणबद्ध आंदोलन

एनएचएम संविदा कर्मचारी की चेतावनी: 2 जून से होगी हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत कार्यरत करीब 32 हजार संविदा कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया है।

कर्मचारियों ने चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा करते हुए कहा कि यदि समय रहते हम लोगों मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो दो जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी। ठेंगड़ी भवन में आयोजित पत्रकारवार्ता में संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष जितेंद्र सिंह भदौरियों ने बताया कि संविदा कर्मचारी सालों से स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों की अनदेखी की जा रही है। पूर्व में सरकार की ओर से मांगों पर सहमति जताई गई थी, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

छत्तीसगढ़ में 2 दिन आंधी-बारिश का अलर्ट: 50किमी रफ्तार से हवा चलेगी

तेज बारिश के साथ गिरे ओले, बीजापुर में बिजली गिरने से 20 मवेशियों की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक प्रदेश में आंधी, बारिश और बिजली गिरने की संभावना जताई है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। पिछले 24 घंटों के दौरान उत्तर, मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में तेज हवा और गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई है।

इस मौसम के बीच बीजापुर जिले में बिजली गिरने से 10 मवेशियों की मौत हो गई। वहीं गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के पर्यटन स्थल राजमेरगढ़ क्षेत्र में भी बिजली गिरने से 10 मवेशियों ने दम तोड़ दिया। मौसम विभाग के मुताबिक अगले चार दिनों में प्रदेश के अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है, जिसके बाद तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा। फिलहाल प्रदेश में सबसे अधिक तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस बिलासपुर में दर्ज किया गया है और सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.5 डिग्री सेल्सियस रायपुर में रिकॉर्ड हुआ है।

पुलिस ने कार्रवाई कर लग्जरी कारें-कैश जब्त किए

बिलासपुर में फार्म-हाउस पर रेड, मुंह छिपाते दिखे जुआरी, 8 जुआरी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बिल्डर, रियल एस्टेट, कोयला कारोबारी और राइस मिलर एक फार्म हाउस में जुआ खेलते पकड़ाए हैं। पुलिस ने छापेमारी कर 8 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। उन पर गैरजमानतीय केस दर्ज किया है। घटना कोनी थाना क्षेत्र की है। दरअसल, एसएसपी रजनेश सिंह को पिछले कुछ दिनों से शिकायत मिल रही थी कि, गतौरी स्थित फार्म हाउस में जुआ खिलाया जा रहा है। फार्म हाउस संचालक मनीष शर्मा अपने वृंदावन ग्रीन फार्म हाउस में रसूखदार जुआरियों को जुआ खिलाता है।

80 हजार रुपए नगद जब्त किए

पुलिस की टीम ने रविवार की रात घेराबंदी कर छापेमारी की। जिससे जुआरियों को भागने का मौका न मिले। पुलिस अफसर सीधे मौके पर पहुंचे, तब जुआरी ताश-पत्तियों पर दांव लगाते मिले। इस दौरान 8 जुआरियों से 3 लाख 80 हजार रुपए कैश, आई फोन समेत 11 मोबाइल और 5 कार जब्त किए गए। पकड़े गए जुआरियों ने बिल्डर, रियल एस्टेट, कोयला कारोबारी और राइस मिलर शामिल हैं, जिसमें ओमनगर निवासी रोशन सिंह (38), राजीव गांधी चौक के पास रहने वाला मुन्ना गोयल, मंगला के दीनदयाल कॉलोनी निवासी विकास सिंह।

पड़ोसियों ने बेटे को रस्सी से बांधकर पकड़ा, पुलिस को सौंपा

मोबाइल नहीं देने पर मां-बाप पर हसिए से किया हमल, हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

दुर्ग जिले के जामुल थाना क्षेत्र में बेटे ने मोबाइल नहीं मिलने की बात पर अपने ही मां-पिता पर हसिए से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में मां गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि पिता को भी चोटें आई हैं। घटना के बाद आसपास के लोगों ने आरोपी बेटे को पकड़कर रस्सी से बांधा और पुलिस को सूचना दी।

दरअसल, जामुल निवासी दिनेश साहू (50) और उनकी पत्नी खिलेश्वरी साहू (47) अपने बेटे राकेश साहू को इलाज के लिए अस्पताल ले जा रहे थे। बताया जा रहा है कि राकेश का इलाज कुरुद स्थित चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। इसी सिलसिले में परिवार उसे अस्पताल लेकर जा रहा था। अस्पताल जाने से पहले राकेश ने अपने पिता से मोबाइल मांगा। पिता ने उसे बाद में मोबाइल देने की बात कही। इसी बात से राकेश नाराज हो गया और हसिए से पहले पिता पर हमला कर दिया, इसके बाद उसने मां पर कई वार कर दिए। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, फिर सबने मिलकर आरोपी युवक को घेर कर पकड़ा और रस्सी से बांध दिया।

पचपेड़ी थाना क्षेत्र की घटना, बाइक की टक्कर के बाद हुआ विवाद

बाइक धीरे चलाने को कहा तो बदमाशों ने लाठी-ठंडे से की पिटाई, दो युवक गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में दो युवकों की लाठी-डंडों से पिटाई का वीडियो सामने आया है। बदमाश पेट्रोल पंप के ऑफिस में घुसकर लाठी-लोहे के रॉड से युवकों पर हमला करते नजर आ रहे हैं। मारपीट में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना पचपेड़ी थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, आरोपियों में शामिल एक युवक ने पहले पीड़ित की बाइक को टक्कर मार दी थी। इस पर उसे धीरे बाइक चलाने की समझाइश दी गई। पुलिस से मिली अनुसार ग्राम पचपेड़ी निवासी प्रभाकर मार्शल चौकसे कॉलेज में बी-फार्मेसी का छात्र है। वह रविवार को अपने रिश्तेदार के दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने गांव गया था। दोपहर करीब 12:30 बजे प्रभाकर अपने साथी निमेश राय और दिलेश्वर मार्शल के साथ बाइक पर सवार होकर हाथ में लाउड स्पीकर लेकर समाज की महिलाओं को नहाने के कार्यक्रम की सूचना देने निकला था।

इस दौरान पेट्रोल पंप के पास सामने से तेज रफ्तार बाइक सवार बादल जांगड़े ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे तीनों युवक सड़क पर गिर पड़े। गिरने के बाद युवकों ने बादल जांगड़े से बाइक धीरे चलाने की बात कही। इस बात से नाराज होकर बादल गाली-गलौज करने लगा और बेल्ट से मारपीट शुरू कर दी। कुछ देर बाद विक्की जांगड़े और विकास मार्शल भी मौके पर पहुंच गए। तीनों आरोपियों ने मिलकर लाठी-डंडों और लोहे के रॉड से हमला कर दिया।

पेट्रोल पंप के ऑफिस में घुसकर की मारपीट

इसके बाद सरोज जांगड़े समेत अन्य लोग भी मौके पर पहुंच गए। सभी ने मिलकर युवकों को घेर लिया और ताबड़तोड़ हमला कर दिया। जान बचाने के लिए एक युवक भागते हुए पेट्रोल पंप के ऑफिस में पहुंच गया, लेकिन हमलावर वहां भी पीछे-पीछे घुस गए और जमकर मारपीट की। इसके बाद सभी मौके से भाग निकले। वहीं हमले में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायल को एम्बुलेंस के जरिए इलाज के लिए सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवकों की गुंडागर्दी और मारपीट का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें लाठी-डंडों से लैस हमलावर युवकों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटते नजर आ रहे हैं। वीडियो में एक युवक जान बचाने के लिए पेट्रोल पंप के ऑफिस में घुसकर दरवाजा बंद करता दिखाई दे रहा है। इसके बावजूद हमलावर ऑफिस के अंदर घुस गए और डंडों से हमला कर मारपीट करने लगे।

हाई कोर्ट ने जनहित याचिका पर कलेक्टर जबलपुर सहित अन्य से मांगा जवाब

अस्पताल में भीषण अग्निकांड की घटना से भी सबक न लिए जाने का आरोप

रहवासी इलाकों में ज्वलनशील पदार्थों के कारखाने व गोदामों को चुनौती

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने बिना सुरक्षा मानकों के शहर के रहवासी इलाकों में ज्वलनशील पदार्थों के कारखाने और गोदामों के संचालन को चुनौती के मामले में जवाब-तलब किया है। जस्टिस मनिंदर सिंह भट्टी व जस्टिस बीपी शर्मा की डिवीजन बेंच ने इस सिलसिले में राज्य शासन, नगरीय विकास व आवास के सचिव, नगरीय प्रशासन विभाग के संचालक, कलेक्टर जबलपुर और नगर निगम जबलपुर के आयुक्त को नोटिस जारी किए हैं। जनहित याचिकाकर्ता नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के अध्यक्ष डा. पीजी नाजपांडे व सामाजिक कार्यकर्ता रजत भार्गव की ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि जबलपुर में रहवासी

एरिया में गोदाम व्यावसायिक भवनों दुकानें फैक्ट्री चल रही है, जिसमें फायर सेप्टी नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। फायर एनओसी के बिना चल रहे ये प्रतिष्ठान इस भीषण गर्मी में अग्नि दुर्घटनाओं का खुला निमंत्रण है। शहर के कोने कोने में ज्वलनशील पदार्थों का उत्पादन व भंडारण बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। आवासीय क्षेत्रों में चल रहे ये कारखाने व गोदाम आबादी के लिए खतरा बने हुए हैं। कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। कई शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार अमलों की ओर से कार्रवाई नदारद है। जबलपुर में पूर्व में एक अस्पताल में भीषण अग्निकांड में जनधन हानि हो चुकी है। इसके बावजूद फायर सेप्टी के मेजर का उल्लंघन बदस्तूर जारी है।

हाई कोर्ट ने फारेस्ट रेंजर की याचिका का निर्देश के साथ किया पटाक्षेप

जबलपुर । मप्र हाईकोर्ट ने माना है कि चीफ कंजर्वेटर आफ फारेस्ट को फारेस्ट रेंजर के विरुद्ध निलंबन आदेश पारित करने का अधिकार प्राप्त है। जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता के पास निलंबन आदेश के विरुद्ध अपील का वैकल्पिक उपाय उपलब्ध है। इसलिए कोर्ट ने जबलपुर निवासी फारेस्ट रेंजर शिशुपाल अहिरवार को विधि के अनुसार अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील करने की स्वतंत्रता प्रदान करते हुए याचिका का इस निर्देश के साथ निराकरण कर दिया। याचिकाकर्ता फारेस्ट रेंजर अहिरवार की ओर से अधिवक्ता संजय के अग्रवाल ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि मुख्य वन संरक्षक, छतरपुर द्वारा 22 अप्रैल, 2026 को जारी निलंबन आदेश अवैध, अधिकारविहीन और प्राकृतिक न्याय के विरुद्ध होने के कारण चुनौती के योग्य है। याचिकाकर्ता राज्यपाल द्वारा नियुक्त द्वितीय श्रेणी राजपत्रित अधिकारी है, इसलिए चीफ कंजर्वेटर आफ फारेस्ट उसके विरुद्ध निलंबन की अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के लिए सक्षम प्राधिकारी नहीं हैं। वहीं, राज्य शासन की ओर से शासकीय अधिवक्ता प्रभांशु शुक्ला ने याचिका का विरोध करते हुए दलील दी कि विभिन्न अधिसूचनाओं व परिपत्रों, विशेषकर 29 जुलाई, 2011 के परिपत्र के अनुसार चीफ कंजर्वेटर आफ फारेस्ट भी चीफ कंजर्वेटर आफ फारेस्ट की श्रेणी में आता है और उसे फारेस्ट रेंजर के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई व निलंबन का अधिकार है। हाई कोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार कर लिया।

निलंबन आदेश के विरुद्ध अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील करें।

कछपुरा मालगोदाम से हो रहे प्रदूषण पर एनजीटी ने मांगा जवाब

जबलपुर। राष्ट्रीय हरित अधिकरण, एनजीटी ने जबलपुर के कछपुरा मालगोदाम के प्रदूषण को गंभीरता से लिया है। अधिकरण ने एक अवमानना याचिका पर राज्य शासन व प्रदूषण नियंत्रण मंडल को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया। इसके लिए चार सप्ताह का समय दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई 11 अगस्त को निर्धारित की गई है।

अवमानना याचिकाकर्ता नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के अध्यक्ष डा. पीजी नाजपांडे व सामाजिक कार्यकर्ता रजत भार्गव की ओर से अधिवक्ता प्रभात यादव व तरुण रावत ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि कछपुरा मालगोदाम

अवमानना याचिका में आरोप
केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल के रेग्युलेशन का पालन नदारद

से निकल रहे धूल प्रदूषण से 50 हजार निवासियों का जीना मुश्किल हो गया है। पूर्व आदेश के पालन में वहां पर न तो प्रदूषण को नियंत्रित किया गया है और न ही रेल्वे साइडिंग हेतु केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा बनाए गए रेग्युलेशन का पालन हुआ है। दरअसल, कछपुरा मालगोदाम घनी बस्ती के पास है। इसके बाजू में स्कूल, ऐतिहासिक गुलौआ तालाब व जबलपुर के मास्टर प्लान में निर्धारित ग्रीन बेल्ट क्षेत्र है। इन सभी को भारी प्रदूषण से खतरा है। इन्हें सुरक्षित करने हेतु पूर्व में दायर याचिका पर एनजीटी ने सात अप्रैल, 20225 को निर्देश जारी किए थे। किंतु एक वर्ष बीतने के बावजूद भी आदेशों का पालन नहीं हुआ। कछपुरा मालगोदाम में कार्य करने हेतु पांच अप्रैल, 2023 को कंसेंट आर्डर जारी किया गया था। जिसमें प्रदूषण नियंत्रण की शर्तों का पालन करने के निर्देश दिए गए। लेकिन तीन वर्ष बीतने के बावजूद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने कोई कार्यवाही नहीं की, जबकि शर्तों का घोर उल्लंघन हुआ है।

ब्रेक नहीं लगने से बरेला में हादसा

एक साथ 5 वाहन टकराए, 10 घायल

जबलपुर। बरेला थाना अतंर्गत सोमवार की सुबह लगभग 10 बजे शारदा मंदिर रोड पर निवास तिराहे के समीप नई सड़क के ढलान पर अचानक ब्रेक नही लगने से एक के बाद एक पांच वाहन आपस मे टकरा गये। इस घटना में 10 लोगों को चोटे पहुंची हैं। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक घटना के समय वाहनों की रफ्तार कम होने के कारण बडा हादसा टल गया। घटना के बाद उक्त मार्ग पर लंबा जाम लग गया था । बाद में सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद जाम को हटवाया और यातायात को सुचारू किया गया । घायल लोगों को इलाज के लिये पुलिस व स्थानीय लोगों के सहयोग से बरेला शासकीय अस्पताल भिजवाया गया है।

घटना के संबंध में बरेला पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह लगभग 10 बजे लालू बस ट्रेवल्स की यात्री बस यात्रियों को लेकर मंडला से जबलपुर जा रही थी तभी शारदा मंदिर रोड पर निवास तिराहे के समीप ढलान पर उतरते समय अचानक यात्री बस का ब्रेक नही लगने से बस ने गति पकड़ ली और आगे चल रहे ट्रेक्टर,कंटेनर व दो ट्राला से जाकर टकरा गई। घटना में जहां बस में सवार आधा दर्जन यात्रियों को मामूली चोटे आई हैं वही ट्रेक्टर चालक व कंटेनर चालक भी घायल हो गया।

सूने घर का ताला तोड़कर नगदी व जेवरात पार

जबलपुर। गोरखपुर थाना अतंर्गत एनएफडी गार्ड गोलानी रामपुर में एक सूने घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर सोने चांदी के जेवर, नगदी 10 हजार रुपए और 2 मोबाइल और लेपटॉप चोरी कर ले गए। गोरखपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार एनएफडी गार्ड कालोनी रामपुर गोरखपुर निवासी 29 वर्षीय एमपीईबी कर्मचारी अंकित कुमार साहू गत रात लगभग 9 बजे अपने ससुराल नागनदेवरी जिला सिवनी गया था। दूसरे दिन रात लगभग 9.30 बजे उसके पड़ोसी ने फोन पर चोरी की सूचना दी। सूचना पाकर वह सिवनी से अपने घर पहुंचा तो उसके होश उड़ गए। उसके घर का ताला टूटा था। आलमारी में रखे सोने की अंगूठी, बाली, टीव्ही, नगदी 10 हजार रूपये, 1 एण्ड्रायड मोबाइल, 1 कीपेड, लेपटाप, 2 हाथ घड़ी चांदी के सिक्के अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 305(ए), 331(4) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

माढ़ोताल और रांझी में चाकूबाजी, 2 घायल

जबलपुर। माढ़ोताल और रांझी थाना क्षेत्र में शराब पीने के लिए रुपए नहीं मिलने की बात पर बदमाशों ने दो युवकों पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया।

माढ़ोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार आईटीआई चुंगीनाका माढ़ोताल निवासी 20 वर्षीय चिकिन दुकान संचालक अंकित खटीक गत दिवस अपने साथी नुकल खटीक, राज पटेल और वरुण चौरसिया के साथ मिलकर मोहल्ले में होने वाली शिवमहापुराण के लिए चंदा इकट्ठा कर रहे थे। रात लगभग 9 बजे माढ़ोताल निवासी अनूप अपने साथी के साथ आया और चंदा कितना इकट्ठा हो गया है पूछते हुए रुपए की मांग करने लगा, मना करने पर मारपीट कर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296(बी), 119(1), 115(2), 351(3), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।इसी प्रकार रांझी में सांई विहार कालोनी दुर्गा मंदिर के पास रिछाई निवासी 20 वर्षीय साहिल कोल गत दिवस अपने बड़े पिता के बेटे पंकज कोल के साथ चाबी लेने सूजल रैकवार के घर गये, जहां से चाबी लेकर व्हीएफजे खण्डर क्वाटर के थोड़ा आगे पहुंचे, तभी रास्ते में नमन रैकवार एवं अनुज कोल मिले और पंकज से 1 हजार रुपए की मांग करने लगे, मना करने पर दोनों ने गलियां दी और पंकज के साथ झूमाझपटी करने लगे, वह बीच बचाव करने लगा तो नमन रैकवार ने चाकू से दोनों के जांघ पर हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296(बी), 119(1), 118(1), 351(3), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

समता कालोनी हत्याकांड के 3 आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। गोहलपुर समता कालोनी में गत 13 मई की रात चाकू मारकर भावेश उर्फ पप्पू वीरानी की हत्या कर फरार हुए तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गोहलपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 13 मई को पुरानी रंजिश को लेकर रात 10.30 बजे के लगभग घटना के वक्त भावेश के साथ उसके दोस्त सत्यम सोनी एवं आयुष सोनी थे, जिन्होंने बताया कि पुरानी रंजिश के चलते भावेश के साथ शिवा चौधरी, आयुष रजक एवं अरुण ने चाकू एवं हाथ घूसों से मारपीट कर चेहरे, गले और शरीर में कई जगह चोटे पहुंचाई जिससे उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने आरोपी 18 वर्षीय शिवा चौधरी, 18 वर्षीय आयुष रजक तथा 18 वर्षीय अरुण चौधरी को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की गई, आरोपियों ने पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए घटना करना स्वीकार किया। आरोपी शिवा चौधरी की निशादेही पर घटना मे प्रयुक्त चाकू जप्त किया गया। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ धारा 103(1),3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया गया। आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

साध्वी को अनुयायी ने लगाई 20 लाख की चपत

आश्रम के लिए जमीन दिलाने के नाम पर की धोखाधड़ी!

जबलपुर। कोतवाली थाना अतंर्गत दीक्षितपुरा निवासी एक साध्वी को उसके ही अनुयायी ने आश्रम की जमीन दिलाने का झांसा देकर 20 लाख रुपए की ठगी कर ली। पुलिस ने लिखित शिकायत के बाद आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया।

कोतवाली पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार मन्नूलाल अस्पताल दीक्षितपुरा निवासी साध्वी आत्म निष्ठा उर्फ लता सिंह ठाकुर ने लिखित शिकायत की कि उसकी पहचान कुछ वर्ष पहले परविंदर गुजराल उर्फ मोंटी गुजराल से हुई थी, जो की नियमित रूप से गौमुख आश्रम आता था। वह स्वयं को प्रापर्टी डीलर व राजनीतिक प्रशासनिक व्यक्तियों के मध्य पहुंच पकड वाला व्यक्ति बताता था। इस आधार पर परविंदर गुजराल उर्फ मोंटी से जान पहचान हुई थी। साध्वी ने परविंदर से आश्रम हेतु 2-3 एकड़ जमीन दिखाने कहा। तब परविंदर उर्फ मोंटी के द्वारा बरेला बायपास मे स्वयं की भूमि 10 लाख रूपये प्रति एकड के हिसाब से दिखाई। कुल रकम 30 लाख रूपये बताया। सौदे में 20 लाख रूपये नगद व बैंक खाते मे परविंदर उर्फ मोंटी को शेष 10 लाख रूपये पंजीयन बैनामा के समय देना तय हुआ। विश्वास और जान पहचान का फायदा उठाकर मोंटी गुजराल ने आश्रम बनाने जमीन एवं आश्रम का रजिस्ट्रेशन के नाम पर साध्वी आत्म निष्ठा उर्फ लता सिंह ठाकुर से 20 लाख रूपये रकम ली। कुछ रकम परविंदर को (11 लाख 60 हजार रूपये) गूगल पे के माध्यम से अलग अलग किश्तो में दी गई। बाकी की रकम परविंदर सिंह गुजराल ने आश्रम गौमुख धाम आकर नकद लिये। साध्वी का कहना था कि चूंकि हमारे पास इतने पैसे नही थे तो हमने परिचितो एवं रिश्तेदार और परिवार वालो से समय समय पर उधार लेकर परविंदर सिंह गुजराल को दिये। उन्होने हमसे दो माह का कहकर पैसा लेना शुरू किया। जनवरी माह से जब दो माह हमने जमीन एवं रजिस्ट्रेशन की बात की तो परविंदर सिंह गुजराल ने कहा कि इतने मे काम नहीं चलेगा और पैसा लगेगा। ऐसा कहकर मोंटी गुजराल ने कुल 20 लाख रूपये हडप लिये। जब हमारे द्वारा मोंटी गुजराल से जमीन के कागज मगाये गये तो मोंटी गुजराल टाल मटोली करने लगा। जिस जमीन को मोंटी गुजराल ने दिखाया था, वह जमीन किसी अन्य किसान की थी। उस किसान के द्वारा बताया गया था कि मैं किसी मोंटी गुजराल को नही जानता हूं, उक्त भूमि किसी मोंटी गुजराल की नही है। तबसे आज तक न जमीन का पता है न ही रजिस्ट्रेशन का पता है। इसके बाद मोंटी दोबारा नही मिला। फोन भी बंद कर लिया।

लिखित शिकायत की जांच पर पुलिस ने आरोपी परविन्दर उर्फ मोन्टी के खिलाफ धारा 318 (4), 316 (2) बी एन एस का अपराध पंजीबद्धकर विवेचना में लिया है।

जिला अदालत का आदेश

कामन पैसेज में गंदगी फैलाने आवागमन बाधित करने पर रोक

जबलपुर। चौबीसवें जिला न्यायाधीश अजय रामावत की अदालत ने जबलपुर के गोकलपुर क्षेत्र में कामन पैसेज में गंदगी फैलाने व आवागमन बाधित करने पर रोक लगा दी। मामला पारिवारिक संपत्ति विवाद से संबंधित था। जिसमें वादी पक्ष के पक्ष में अंतरिम राहत प्रदान की गई है। गोकलपुर निवासी डा. अंकित यादव व आशीष यादव द्वारा अपने चाचा दयालचंद यादव व चाची दीप्ति यादव के विरुद्ध वाद दायर किया गया था। वाद के अनुसार दोनों पक्षों के मकानों के बीच लगभग छह फुट चौड़ा कामन पैसेज है, जिसका उपयोग दोनों परिवारों द्वारा आवागमन के लिए किया जाता है। वादीगण ने आरोप लगाया था कि प्रतिवादीगण उक्त रास्ते में प्लास्टिक के डिब्बे, तगारियां, झूठे बर्तन व अन्य सामान रखकर गंदगी फैलाते हैं व रास्ता अवरुद्ध करते हैं, जिससे घर में आने-जाने में भारी असुविधा होती है। वादीगण ने न्यायालय के समक्ष फोटो, पेनड्राइव व शिकायतों की प्रतियां प्रस्तुत कर बताया कि कामन पैसेज का अनुचित उपयोग किया जा रहा है। प्रारंभ में चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश द्वारा अस्थायी निषेधाज्ञा का आवेदन निरस्त कर दिया गया था, जिसके विरुद्ध अपील प्रस्तुत की गई। जिला न्यायाधीश अजय रामावत ने अपने आदेश में कहा कि कामन पैसेज दोनों पक्षों के संयुक्त उपयोग के लिए है और इसका उपयोग इस प्रकार होना चाहिए जिससे दूसरे पक्ष को असुविधा न हो।

युवक से मोबाईल लूटकर भागे बदमाश

जबलपुर। घमापुर थाना अतंर्गत शीतलामाई मंदिर के पास मोबाइल पर बात कर रहे एक युवक का मोबाइल एक्सिस सवार अज्ञात बदमाश लूट कर ले गया। घमापुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार अच्छे मियां का बाड़ा घमापुर निवासी 27 वर्षीय प्रकाश राजपूत गत दोपहर लगभग 2.30 बजे अपने घर से किराना सामान लेने शीतलामाई जा रहा था, जैसे ही शीतलामाई मंदिर के पास पहुंचा, उसी समय उसके मोबाइल पर कॉल आने पर मोबाइल निकालकर बात करने लगा तभी घमापुर चौक तरफ से आ रही एक्सिस सवार लुटेरे ने उसके बगल में गाड़ी रोककर उसका ओप्पो कंपनी का मोबाइल झपट्टा मारकर ले भागा। मोबाइल की कीमत लगभग 19 हजार रूपये बताई गई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 304(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

ईंधन और पर्यावरण बचाने के लिए नगर निगम की अनूठी पहल, अब अधिकारी करेंगे 'पूल व्हीकल' का उपयोग

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देश पर नगर निगम में हुई शुरुआत, एक ही गाड़ी में सवार होकर निकले तीन अधिकारी

जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ईंधन संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के देशव्यापी आह्वान से प्रेरणा लेते हुए नगर निगम ने एक और अनुकरणीय पहल की शुरुआत की है। निगम प्रशासन ने अब सरकारी कार्यों और निरीक्षणों के लिए पूल वाहन व्यवस्था को लागू करने का निर्णय लिया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ईंधन की बचत करना, फिजूलखर्ची रोकना और पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाना है।

एक ही वाहन से निकले तीन अधिकारी

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के सख्त और सुधारात्मक निर्देशानुसार इस पहल पर तत्काल अमल शुरू कर दिया गया है। आज एक अनूठा नजारा देखने को मिला, जब भवन अधिकारी के आवंटित वाहन में ही कार्यपालन यंत्री जी एस मरावी और कालोनी सेल के प्रभारी सुनील दुबे एक साथ सवार हुए। सभी अधिकारियों ने अलग-अलग गाड़ियों के बजाय एक ही गाड़ी पूल व्हीकल का उपयोग करते हुए शहर के विभिन्न वार्डों और विकास कार्यों का संयुक्त निरीक्षण किया।

आर्थिक भार में आएगी कमी पर्यावरण को मिलेगा बढ़ावा

निगम की इस पहल से पेट्रोल-डीजल के खर्च का आर्थिक भार कम होगा, बल्कि सड़कों पर वाहनों की संख्या घटने से कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी। यह शहर को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने में मील का पत्थर साबित होगा।

निगमायुक्त का संदेश

निगमायुक्त श्री अहिरवार ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के आह्वान को धरातल पर उतारने के लिए नगर निगम प्रतिबद्ध है। पूल वाहन की इस व्यवस्था से प्रशासनिक खर्चों में भारी कटौती होगी और हम पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देंगे।

किसानों को मिलेंगी आधुनिक कृषि तकनीकों एवं योजनाओं की जानकारी

कृषि वर्ष 2026 के लिए जिले में कृषि रथ का हुआ शुभारंभ

जबलपुर। कृषक कल्याण वर्ष 2026 को "कृषि वर्ष" के रूप में मनाए जाने के तारतम्य में आज जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोंटिया एवं कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह ने कलेक्ट्रेट से कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर जिले के समस्त विकासखंडों के लिए रवाना किया। कृषि रथ के माध्यम से किसानों को कृषि एवं संबद्ध विभागों की योजनाओं, नवीन वैज्ञानिक तकनीकों तथा आधुनिक कृषि पद्धतियों की जानकारी दी जाएगी। जिसमें कृषि अभियांत्रिकी, पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, प्राकृतिक खेती, नरवाई प्रबंधन, ई-विकास प्रणाली से उर्वरक वितरण, हैप्पी सीडर एवं सुपर सीडर से सीधे बुवाई की तकनीकों के संबंध में किसानों को जागरूक किया जाएगा।

कृषि रथ प्रत्येक विकासखंड में तीन से चार ग्राम पंचायतों का प्रतिदिन भ्रमण करेगा तथा लगभग 10 दिनों तक क्षेत्र में संचालित रहेगा। इसमें खरीफ एवं रबी फसलों की बुवाई से पूर्व किसानों तक नई तकनीकों और वैज्ञानिक जानकारी को पहुंचाने का उद्देश्य रखा गया है। इसके साथ ही एग्री स्टेक पोर्टल पर कृषकों की फार्म रजिस्ट्री एवं ई-केवायसी के शत-प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति के लिए भी विशेष अभियान चलाया जाएगा। कृषि रथ जिन ग्राम पंचायतों में पहुंचेंगे, वहां शिविर आयोजित कर किसानों के फार्म आईडी निर्माण एवं भू-अधिकारों को जोड़ने की कार्यवाही संबंधित विभागीय कर्मचारियों द्वारा की जाएगी। कृषि विभाग ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे अपने ग्राम में पहुंचने वाले कृषि रथ से जुड़कर विभागीय योजनाओं एवं आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी प्राप्त करें तथा शासन की योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाएं।

मां हिरण नदी जल संवर्धन : ग्राम गुबरा खुर्द में रथ यात्रा एवं जल संवाद कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर। मां हिरण नदी जल संवर्धन यात्रा का शहपुरा विकासखंड के भिटौनी सेक्टर बेलखेड़ा के तटवर्ती ग्राम पंचायत समदपुरा के ग्राम गुबरा खुर्द में आगमन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां हिरण नदी घाट पर दीप प्रज्वलन, पूजा एवं आरती के साथ किया गया। मां हिरण नदी जल संवर्धन अंतर्गत ग्रामवासियों एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से कलश यात्रा निकाली गई साथ ही विविध कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान रथ यात्रा एवं जल संवाद का आयोजन कर जल संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व पर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों को स्वच्छता एवं पौधारोपण की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में तहसीलदार श्री कल्याण सिंह क्षत्रिय, मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की विकासखंड समन्वयक श्रीमती सोनिया सिंह शहपुरा, सरपंच श्रीमती प्रतिभा चडार, इंजीनियर श्री राजेश कोठार शहपुरा, सचिव श्री नारायण सिंह, सुपरवाइजर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित अन्य विकासखंड स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही नवांकुर संस्था ग्राम विकास जन कल्याण समिति सुरई के अध्यक्ष श्री धनीराम चडार, परामर्शदाता सुश्री निकिता पटेल, श्री तिलक सिंह, श्री सतेंद्र मिश्रा एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

पंचायतों की मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण को लेकर स्टैंडिंग कमेटी की बैठक संपन्न

जबलपुर। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पंचायतों की मतदाता सूची के जारी वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 की आज सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को विस्तार से जानकारी दी गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में बताया गया कि वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत पंचायतों की प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 15 मई को किया जा चुका है।

25 मई तक प्राप्त किये जायेंगे प्रारूप मतदाता सूची पर दावा-आपत्ति

प्रारूप मतदाता सूची पर दावे आपत्तियां 15 मई से 25 मई तक प्राधिकृत कर्मचारियों द्वारा प्राप्त किये जायेंगे। बैठक के दौरान अधिकारियों और राजनैतिक दलों के बीच नगरीय निकाय और पंचायतों की शुद्ध एवं पारदर्शी मतदाता सूची तैयार करने तथा वार्डों के परिसीमन को लेकर गहन चर्चा हुई। इस दौरान यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया कि वार्डों में एक ही परिवार के सभी व्यक्तियों के नाम एक ही मतदान केंद्र में शामिल किए जाएं, जिससे भविष्य में मतदाताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक में जानकारी दी गई कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, हटवाने या किसी भी प्रकार के संशोधन के लिए दावा-आपत्ति की अंतिम तिथि 25 मई निर्धारित की गई है। प्राप्त दावे आपत्तियों का निराकरण 30 मई तक किया जायेगा तथा मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 18 जून को ग्राम पंचायतों एवं विहित स्थानों पर किया जायेगा।

पांच विभागों की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

निगमायुक्त ने राजस्व वसूली और स्वच्छता अभियान पर दिया जोर

जबलपुर। नगर निगम के द्वारा कराए जा रहे कार्यों को गति देने के लिए निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने आज पांच प्रमुख विभागों की बारी-बारी से सघन समीक्षा की। समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों को कहा कि जनहित के कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निगमायुक्त ने वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ही राजस्व वसूली पर विशेष फोकस करने के लिए सभी राजस्व निरीक्षकों को कड़े निर्देश दिये।

समीक्षा बैठक के दौरान निगमायुक्त ने समय पर टैक्स संग्रहण और वित्तीय स्थिति मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने शहर को साफ-सुथरा और डंपिंग-मुक्त बनाने की कार्ययोजना ,व्यवस्थापन और राजस्व वृद्धि के उपाय, शहरी आजीविका मिशन के तहत हितग्राहियों को लाभ पहुंचाना, निगम के अधीन आने वाले शिक्षण संस्थानों में और अधिक सुधार करने के निर्देश दिये।बैठक में स्वच्छता को लेकर निगमायुक्त का एक बेहद सकारात्मक और संवेदनशील नजरिया देखने को मिला। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि स्वच्छता अभियान शासकीय काम नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर लोगों को आपस में जोड़ने का कार्य है। जब तक हर नागरिक इस अभियान से दिल से नहीं जुड़ेगा, तब तक हम पूर्ण स्वच्छता का लक्ष्य हासिल नहीं कर सकते। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीम को निर्देश दिए कि वे वार्डों में जाकर जनता से सीधा संवाद करें और स्वच्छता को एक जन-आंदोलन का रूप दें।नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने निगमायुक्त ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की भी विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित शिकायतों का समय सीमा के भीतर और संतुष्टिपूर्ण निराकरण किया जाए।

ग्रीष्मकालीन खेल शिविर के प्रतिभागियों को वितरित की गई पौष्टिक खाद्य सामग्री

जबलपुर। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी की केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में बच्चों के पोषण को बढ़ावा देने हेतु पूर्व फुटबॉल प्रभारी बृंदावन वर्मा के सौजन्य से 350 युवा खिलाड़ियों को पौष्टिक खाद्य सामग्री वितरित की गई।इस अवसर पर परिषद के महासचिव फिरोज कुमार मेश्राम ने कहा कि इस प्रकार के सहयोग से बच्चों को बेहतर खिलाड़ी बनने और खेल के प्रति प्रेरणा मिलती है। उन्होंने बृंदावन वर्मा के खेल भावना और सामाजिक सरोकार की सराहना की। पूर्व फुटबॉल प्रभारी बृंदावन वर्मा ने कहा कि खेलों में अभ्यास के साथ सही पोषण भी आवश्यक है। स्वस्थ और ऊर्जावान खिलाड़ी ही बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। कार्यक्रम में आलोक श्रीवास्तव, महेश चन्द्र बलोदी, रावेन्द्र वर्मा, रमेश वर्मा, रोहित कुशवाहा, राजेश सिंह, कुलदीप बहादुर, पवन पटेल, क्रिस्टोफर नरोन्हा, विशाल सोना एवं हरीश नायक सहित विभिन्न खेल प्रभारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टोफर नरोन्हा ने किया।

नदी जोड़ो परियोजना को लेकर सौंपा ज्ञापन

बरेला। केन बेतवा लिंक परियोजना एवं ओंकारेश्वर में आदिवासी मकान में तोड़फोड़ एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आदरणीय जीतू पटवारी जी पर भाजपा सरकार एवं प्रशासन द्वारा प्रकरण दर्ज करने के विरोध में जिला ग्रामीण आदिवासी कांग्रेस कमेटी के द्वारा आज एक ज्ञापन महामहिम राज्यपाल महोदय जी के नाम कलेक्टर महोदय को सोपा गया। ज्ञापन सौंपते समय जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष निलेश बरकड़े, जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रुक्मणी गोटिया, शहर जिला आदिवासी कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संजू ठाकुर, महिला उत्पीड़न कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उमा उइके, जिला पंचायत सदस्य रामकुमार सैयाम, आदिवासी कांग्रेस की जिला प्रभारी प्रमिला धुर्वे, पूर्व विधायक आदरणीय दादा नन्हेंलाल धुर्वे ,जिला पंचायत सदस्य मुन्नी बाई, कांग्रेस आदिवासी नेता मोहन उइके, बरेला ब्लॉक अध्यक्ष आदिवासी उमेश कुंजाम, बरगी आदिवासी ब्लॉक अध्यक्ष शोकेस मरावी, घनश्याम यादव , अशोक यादव , बंबइया रजक , मनीष बेन ,हुकुमचंद जैन , दीपक चौधरी , श्याम सोलंकी, विनोद कुमार लोधी, संजय पटेल सम्मिलित हुए।

मशाल जुलूस निकालकर पेपर लीक मामले में ब्लाक कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

सिहोरा। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान एंव जिला ग्रामीण के अध्यक्ष संजय यादव के मार्गदर्शन में नीट परीक्षा पेपर लीक प्रकरण एवं लाखों विद्यार्थियों के भविष्य के साथ हुए खिलवाड़ के विरोध में बिहारी पटेल अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिहोरा के संयोजन में विशाल मसाल जुलूस निकाला गया। जिसमें शामिल कार्यकर्ता आमजन मसाल जुलूस नारेबाजी करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रकाश कुररिया के कार्यालय से बाबाताल,बस स्टैंड होते हुए पुलिस थाने के सामने पहुंचा इस दौरान केंद्र सरकार एवं परीक्षा प्रणाली मैं हुई गड़बड़ियों के विरोध में नारेबाजी की गई और अपराधियों पर कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए राष्ट्रपति के नाम थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा।ब्लॉक अध्यक्ष पटेल ने बताया कि नीट पेपर लीक जैसी घटनाओं ने देश की शिक्षा व्यवस्था की विश्वनीयता पर गंभीर प्रश्न चिन्ह लगा है लाखों विद्यार्थियों उनके अभिभावकों के सपनों के साथ खिलवाड़ किया गया है जिसे कांग्रेस पार्टी किसी भी कीमत में बर्दाश्त नहीं करेगी।इस अवसर पर राजेश चौबे प्रदेश सचिव, पवन सोनी नगर अध्यक्ष, आलोक पांडे,लाल बहादुर पाठक,शिवकुमार गर्ग,संतोष पांडे,के,के, कुररिया,राजेश पटेल,गणेश दाहिया,संदीप ब्यौहार,गोस भाई आजाद,शंकर वंशकार,प्रभात कुररिया,राजकुमार पटेल,फैज आलम शाह, कमलेश सोनी,संदीप शुक्ला,साबिर मंसूरी,विनय पटेल सरपंच,आर,के,यादव,डब्बू पाठक,ललित दुबे,मनीष खंपरिया,ओम नारायण श्रीवास्तव,जगदीश सैनी,राहुल पांडे,प्रांजल सराफ़, गिरधर सरावगी,सचिन पटेल,अजीत विश्वकर्मा,युसूफ खान,बिट्टू कुररिया,पापे यादव,शमशेर खान ,सुनील कुररिया,राजेश तिवारी आदि उपस्थित थे।

भीषण गर्मी में फाउंडेशन ने राहगीरों को पिलाया ऑरेंज जूस

जबलपुर। भीषण गर्मी को देखते हुए श्री सावरिया जी माँ नाहनदेवी आशा फाउंडेशन द्वारा शनिवार को दीनदयाल चौराहा, विजय नगर में राहगीरों को ठंडा ऑरेंज जूस वितरित किया गया। संस्था ने इस दौरान स्ट्रीट डॉग्स के लिए भी पानी एवं भोजन की व्यवस्था की। सेवा कार्य में फाउंडेशन के अध्यक्ष सत्यम रजक, श्रीमती रुचिता, सोशल मीडिया मैनेजर रिंकू चौधरी, कार्यालय प्रभारी संदीप मेहरा, लक्की रजक एवं पंकज सिंह सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। संस्था लंबे समय से जरूरतमंदों की सहायता, गौ रक्षा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रही है। फाउंडेशन ने नागरिकों से अपील की है कि शादी-पार्टी का बचा हुआ भोजन फेंकने के बजाय संस्था को उपलब्ध कराएं, ताकि उसे बेजुबान जानवरों तक पहुंचाया जा सके।

छात्रों के लिए 20 दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण शुरु

सिहोरा। शासकीय लालचंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खितौला बाजार के कक्षा दसवीं और बारहवीं के छात्र रिटेल ट्रेड में व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं उनके लिए बीस दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण शुरू किया गया। इस प्रशिक्षण की देखरेख विद्यालय की व्यावसायिक प्रशिक्षक अंजना सिंह कर रही है छात्रों को इस प्रशिक्षण के दौरान व्यापार के तौर तरीके बाजार की प्रतिस्पर्धा और ग्राहकों को सामान बेचने के विभिन्न तरीके सिखाए जा रहे हैं इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को भविष्य में अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए तैयार करना है विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती निधि दुबे एंव व्यावसायिक प्रभारी एस के प्यासी ने प्रशिक्षण स्थल पर पहुंच कर छात्रों से बातचीत की और प्रशिक्षण का जायजा लिया नवनीत शुक्ला ने बताया कि छात्र रिटेलिंग कारोबार की बारीकियां को सीख रहे हैं विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ इस तरह का व्यापारिक प्रशिक्षण छात्रों को नौकरी न मिलने की स्थिति में स्वरोजगार शुरू करने और दूसरों को भी रोजगार देने में सक्षम बनाएगा।

खरीदी केंद्रों में बारदाने का टोटा, किसान परेशान

बरेला। शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी के लिए क्षेत्र में खरीदी केंद्र बनाए गए हैं जिसके अंतर्गत महंगवा रोड स्थित राय वेयरहाउस में खरीदी की जा रही है एवं इसी प्रकार ग्राम गाडरखेड़ा स्थित आस्था वेयरहाउस में गेहूं की खरीदी की जा रही है ।बताया जाता है कि वर्तमान में आस्था वेयरहाउस और राय वेयरहाउस में वरदाने खत्म हो गए हैं इसकी वजह से किसानों की तौल नहीं हो पा रही है। आस्था वेयरहाउस में प्रभारी रोहित साहू ने बताया कि केंद्र में अभी तक लगभग 37 000 क्विंटल गेहूं की खरीदी की गई है जिसमें से लगभग 30000 गेहूं वेयरहाउस में जमा हो गया है। विगत रविवार से बारदाना खत्म हो गया है जिसकी वजह से जिन किसानों की स्लॉट बुक हैं उनकी तौल नहीं हो पा रही है।

संगीतमय भक्तामर पाठ में भक्तिमय हुआ वातावरण

जबलपुर। महाकौशल विंध्य रीजन के अंतर्गत दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जबलपुर नगर, मेन ग्रुप, संस्कारधानी ग्रुप, जाबालीपुरम ग्रुप, सतना, कटनी, पाटन एवं शहपुरा ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में संगम कॉलोनी में संगीतमय भक्तामर पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव विनय जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विधानाचार्य पंडित शुभम दीपाली जैन एवं गायिका साधना जैन ने भक्तामर के 48 स्त्रोतों और भजनों की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर पूरे सभागार को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जिसमें सीए मनोज साधना जैन, हेमंत जैन, सुनील चित्रा घीया, सुबोध कामरेड, मुल्कराज बादशा, प्रफुल्ल जैन, सचिन जैन एवं प्रदीप जैन सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर राष्ट्रीय अधिवेशन में सम्मानित विभिन्न ग्रुप अध्यक्षों एवं ध्वजारोहण कर्ताओं का सम्मान किया गया। साथ ही पाटन ग्रुप के अध्यक्ष जयपाल जैन और शहपुरा ग्रुप के सौरभ जैन को उत्कृष्ट आयोजन के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जबलपुर विकास प्राधिकरण के नव निर्वाचित अध्यक्ष संदीप जैन का भी स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन हेमंत सपना ने किया तथा आभार प्रदर्शन सुनील चित्रा घीया ने व्यक्त किया।

विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के तहत रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को किया गया जागरूक

जबलपुर। आगामी विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल द्वारा 15 मई से 5 जून 2026 तक विशेष "विश्व पर्यावरण दिवस अभियान" चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना है। इस अभियान के तहत जबलपुर मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को स्वच्छता, कचरा पृथक्करण और पर्यावरण संरक्षण के बारे में जानकारी दी जा रही है। रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा यात्रियों को पम्पलेट्स वितरित कर जागरूक किया गया।

अभियान के अंतर्गत जबलपुर, कटनी, नई कटनी जंक्शन, सतना, रीवा, दमोह, पिपरिया सहित मंडल के अन्य प्रमुख स्टेशनों पर विशेष गतिविधियां आयोजित की गईं। यात्रियों को बताया गया कि सूखा और गीला कचरा अलग-अलग रखना क्यों जरूरी है और इससे पर्यावरण को किस तरह सुरक्षित रखा जा सकता है। साथ ही रेलवे परिसरों को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करने की अपील भी की गई। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से प्लास्टिक का कम उपयोग करने, कचरा निर्धारित डस्टबिन में डालने और स्टेशन परिसर को साफ-सुथरा रखने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की भागीदारी से ही यह अभियान सफल हो सकता है।

गांव-गांव पहुंच रही अवैध शराब के खिलाफ महिलाओं का आंदोलन तेज

पनागर। कुशनेर शराब दुकान से गांवों में अवैध शराब सप्लाई किए जाने के आरोपों को लेकर क्षेत्र की महिलाओं में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। उमरिया, पठरा, महगवां, टगर, किवलरी, भैंसदेही, बडेरा, मोहरी, नरगांव और डोंगरबडेरा सहित कई गांवों में अवैध शराब बिक्री की शिकायतें सामने आई हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि शराब दुकान के कर्मचारी कथित रूप से पुलिस और आबकारी विभाग की मिलीभगत से दोपहिया वाहनों द्वारा गांव-गांव शराब पहुंचा रहे हैं।

महिलाओं ने अपनी समस्या जनपद सदस्य ज्योति विपिन पटेल के समक्ष रखी। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के कारण क्षेत्र में विवाद, मारपीट, चोरी और अपराध बढ़ रहे हैं तथा कई परिवार प्रभावित हो चुके हैं। ज्योति विपिन पटेल ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो महिलाएं बड़ा आंदोलन करेंगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि क्षेत्र में शराब, गांजा और अफीम के अवैध कारोबार को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

श्रीमती सरिता सरकार- बड़ा पत्थर रांझी निवासी श्री अनूप सरकार की धर्मपत्नी श्रीमती सरिता सरकार (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गनेश प्रसाद नोरिया- हाथीताल पुराना पान बरेजा के पास निवासी श्री गनेश प्रसाद नोरिया (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री अनिल रजक- साउथ सिविल लाइन निवासी श्री अनिल रजक (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कविता सोनकर- भरतीपुर निवासी श्री बाल गोविंद सोनकर की धर्मपत्नी श्रीमती कविता सोनकर (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री रतन स्वामी- यशवंत नगर अधारताल निवासी श्री रतन स्वामी (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नंद किशोर लखेरा- कांचघर पुलिस लाइन रोड निवासी श्री नंद किशोर लखेरा (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती रितू बावरिया- संजय नगर सदर निवासी श्री अतुल बावरिया की धर्मपत्नी श्रीमती रितू बावरिया (28) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रोहित कुमार वर्मा- टैगोर रेलवे कॉलोनी साउथ सिविल लाइन निवासी श्री सुभाष कुमार वर्मा के पुत्र श्री रोहित कुमार वर्मा (34) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती भुवनेश्वरी खुरासिया- बीटी रोड गुलौआ गढ़ा निवासी श्री राम नारायण खुरासिया की धर्मपत्नी श्रीमती भुवनेश्वरी खुरासिया (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

सुश्री सुमन बाई रघुवंशी- गोरखपुर पंसारी मोहल्ला निवासी श्री गजराज रघुवंशी की पुत्री सुश्री सुमन बाई रघुवंशी (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री सुशील बारी- कंजड़ मोहल्ला बेलबाग निवासी श्री सुशील बारी (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री पीयूष सिंह ठाकुर- पंचशील नगर गौरीघाट रोड निवासी श्री राजेंद्र सिंह ठाकुर के पुत्र श्री पीयूष सिंह ठाकुर (19) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब मात्र 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303308294, 9407362100

एआई 18 महीने में ऑफिस वाली सारी जॉब खत्म कर देगा, मेटा हेड की चेतावनी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मेटा में एक बार फिर बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी की खबरें सामने आ रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी 20 मई को करीब 8,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल सकती है। यह संख्या कंपनी के कुल ग्लोबल वर्कफोर्स का लगभग 10 प्रतिशत बताई जा रही है।

दिलचस्प बात यह है कि कंपनी का मुनाफा लगातार बढ़ रहा है। साल 2026 की पहली तिमाही में मेटा ने लगभग 26.8 बिलियन डॉलर का नेट इनकम दर्ज किया। इसके बावजूद कर्मचारियों का कहना है कि कंपनी के अंदर का माहौल "इतिहास में सबसे खराब" हो चुका है। रिपोर्ट के अनुसार कंपनी अब इंसानी कर्मचारियों की जगह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई पर ज्यादा फोकस कर रही है।

मेटा में फिर 8000 कर्मचारियों को निकालने की आ रही है खबर, मेटा ने पहली तिमाही में 26.8 बिलियन डॉलर का नेट इनकम दर्ज किया

145 बिलियन डॉलर खर्च करेगी

मेटा की सीएफओ सुसान ली ने बताया कि कंपनी "लीन ऑपरेटिंग मॉडल" अपनाना चाहती है, ताकि एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने वाले भारी खर्च को संभाला जा सके। मेटा ने अपनी हालिया अर्निंग कॉल में बताया कि कंपनी इस साल एआई पर 125 बिलियन डॉलर से लेकर 145 बिलियन डॉलर तक खर्च कर सकती है। यह खर्च पिछले साल के मुकाबले लगभग दोगुना है। कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने हाल ही में कर्मचारियों के साथ हुई मीटिंग में साफ कहा कि छंटनी की बड़ी वजह एआई पर बढ़ता खर्च है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि साल के दूसरे हिस्से में भी और छंटनी हो सकती है। इससे कर्मचारियों में चिंता और बढ़ गई है।

कर्मचारियों की निगरानी से बढ़ा विवाद : मेटा पर अब कर्मचारियों की निगरानी करने के आरोप भी लग रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी ने अमेरिका में कर्मचारियों के लैपटॉप पर एक खास सॉफ्टवेयर इंस्टॉल किया है। इस सिस्टम को "मॉडल केपीबिलिटी इनेटियेटिव कहा जा रहा है। यह कर्मचारियों के कीबोर्ड टाइपिंग, माउस मूवमेंट, स्क्रीनशॉट और जीमेल जैसी ऐप्स पर एक्टिविटी रिकॉर्ड करता है। बताया जा रहा है कि इस डेटा का इस्तेमाल एआई एजेंट्स को ट्रेन करने के लिए किया जाएगा, ताकि वे इंसानों की तरह काम कर सकें।

कर्मचारियों ने कहा- 'सिर्फ एग्जीक्यूटिव्स खुश हैं' : रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कंपनी के अंदर काम करने वाले कई मौजूदा और पूर्व कर्मचारियों ने माहौल को "टॉक्सिक" बताया है। इंस्टाग्राम से जुड़े एक कर्मचारी ने कहा कि "कंपनी में हर कोई परेशान है, सिर्फ टॉप एग्जीक्यूटिव्स को छोड़कर।"

एआई कर्मचारियों को करोड़ों के पैकेज

एक तरफ सामान्य कर्मचारियों की सैलरी कम हो रही है, वहीं दूसरी तरफ मेटा एआई एक्सपर्ट्स को भारी-भरकम पैकेज ऑफर कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक कुछ एआई रिसर्चर्स को 100 मिलियन डॉलर तक के पैकेज दिए जा रहे हैं। ये सभी लोग कंपनी के नए डिवीजन "मेटा सुपरइंटेलिजेंट लैब" के लिए भर्ती किए जा रहे हैं। यह टीम एआई की ग्लोबल रेस में मेटा को आगे रखने के लिए बनाई गई है। रिपोर्ट बताती है कि पिछले साल कंपनी के कर्मचारियों की औसत कुल सैलरी 417,400 डॉलर से घटकर 388,200 डॉलर रह गई। इससे कर्मचारियों में असमानता को लेकर नाराजगी और बढ़ गई है।

खबर संक्षेप

एनारॉक ग्रुप का राजस्व 25 प्रतिशत बढ़कर 946 करोड़

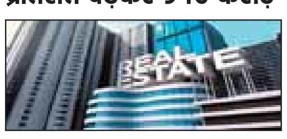

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की सलाहकार कंपनी एनारॉक ग्रुप का वित्त वर्ष 2025-26 में राजस्व 25 प्रतिशत बढ़कर 946 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा कि मजबूत आवासीय मांग और कार्यालय व खुदरा परिसरों को पट्टे पर देने की गतिविधियों में आई तेजी से यह वृद्धि हुई है। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 में राजस्व 755 करोड़ रुपये था।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने अनुषंगी जेएसडब्ल्यू स्टील के बेचे शेयर

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड के 2.5 करोड़ शेयर 3,150 करोड़ रुपये में बेचने की सोमवार को घोषणा की। लेनदेन 18 मई को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड पर थोक सौदे के जरिये किया गया। कंपनी के पास जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड के 4,50,38,350 शेयर शेष रह गए हैं।

जायडस वेलनेस का मुनाफा घटकर 162 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। जायडस वेलनेस लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 5.75 प्रतिशत घटकर 162 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में शुद्ध मुनाफा 171.9 करोड़ रुपये था। आय 1,484.7 करोड़ रुपये रही जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 913.1 करोड़ रुपये थी।

स्ट्राइड्स फार्मा के मुनाफे में 51 फीसदी का इजाफा

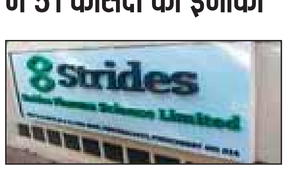

नई दिल्ली। स्ट्राइड्स फार्मा साइंस लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 51 प्रतिशत बढ़कर 129.28 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष- 2024-25 की समान तिमाही में कंपनी ने 85.62 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। परिचालन आय बढ़कर 1,323.47 करोड़ रुपये रही।

मारुति का खरखौदा में दूसरा संयंत्र चालू

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने हरियाणा स्थित अपनी खरखौदा विनिर्माण इकाई के दूसरे संयंत्र में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने की सोमवार को घोषणा की। कंपनी ने दूसरे संयंत्र की वार्षिक उत्पादन क्षमता 2.5 लाख इकाई है। इससे खरखौदा में कुल क्षमता बढ़कर पांच लाख इकाई हो गई है। नए संयंत्र के शुरू होने के साथ ही गुरुग्राम, मानेसर और खरखौदा (हरियाणा) तथा हंसलपुर (गुजरात) स्थित संयंत्रों में कंपनी की कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता बढ़कर 26.5 लाख इकाइयों पर हो गई है।

पश्चिम एशिया संकट के कारण आयात लागत बढ़ने का असर

पश्चिम एशिया संकट से उर्वरक सब्सिडी 70,000 करोड़ रुपए बढ़ने की आशंका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के कारण आयात लागत बढ़ने से वित्त वर्ष 2026-27 में देश का उर्वरक सब्सिडी खर्च करीब 70,000 करोड़ रुपये बढ़कर 2.41 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचने का अनुमान है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उर्वरक विभाग की अतिरिक्त सचिव अपर्णा एस शर्मा ने अंतर-मंत्रालयी संवाददाता सम्मेलन के बाद संवाददाताओं से कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण सब्सिडी व्यय बढ़ेगा लेकिन यह तय नहीं है कि वृद्धि कितने प्रतिशत होगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या उर्वरक सब्सिडी में बढ़ोतरी 70,000 करोड़ रुपये तक हो सकती है, तो उन्होंने इसकी संभावना से इनकार नहीं किया।

- उर्वरक सब्सिडी खर्च बढ़कर 2.41 लाख करोड़ रुपए पहुंचने का अनुमान
- बजट में उर्वरक सब्सिडी के लिए 1.71 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान
- मौजूदा खरीफ सत्र के लिए उर्वरकों की उपलब्धता 'संतोषजनक' स्तर पर बनी हुई

उपलब्धता संतोषजनक स्तर पर बनी

अगर ऐसा होता है तो वित्त वर्ष 2026-27 में कुल उर्वरक सब्सिडी 2.41 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगी। इस साल के बजट में उर्वरक सब्सिडी के लिए 1.71 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। लागत संबंधी दबावों के बावजूद शर्मा ने कहा कि मौजूदा खरीफ सत्र के लिए उर्वरकों की उपलब्धता 'संतोषजनक' स्तर पर बनी हुई है।

उर्वरकों का मौजूदा भंडार 200.9 लाख टन

कुल 390 लाख टन उर्वरक की जरूरत के मुकाबले 51 प्रतिशत से अधिक स्टॉक उपलब्ध है, जबकि बाकी जरूरत आयात के जरिये पूरी की जा रही है। उन्होंने बताया कि देश में उर्वरकों का मौजूदा भंडार 200.9 लाख टन है। घरेलू उत्पादन लगभग 80,000 टन प्रतिदिन की दर से चल रहा है। हालांकि, पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद से अब तक उत्पादन 86.2 लाख टन रहा है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 93 लाख टन से थोड़ा कम है।

13.5 लाख टन डीएपी की आपूर्ति सुनिश्चित

उर्वरक की खरीद के लिए गठजोड़ (कंसोर्टियम) बनाने की व्यवस्था के तहत देश ने लगभग 13.5 लाख टन डीएपी, सात लाख टन एनपीके कॉम्प्लेक्स तथा अमोनियम सल्फेट, फॉस्फेट और अन्य कच्चे माल की आपूर्ति सुनिश्चित की है।

अब तक 22 लाख टन से अधिक उर्वरक देश में आ चुका

अधिकारी ने कहा, /"उर्वरक उत्पादन में कुछ कमी है, जिसे आने वाले महीनों में पूरा कर लिए जाने की हमें उम्मीद है। यूरिया संयंत्रों के लिए गैस की आपूर्ति पर्याप्त है। उर्वरक की आयात निर्भरता घटाने के मकसद से भारत ने होर्मुज जलडमरूमध्य की जगह वैकल्पिक मार्गों से आपूर्ति बढ़ाई है। अब तक 22 लाख टन से अधिक उर्वरक देश में आ चुके हैं।

अन्य कच्चे माल की उपलब्धता की समीक्षा

उर्वरक विभाग अन्य कच्चे माल की उपलब्धता की भी समीक्षा कर रहा है और सब्सिडी भुगतान एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली के जरिये साप्ताहिक आधार पर जारी किए जा रहे हैं।

भूटान में टाटा पावर और डीजीपीस के बीच करार

नई दिल्ली। टाटा पावर ने भूटान में 5,000 मेगावाट स्वच्छ ऊर्जा क्षमता विकसित करने के लिए प्रशिक्षण ढांचा तैयार करने हेतु ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन के साथ एक प्रारंभिक समझौता किया है। कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम टाटा पावर स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट के माध्यम से संचालित किए जाएंगे। टाटा पावर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक प्रवीर सिन्हा ने कहा, " डीजीपीसी के साथ यह साझेदारी भूटान के बढ़ते स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र के लिए भविष्य के अनुरूप प्रतिभा परिवेश तैयार करने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

भारत, रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखेगा : अधिकारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- यह खरीदारी अमेरिकी प्रतिबंधों में छूट से इतर होगी
- भारत ऊर्जा सुरक्षा जरूरतों के आधार पर खरीद जारी रखेगा

भारत ने सोमवार को कहा कि वह अमेरिकी प्रतिबंधों में छूट से इतर भी रूस से तेल खरीदता रहा है और आगे भी व्यावसायिक व्यवहार्यता तथा ऊर्जा सुरक्षा जरूरतों के आधार पर खरीद जारी रखेगा।

पेट्रोलियम मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने सम्मेलन में कहा, /"रूस पर अमेरिकी छूट के संबंध में मैं यह स्पष्ट करना चाहती हूं कि हम पहले भी रूस से तेल खरीदते रहे हैं... छूट से पहले भी, छूट के दौरान भी और अब भी खरीदते रहेंगे।/" शर्मा ने कहा कि भारत के कच्चे तेल खरीदने के फैसले मुख्य रूप से व्यावसायिक दृष्टिकोण और पर्याप्त आपूर्ति उपलब्धता पर आधारित होते हैं। हमारे लिए खरीदारी का आधार मूल रूप से व्यावसायिक समझ है।

मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम मर्यादित
कार्यालय महाप्रबंधक (संपदा/निर्माण), संभाग-क्र. 02
पंचानन भवन द्वितीय तल, मालवीय नगर, भोपाल (म.प्र.)
दूरभाष : 0755-2673196, E-mail : laghubpl2@gmail.com
क्र. : लउनि/निर्माण/ संभाग-क्र. 2, भोपाल/2026-27/43 भोपाल, दि. : 18.05.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्न कार्य की निविदा ई-टेण्डरिंग पद्धति से वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की जाती हैं, **कार्य का नाम-** औद्योगिक क्षेत्र अकोड़ी जिला बालाघाट में बाह्य विद्युतीकरण अंतर्गत 5 एम.व्ही.ए. सबस्टेशन स्थापना, 33 केव्ही. लाइन, 11 केव्ही. लाइन का कार्य, (द्वितीय आमंत्रण) अनुमानित लागत राशि रु. 4,16,84,400/- । निविदा की समस्त जानकारी उक्त वेबसाइट पर दी जावेंगी। निविदा में कोई संशोधन व परिवर्तन किया जाता है, तो वह उपरोक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता है। बिना कोई कारण बताये निविदा को स्वीकृत अथवा निरस्त करने का अधिकार निगम के पास सुरक्षित है।
म.प्र. माध्यम/125832/2026 **महाप्रबंधक (सं./नि.)**

कार्यालय नगर पालिक निगम सतना (म.प्र.)

N.I.T क्र. 02(E.T.) / Revenue / न.पा.नि./2026-27 **निविदा आमंत्रण सूचना (सप्तम काल)** सतना, दिनांक 12.05.2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम सतना के क्षेत्रान्तर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना उतैली एवं अन्य स्थल की निमार्णाधीन दुकानों को विक्रय हेतु लम्प-सम्प दर पर निविदा बुलायी जा रही है। निविदा का विस्तृत विवरण बेवसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	एन.आई.टी. क्र. व दि.	टे.क्र.	नाम/स्थान	दुकान क्रमांक	साईज वर्गमीटर	निर्धारित प्रीमियम	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	आरक्षण की स्थिति
01	02/01 12.05.2026	2026_UAD_507006_1	प्रधानमंत्री आवास योजना उतैली	11	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	विधवा महिला
02	02/02 12.05.2026	2026_UAD_507007_1		15	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनुसूचित जन जाति महिला
03	02/03 12.05.2026	2026_UAD_507009_1		16	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनारक्षित
04	02/4 12.05.2026	2026_UAD_507010_1		24	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनारक्षित
05	02/05 12.05.2026	2026_UAD_507012_1		26	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनारक्षित
06	02/06 12.05.2026	2026_UAD_507014_1		27	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनुसूचित जाति
07	02/07 12.05.2026	2026_UAD_507015_1		32	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनारक्षित
08	02/08 12.05.2026	2026_UAD_507016_1		35	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	दिव्यांग
09	02/09 12.05.2026	2026_UAD_507018_1		52	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनुसूचित जाति
10	02/10 12.05.2026	2026_UAD_507019_1		55	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनुसूचित जाति
11	02/11 12.05.2026	2026_UAD_507020_1		56	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनुसूचित जन जाति
12	02/12 12.05.2026	2026_UAD_507021_1	सी.एम.एच.ओ. कार्यालय के पीछे धवारी (दशम काल)	05	93.61	5,86,285/-	1,46,571/-	1,000/-	अनुसूचित जाति महिला
13	02/13 12.05.2026	2026_UAD_507022_1	नजीराबाद थोक मत्स्य सह मीट मार्केट की निर्मित दुकान (पंचम काल)	15	83.82	10,84,730/-	2,71,183/-	1,000/-	अनारक्षित

शर्तें -: 1. निविदा प्रपत्र वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर दिनांक 14.05.2026 समय 15:30 से दिनांक 16.06.2026 समय 17:30 बजे तक आनलाइन भुगतान करने पर प्राप्त हो सकेगा। 2. निविदा में संसोधन की सूचना वेबसाईट पर ही प्रकाशित की जावेगी, समाचार पत्र पर संसोधन की सूचना प्रकाशित नही की जावेगी। 3. वार्षिक पट्टा भाटक प्रथम 10 वर्ष हेतु स्वीकृति प्रीमियम का 0.5 प्रतिशत एवं आगामी 20 वर्षों हेतु स्वीकृत प्रीमियम का 2 प्रतिशत होगा।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, सतना (म. प्र.)

कार्यालय नगरपालिका परिषद बालाघाट जिला - बालाघाट (म.प्र.)
पिनकोड - 481001
Email Address-cmobalaghat@mpurban.gov.in/cmo.bgt@gmail.com

क्रमांक/एफ/50-2/जलप्रदाय शाखा/2026/2208 बालाघाट दिनांक: 18/05/2026

(निविदा सूचना)

निम्नलिखित कार्य हेतु पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

क्र.	Tender ID	CONTENT DESCRIPTION	LAGAT MULYA	AMANAT RASHI / NIVIDA FORM MULYA	NIVIDA KI ANTIM TITHI
1	2026_UAD _491406_2	पाईप लाईन मरम्मत कार्य	9.60 Lakh	19,200=00 2,000=00	29/05/2026

निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद बालाघाट जिला-बालाघाट (म. प्र.)

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक
जिला चिकित्सालय सिवनी

क्रमांक/भण्डार/2026-27/ 3666 सिवनी दिनांक :- 12.05.2026

निविदा सूचना प्रारूप

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक सिवनी

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला सिवनी से जिला चिकित्सालय सिवनी में निम्नानुसार खुली निविदा आयोजित कर दर अनुबंध किया जाना है जो कि जो कि आन लाइन www.mptenders.gov.in के माध्यम से संपादित होगी अन्य जानकारी निम्नानुसार है :-

प्रवर्ग	निविदा ब्रिकी आरम्भ दिनांक	निविदा ब्रिकी समाप्त दिनांक	निविदा जमा करनें की अंतिम दिनांक	निविदा खुलने का दिनांक	धरोहर राशि एवं निविदा प्रपत्र का मूल्य
मिसलेनियस सामग्री हेतु निविदा	19.05.26 11.00 PM	28.05.26 17.00 PM	28.05.26 17.00 PM	29.05.26 12.00 PM	रू. 50000.00
फायर इक्यूपमेंट रिफिल निविदा	19.05.26 11.00 PM	28.05.26 17.00 PM	28.05.26 17.00 PM	29.05.26 12.00 PM	रू. 5000.00
ए.सी/कूलर रिपेयर एवं ए.एम.सी एवं अन्य कार्य हेतु निविदा	19.05.26 11.00 PM	28.05.26 17.00 PM	28.05.26 17.00 PM	29.05.26 12.00 PM	रू. 5000.00
आक्सीजन सिलेण्डर रिफिल	19.05.26 11.00 PM	28.05.26 17.00 PM	28.05.26 17.00 PM	29.05.26 12.00 PM	रू. 5000.00
पेस्ट कंट्रोल हेतु निविदा	19.05.26 11.00 PM	28.05.26 17.00 PM	28.05.26 17.00 PM	29.05.26 12.00 PM	रू. 5000.00

निविदा प्रपत्र का मूल्य सभी प्रवर्ग हेतु अलग अलग रू0 1000 समय एवं दिनांक तक कार्यालय के आवक शाखा में जमा कराया जाना होगा। निविदा की एक प्रति निर्धारित अनिवार्य होगा।

G-13045/26

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल
अधीक्षक जिला चिकि. सिवनी

मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल प्रॉपर्टी फॉर सेल

ट्रांसपोर्ट नगर, सुभाष नगर महाराजपुर जबलपुर एवं पनागर जबलपुर में ऑफर के माध्यम से व्यावसायिक भूखण्ड/शाला भूखण्ड/ चिकित्सा भूखण्ड एवं हाथीताल के ऑफिस हॉल का तुरंत आधिपत्य प्राप्त करने का स्वर्णिम अवसर

क्र.	संपत्ति का विवरण	भूखण्ड का क्षेत्रफल (व.मी.)	भूखण्ड का अपसेट मूल्य (रु. लाख)	धरोहर राशि (रुपये)	आवेदन शुल्क (रुपये/ जी.एस.टी. सहित)
1.	प्राइमरी स्कूल भूखण्ड (अ) सुभाष नगर महाराजपुर जबलपुर।	1963.73	112.60	16.89	1770/-
2.	प्राइमरी स्कूल भूखण्ड (ब) सुभाष नगर महाराजपुर जबलपुर।	1757.79	100.86	15.13	1770/-
3.	स्कूल भूखण्ड पनागर जबलपुर।	1200.00	37.00	7.40	1770/-
4.	ट्रांसपोर्ट नगर महाराजपुर स्थित कोल्ड स्टोरेज भूखण्ड।	1478.00	117.47	17.62	1770/-

हाथीताल कॉलोनी जबलपुर पुराना रेस्ट हाउस परिसर में यथास्थिति में सस्ते दरों में ऑफर के माध्यम से ऑफिस हॉल क्रय कर तुरंत आधिपत्य प्राप्त करने का सुनहरा अवसर

क्र.	योजना का नाम एवं प्रकार	संपत्ति का प्रकार एवं क्रमांक	भूखण्ड क्षेत्रफल (व.मी.)	कुर्सी क्षेत्रफल (प्रति भवन/व.मी.)	संपत्ति का अपसेट मूल्य (प्रति भवन/रु. लाख)	धरोहर राशि (रु. लाख)	ऑफर पत्र का मूल्य (रुपये)
1.	24 ऑफिस हॉल/दुकान	द्वितीय तल-1,2,3,4,5,6 एवं 7	12.90	12.90	7.48	149600.00	1770/-

आवेदन एवं धरोहर राशि जमा करने हेतु अंतिम तिथि : 22.06.2026	ऑफर राशि (बिड) डालने हेतु अंतिम तिथि एवं समय : 24.06.2026	ऑफर खोलने की तिथि एवं समय 25.06.2026 समय 03:00 बजे।
रिक्त रहने की स्थिति में पुन : 24.07.2026	27.07.2026	28.07.2026

प्रक्रिया एवं शर्तें:- (1). ऑफर हेतु आवेदक को www.mphousing.in पर अथवा www.mponline.gov.in पर भी आवेदन पत्र रुपये 1770/- जमा कर ऑनलाइन भरना होगा। (2). धरोहर राशि ऑनलाइन/आर.टी.जी.एस. से जमा करनी होगी। (3). धरोहर राशि के जमा होने के पश्चात् आवेदक को रजिस्टर्ड मोबाइल पर बिड आई.डी. प्राप्त होगी जिसके माध्यम से आवेदक अपना ई-ऑफर जमा कर सकेगा। आवेदन एवं धरोहर राशि जमा करने तथा ऑफर राशि (बिड) डालने हेतु उपरोक्तानुसार तिथि एवं समय निर्धारित हैं। (4). 1.10 प्रतिशत लीजरेन्ट एवं जी.एस.टी. व शासन तथा मण्डल को देय अन्य प्रभार पृथक से देय होंगे। (5). अन्य सभी शर्तें मण्डल पोर्टल **www.mphousing.in/www.mponline.gov.in** पर उपलब्ध। (6). भूखण्ड जहां, जैसी यथा स्थिति में विक्रय हेतु प्रस्ताव आमंत्रित है। ऑफर प्रस्तुत करने के पूर्व स्थल पर संपत्ति का निरीक्षण कर लेवें, ऑफर स्वीकृत होने के बाद किसी भी प्रकार का दावा/आपत्ति मान्य नहीं होगी। वास्तविक माप प्रमाण पत्र के आधार पर परिवर्तन होने की स्थिति में प्रस्तुत मूल्य की औसत राशि लागू होगी। (7). ऑफर स्वीकृति पश्चात् आवेदक स्वयं के कारणों से ऑफर निरस्त कराते हैं तो 50 प्रतिशत धरोहर राशि कटौत्री कर शेष राशि बिना ब्याज के वापस की जावेगी।

संपर्क :- संतोष ठाकुर (संपदा अधिकारी, प्रक्षेत्र जबलपुर) मो. 9424658909, अंकिता गुप्ता (सहायक, उपसंभाग महाराजपुर जबलपुर) मो. 9406916509

ऑनलाइन भुगतान में असुविधा होने पर Whatsapp Helpdesk Number 7974264023

पंजीकृत आवंटी अब अपनी समस्त देय राशि का भुगतान मंडल के मोबाइल एप (MPHIDB_GEO जो Google Play Store पर उपलब्ध है) के माध्यम से भी कर सकते हैं। दिये गये QR-Code को स्कैन कर भी एप डाउनलोड कर सकते हैं।

Follow us on /mphidb /mphidb

Visit us : www.mphousing.in म.प्र. माध्यम/125836/2026

चिंतन

ऊर्जा सुरक्षा देश की पहली प्राथमिकता

वैश्विक राजनीति, युद्ध और आर्थिक प्रतिस्पर्धा के इस दौर में ऊर्जा सुरक्षा किसी भी देश की स्थिरता और विकास की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। ऐसे में भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह रूस से तेल खरीद बंद करने नहीं जा रहा है, चाहे अमेरिका की विशेष छूट समाप्त ही क्यों न हो जाए। यह केवल एक आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च रखने की नीति का स्पष्ट संकेत है। सरकारी प्रवक्ता ने तो यहां तक दावा किया है कि हम रूस से तेल खरीदते थे, खरीदते हैं और खरीदते रहेंगे। यह एक तरह से अमेरिका की धमकी का सीधा जवाब है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह ऊर्जा सुरक्षा को लेकर किसी के दबाव में नहीं आएगा। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी भी पांच देशों के दौरे पर हैं। उन्होंने भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व में यूएई का कच्चा तेल स्टोर करने और भारत को तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) व प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए यूएई के साथ समझौता किया है, वहीं नॉर्वे के साथ भी ग्रीन स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप की शुरुआत की गई है, जिसके तहत जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ ऊर्जा, समुद्री अर्थव्यवस्था (ब्लू इकॉनमी) और ग्रीन शिपिंग जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई ऊंचाइयां दी जाएंगी। इससे सरकार ने साफ कर दिया है ऊर्जा सुरक्षा देश की पहली प्राथमिकताओं में शामिल है। भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता देश है। देश की अर्थव्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, उद्योग और आम जनता की दैनिक जरूरतें ऊर्जा पर ही आधारित हैं। यदि तेल और गैस की आपूर्ति में बाधा आती है तो उसका सीधा असर महंगाई, उत्पादन और आम आदमी की जिंदगी पर पड़ता है। ऐसे में सरकार का प्राथमिक लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि देश में ऊर्जा की उपलब्धता लगातार बनी रहे और कीमतों में अनावश्यक उछाल न आए। रूस-यूक्रेन और अमेरिका-इजराइल व ईरान युद्ध के बाद वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी अस्थिरता देखी गई। पश्चिमी देशों ने रूस पर कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए, लेकिन भारत ने इस मुद्दे पर संतुलित और व्यावहारिक नीति अपनाई। भारत ने स्पष्ट किया कि वह अपने नागरिकों और अर्थव्यवस्था के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेगा। रूस से रियायती दरों पर मिलने वाला कच्चा तेल भारत के लिए आर्थिक रूप से लाभकारी साबित हुआ है। इससे देश को ऊर्जा लागत नियंत्रित रखने में मदद मिली और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती कीमतों का असर कुछ हद तक कम हुआ। अमेरिका द्वारा दी गई विशेष छूट समाप्त होने के बाद भी भारत का रूस से तेल आयात जारी रखने का निर्णय यह दर्शाता है कि भारत अब वैश्विक दबावों से प्रभावित होकर नहीं, बल्कि अपनी रणनीतिक जरूरतों के आधार पर फैसले ले रहा है। देश में गैस और तेल की उपलब्धता बनी रहे इसके लिए सरकार तमाम प्रयास कर रही है। देश में बढ़ती महंगाई आमजन को परेशान कर सकती है, लेकिन भारत की आबादी को देखते हुए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत कठिन है। हमारी डिमांड और खर्च ज्यादा है। ऐसे में सरकार के प्रयास सराहनीय हैं। लोगों को भी सरकार का सहयोग करना चाहिए और ऊर्जा संरक्षण में अपनी महती भूमिका निभानी चाहिए। दुनिया के तमाम छोटे बड़े देश तेल और गैस संकट से जूझ रहे हैं ऐसे में भारत सरकार के प्रयास काफी सराहनीय हैं।

नया खतरा
महेन्द्र तिवारी

सेल्फी का दुरुपयोग भी संभव

सेल्फी लेकर तस्वीरें सोशल मीडिया पर अपलोड करने का उद्देश्य अपनी खुशियों और अनुभवों को दुनिया के साथ साझा करना होता है। इन चित्रों के माध्यम से लोग अपनी भावनाएं, जीवनशैली और व्यक्तिगत उपलब्धियां समाज तक पहुंचाते हैं। परंतु, तकनीक की तीव्र गति ने अब इन चित्रों को केवल सुंदर स्मृतियों तक सीमित नहीं रखा है। आज यही तस्वीरें हमारी व्यक्तिगत पहचान और वित्तीय सुरक्षा के लिए एक अत्यंत गंभीर खतरा बनती जा रही हैं। विशेष रूप से एआई के निरंतर बढ़ते प्रभाव ने अंतरजाल आधारित अपराधों को एक सर्वथा नया और चिंताजनक मोड़ दे दिया है। सुरक्षा विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि हमारे दूरभाष या चित्र-यंत्र से ली गई एक सामान्य सी तस्वीर से भी किसी व्यक्ति की उंगलियों के निशान चोरी किए जा सकते हैं।

आधुनिक युग में विभिन्न सामाजिक मंचों पर अपने जीवन के विशेष क्षणों को साझा करना मानवीय व्यवहार का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। जब कोई व्यक्ति किसी मनोरम स्थान की यात्रा पर जाता है, मित्रों के साथ आनंदमय समय बिताता है, या प्रतिदिन अपनी नई तस्वीरें अपलोड करता है, तो उसका उद्देश्य अपनी खुशियों और अनुभवों को दुनिया के साथ साझा करना होता है। इन चित्रों के माध्यम से लोग अपनी भावनाएं, जीवनशैली और व्यक्तिगत उपलब्धियां समाज तक पहुंचाते हैं। परंतु, तकनीक की तीव्र गति ने अब इन चित्रों को केवल सुंदर स्मृतियों तक सीमित नहीं रखा है। आज यही तस्वीरें हमारी व्यक्तिगत पहचान और वित्तीय सुरक्षा के लिए एक अत्यंत गंभीर खतरा बनती जा रही हैं। विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के निरंतर बढ़ते प्रभाव ने अंतरजाल आधारित अपराधों को एक सर्वथा नया और चिंताजनक मोड़ दे दिया है।

वर्तमान समय में सुरक्षा विशेषज्ञ यह चेतावनी दे रहे हैं कि हमारे दूरभाष या चित्र-यंत्र से ली गई एक सामान्य सी तस्वीर से भी किसी व्यक्ति की उंगलियों के निशान चोरी किए जा सकते हैं और भविष्य में उनका अवांछित दुरुपयोग पूरी तरह संभव है। वर्तमान समय में अत्याधुनिक साधन किसी भी धुंधली तस्वीर को अत्यधिक स्पष्ट और सघन बनाने में सक्षम हैं। तस्वीरों की बारीक रेखाओं को साफ करना, उनके विस्तार को बढ़ाना और उनमें छिपे अत्यंत सूक्ष्म स्वरूपों को पहचानना अब इन प्रणालियों के लिए बहुत सरल हो चुका है। यही कारण है कि मानवीय उंगलियों के पोरों पर पाई जाने वाली अद्वितीय और अत्यंत बारीक रेखाएं भी अब इलेक्ट्रॉनिक विश्लेषण के माध्यम से आसानी से निकाली जा सकती हैं। अंतरजाल सुरक्षा विशेषज्ञ ली चांग ने अपने हालिया प्रदर्शनों में यह प्रमाणित करके दिखाया है कि उच्च गुणवत्ता वाली साधारण तस्वीरों से भी पूरी तरह उपयोग में लाए जा सकने वाले उंगलियों के निशान प्राप्त किए जा सकते हैं। इस सुरक्षा संकट से जुड़े वैज्ञानिक अध्ययनों और आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो यह स्थिति और भी भयावह प्रतीत होती है। सुरक्षा विशेषज्ञों के विश्लेषण के अनुसार, यदि कोई तस्वीर लगभग 1.5 मीटर की दूरी से ली गई हो और उपकरण के चित्र-यंत्र की गुणवत्ता उत्तम स्तर की हो, तो उस चित्र से उंगलियों के निशान शत-प्रतिशत स्पष्टता के साथ प्राप्त किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यदि तस्वीर 1.5 से 3 मीटर की दूरी से भी ली गई हो, तब भी आधुनिक एआई प्रणालियों की सहायता से उंगलियों के लगभग 50 प्रतिशत तक के रेखा-स्वरूप को सफलतापूर्वक निकाला जा सकता है। यद्यपि सामान्य जन के लिए यह एक साधारण सा आंकड़ा लग सकता है, परंतु अंतरजाल अपराध और पहचान की चोरी करने वाले अपराधियों के लिए इतनी आंशिक जानकारी भी अत्यंत विनाशकारी सिद्ध हो सकती है। जापान के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने कई वर्ष पूर्व ही इस विषय पर गहन शोध करके दुनिया को सचेत किया था कि इस प्रकार की मुद्राओं वाली तस्वीरों से उंगलियों के निशानों को बहुत सुगमता से पढ़ा जा सकता है। अब जब एआई की शक्ति कई गुना बढ़ चुकी है, तब इस तकनीकी खतरे की गंभीरता पहले की तुलना में कहीं

अधिक व्यापक हो चुकी है। उंगलियों के निशानों के लीक होने का यह संकट किसी भी सामान्य कूटशब्द की चोरी से अत्यधिक गंभीर माना जाता है। यदि किसी उपयोगकर्ता का कोई कूटशब्द या गोपनीय संख्या चोरी हो जाती है, तो वह तत्काल उसे बदलकर एक नया और सुदृढ़ कूटशब्द निर्मित कर सकता है। इसके विपरीत, मनुष्य की उंगलियों के निशान उसके संपूर्ण जीवनकाल में अपरिवर्तनीय रहते हैं। कोई भी व्यक्ति अपनी उंगलियों के प्राकृतिक निशानों को बदल नहीं सकता है। यही मुख्य कारण है कि इस प्रकार के जैव-पहचान संबंधी आंकड़ों का दुरुपयोग किसी भी व्यक्ति के लिए दीर्घकालिक समस्या उत्पन्न कर सकता है। एक बार यदि किसी अपराधी समूह या अवांछित प्रणाली के पास किसी नागरिक की उंगलियों के निशानों का सटीक रेखा-स्वरूप पहुंच जाता है, तो वह अपराधी भविष्य में कई वर्षों तक उस व्यक्ति के नाम पर विभिन्न प्रकार के वित्तीय अपराध करने का प्रयास कर सकता है। आज संपूर्ण विश्व में आधुनिक दूरभाष, संगणक, बैंकिंग सेवाएं, सरकारी प्रणालियां और उच्च सुरक्षा वाले संस्थान उंगलियों के निशानों पर आधारित पहचान प्रणाली पर पूरी तरह निर्भर हो चुके हैं। अधिकांश कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए इन जैव-पहचान उपकरणों का ही उपयोग किया जाता है। इसके साथ ही हवाई अड्डों, सीमा सुरक्षा चौकियों और अन्य संवेदनशील राष्ट्रीय संस्थानों में भी पहचान की पुष्टि के लिए उंगलियों के निशानों का उपयोग निरंतर बढ़ रहा है। ऐसी संवेदनशील व्यवस्था में यदि किसी निर्दोष नागरिक की जैव-पहचान संबंधी गोपनीय जानकारी गलत हाथों में चली जाती है, तो उसके परिणामस्वरूप पहचान की चोरी, गंभीर बैंकिंग धोखाधड़ी, बैंक खातों से धन की अवैध निकासी और प्रतिबंधित क्षेत्रों में अनधिकृत प्रवेश जैसी अत्यंत विकट समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। एआई पर आधारित इस तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नित नए शोधों से कुछ और चौंकाने वाले तथ्य भी सामने आए हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों में यह देखा गया है कि मशीन पर आधारित आधुनिक कलन विधियां अब ऐसे कृत्रिम अथवा नकली उंगलियों के निशान भी तैयार कर सकती हैं जो विभिन्न सुरक्षा उपकरणों को भ्रमित करने में सक्षम हैं। वैज्ञानिकों ने प्रयोगशालाओं में ऐसे कृत्रिम और एआई जनित निशानों को विकसित करने में सफलता पाई है जिन्हें कुछ संवेदनशील सुरक्षा प्रणालियों ने वास्तविक मानकर स्वीकार कर लिया। यह उभरती हुई स्थिति स्पष्ट संकेत देती है कि आने वाले समय में अंतरजाल सुरक्षा की चुनौतियां मानवीय कल्पना से भी अधिक जटिल और बहुआयामी होने वाली हैं। हालांकि, इस विषय के दूसरे पहलू को स्पष्ट करते हुए विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि सामाजिक माध्यमों पर डाली गई प्रत्येक तस्वीर से तत्काल कोई बैंक खाता अवरुद्ध नहीं हो जाता और न ही हर सामान्य चित्र इतना बड़ा संकट उत्पन्न करता है। अंतरजाल अपराधी सदैव हमारी असावधानी और सुरक्षा तंत्र की कमजोरियों की ताक में रहते हैं, इसलिए इस आभासी संसार में निरंतर सतर्कता ही हमारी सबसे बड़ी रक्षा कवच है। अंततः, यह तकनीक का युग है जो मानव जीवन को सुगम बनाने के साथ-साथ नई चुनौतियां भी दे रहा है। आज एक साधारण सा स्व-चित्र केवल एक सुंदर दृश्य नहीं है, बल्कि वह हमारी अत्यंत निजी जानकारी का स्रोत भी बन सकता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के लाभों का सहर्ष उपयोग करें, किंतु उसके छिपे हुए खतरों के प्रति भी समान रूप से सजग रहें। थोड़ी सी सतर्कता हमें भविष्य के किसी बड़े नुकसान से बचा सकती है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

सम्मान से सुशासन
बलकार सिंह पूनियां

पंचायतों की लगातार बदलती विकास यात्रा

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की जड़ें गांवों में स्थित ग्राम पंचायतों में निहित हैं। संसद और विधानसभाएं राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर लोकतंत्र को दिशा देती हैं, परंतु लोकतंत्र की वास्तविक आत्मा गांवों में ही जीवित रहती है। भारतीय संविधान के 73वें संशोधन के माध्यम से पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देकर स्थानीय स्वशासन को सशक्त बनाया गया। इसका उद्देश्य केवल प्रशासनिक विकेंद्रीकरण नहीं था, बल्कि ग्रामीण समाज को विकास प्रक्रिया का सहभागी बनाना था। आज राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025 और पंचायत उन्नति सूचकांक 2.0 यह सिद्ध करते हैं कि पंचायतें अब केवल योजनाओं के क्रियान्वयन की इकाइयां नहीं, बल्कि सुशासन, सामाजिक न्याय और सतत विकास की अग्रणी संस्थाएं बन चुकी हैं। केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय द्वारा घोषित राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025 के अंतर्गत देशभर की 42 पंचायतों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया है। यह सम्मान केवल उपलब्धियों की औपचारिक स्वीकृति नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत में उभरती उत्तरदायी और पारदर्शी शासन संस्कृति का प्रमाण है। कर्नाटक को छह पुरस्कार तथा आंध्र प्रदेश और ओडिशा को पांच-पांच पुरस्कार प्राप्त होना इस तथ्य को दर्शाता है कि विभिन्न राज्यों की पंचायतें स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप नवाचारी विकास मॉडल प्रस्तुत कर रही हैं। यह इस बात का संकेत है कि यदि पंचायतों को सही संसाधन, नेतृत्व और जनसहभागिता मिले, तो वे विकास की नई इबारत लिख सकती हैं। इन पुरस्कारों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इन्हें सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण से जोड़ा गया है। गरीबी-मुक्त एवं उन्नत आजीविका पंचायत, स्वस्थ पंचायत, बाल-हितैषी पंचायत, जल-पर्याप्त पंचायत, स्वच्छ एवं हरित पंचायत, सामाजिक न्याय पंचायत, महिला-हितैषी पंचायत तथा आत्मनिर्भर आधारभूत संरचना जैसी श्रेणियां यह स्पष्ट करती हैं कि पंचायतों की भूमिका अब केवल सड़क, नाली और बिजली तक सीमित नहीं रही। अब पंचायतों से अपेक्षा की जा रही है कि वे समग्र ग्रामीण विकास का नेतृत्व करें और सामाजिक, आर्थिक तथा पर्यावरणीय प्रगति सुनिश्चित करें। विशेष रूप से महिला-हितैषी पंचायतों को सम्मानित किया जाना ग्रामीण समाज में बढ़ते महिला नेतृत्व का संकेत है। पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी ने निर्णय प्रक्रिया को अधिक संवेदनशील और जनोन्मुख बनाया है। आज अनेक महिला सरपंच शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण जैसे विषयों पर उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। इसी प्रकार सामाजिक न्याय पंचायतों को पहचान देना यह दर्शाता है कि विकास केवल आर्थिक उन्नति नहीं, बल्कि सामाजिक समावेशन और समान अवसर सुनिश्चित करने की प्रक्रिया भी है।पंचायत उन्नति सूचकांक 2.0 भारतीय ग्रामीण शासन व्यवस्था में एक ऐतिहासिक पहल है। यह पंचायतों का केवल प्रशासनिक मूल्यांकन नहीं करता, बल्कि आंकड़ा-आधारित पारदर्शी और जवाबदेह शासन को बढ़ावा देता है। वित्तीय वर्ष 2023–24 की रिपोर्ट के अनुसार 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 2,59,867 ग्राम पंचायतों एवं पारंपरिक स्थानीय निकायों ने सत्यापित आंकड़े प्रस्तुत किए। लगभग 97.3 प्रतिशत भागीदारी यह सिद्ध करती है कि पंचायतों में डिजिटल शासन और जवाबदेही के प्रति विश्वास बढ़ रहा है। यह ग्रामीण भारत में डेटा-आधारित योजना निर्माण की नई संस्कृति को भी दर्शाता है। रिपोर्ट का महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि पंचायतों का मूल्यांकन अब केवल प्रक्रियाओं के आधार पर नहीं, बल्कि विकासात्मक परिणामों के आधार पर किया जा रहा है। अग्रणी श्रेणी में 3,635 ग्राम पंचायतों का शामिल होना और लगभग 1,18,824 पंचायतों का प्रदर्शनकारी श्रेणी में आना यह बताता है कि पंचायतें विकास की नई परिभाषा गढ़ रही हैं। गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य सुधार, जल संरक्षण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण जैसे मानकों पर उनका प्रदर्शन मापा जा रहा है। गरीबी-मुक्त एवं उन्नत आजीविका पंचायत श्रेणी में हजारों पंचायतों की सफलता विशेष उल्लेखनीय है। यह दर्शाता है कि स्थानीय स्तर पर रोजगार, स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी प्रयास हुए हैं। स्वयं सहायता समूहों, कृषि आधारित उद्यमों और मनरेगा जैसी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। इसी प्रकार स्वस्थ पंचायत श्रेणी में पंचायतों की उपलब्धियां यह दर्शाती हैं कि अब पंचायतें स्वास्थ्य, पोषण, टीकाकरण और स्वच्छता जैसे विषयों पर भी प्रभावी हस्तक्षेप कर रही हैं। पंचायतों की सफलता केवल ग्रामीण भारत की सफलता नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की मजबूती और सतत विकास की पहचान भी है।

(लेखक इग्नू में सहायक आचार्य ग्रामीण विकास विभाग हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

ज्ञान, भक्ति व कर्म की पूर्णता श्रीराम

संकलित
दर्शन

उपदेश जब ग्रंथ से दिया जाएगा तो लिखने के काम आएगा, जब पढ़कर दिया जाएगा तो सुनने के काम आएगा। उपदेश जब जीवन में चरितार्थ हो जाएगा, तब स्वाभाविक रूप से ग्राह्य और अनुकरणीय हो जाएगा। श्रीरामचरितमानस में लीला और चरित्र दोनों चरितार्थ हैं, जिसमें उपदेश दिया नहीं गया, चरितार्थ करके दिखाया गया है। चरितार्थ भी ऐसे हुआ है कि जिसमें चमत्कार और अप्रासंगिकता नहीं है। भगवान राम ने अपना कोई मूल्यांकन नहीं किया, पर दूसरे के हर कार्य की प्रशंसा की, उन्हें उत्साहित किया। ज्ञान की समझ, भक्ति-भावना और कर्म की शैली में यदि व्यावहारिकता नहीं है, तब साधक के जीवन में ज्ञान, भक्ति और कर्म की त्रिपुटी केवल प्रदर्शन योग्य ही रह जाएगी। उसका शुद्ध प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा। इस सर्वांगीण पूर्णता के साथ पृथ्वी पर मात्र भगवान राम ही अवतरित हुए, जिनका मानवोचित गुणों का निर्वहन करते हुए भी स्वयं का सत, चित, और आनंद स्वरूप अपने शुद्ध स्वरूप में बना रहा। ज्ञान की व्यावहारिकता है कि किसी से कुछ इच्छा न रखे और सब में एक ही ब्रह्म का साक्षात्कार करे। भक्ति की व्यावहारिकता है कि संसार के सारे संबंधों का आधार भगवान को माने। सहज संतोषी स्वभाव हो। मन में कुटिलता न हो। कर्म की व्यावहारिकता यह है कि व्यक्ति स्वयं को सेवक माने। संसार के लोगों के शुभ और सत्कर्मों की प्रशंसा अवश्य करे। भगवान श्रीराम ने स्वयं में कोई गुण नहीं देखा, अपितु दूसरे के अवगुणों में भी गुण पक्ष को ग्रहण कर उसका उपयोग लोकहित में किया।

ज्ञान पाना चाहते हैं तो अहंकार छोड़ दें

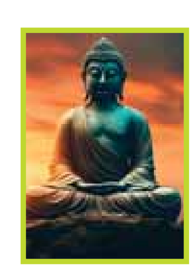

संकलित
प्रेरणा

गौतम बुद्ध यात्रा करते रहते थे और बीच-बीच में जहां ठहरते थे, वहां अपने शिष्यों को और अन्य लोगों को उपदेश दिया करते थे। बुद्ध के साथ उनका एक शिष्य हमेशा रहता था। उसका नाम था आनंद। एक दिन बुद्ध प्रवचन दे रहे थे और उस समय आनंद ने पूछा कि तथागत, आप जब प्रवचन देते समय ऊंची जगह पर बैठते हैं और सुनने वाले नीचे बैठते हैं, ऐसा क्यों है? बुद्ध ने आनंद की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आनंद पहले तुम ये बताओ कि क्या तुमने कभी किसी झरने से पानी पिया है? आनंद बोला कि हां, मैंने झरने से पानी पिया है। इसके बाद बुद्ध ने फिर पूछा कि तुमने पानी कैसे पिया? आनंद ने बुद्ध को बताया कि झरना ऊपर से बह रहा था और मैंने झरने के नीचे खड़े होकर पानी पिया था। बुद्ध ने आनंद से कहा कि बस यही तुम्हारी बात का जवाब है। अगर हम झरने से पानी पीना चाहते हैं तो हमें उस झरने के नीचे ही खड़े रहना पड़ेगा। ठीक इसी तरह प्रवचन भी एक झरने की तरह है। जहां ज्ञान का झरना बहाने वाला ऊंची जगह पर बैठते हैं और जो लोग ज्ञान के झरने का पान करना चाहते हैं, वे नीचे बैठते हैं। दरअसल, ज्ञान पाने का सबसे पहला नियम ये है कि हमें अहंकार छोड़ना पड़ेगा। नीचे बैठने से हमारे स्वभाव में जो विनम्रता आती है, अहंकार दूर होता है। इसके बाद ही हम किसी की ज्ञान की बातें ठीक से समझ पाते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

तिलहन उत्पादन बढ़ाने की जरूरत

प्रधानमंत्री ने भारतवासियों को खाने वाले तेल की मात्रा खाने में कम करने की अपील की है, क्योंकि इसका ज्यादा प्रयोग हमारे देश के धन को दूसरे देशों में भेजने में मदद करता है, हमारे देश में लगभग 60 प्रतिशत के करीब खाद्य तेल विदेशों से आता है, इनमें मुख्यतः ब्राजील, इंडोनेशिया आदि देश हैं। इसलिए सरकार ने अब देश में तिलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष योजनाओं को अमल में लाने पर काम शुरू कर दिया है। लेकिन सवाल तो यह है कि आज तक इसके बारे मे क्यों गंभीरता नहीं दिखाई गई? यह तभी कामयाब होगा जब कृषि विभाग, किसान इसे कामयाब करने के लिए गंभीरता दिखाएंगे, तो देश में किसी भी खाने वाले तेल के दाम आसमान न छू पाएं और इनका ज्यादा से ज्यादा निर्यात करें, जिससे भारत की आर्थिक स्थिति पर भी सकारात्मक असर पड़े और किसानों की आय भी बढ़े। **-संतोष कुमार, कैथल**

ट्रेंड

जन्मदिन की बधाई

एच.डी. देवेगौड़ा को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में राष्ट्र के लिए उत्कृष्ट योगदान दिया है। वह नीतिगत मुद्दों की गहरी समझ और वंचितों की सेवा के प्रति अपने समर्पण के लिए जाने जाते हैं। हम उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करते हैं। **-नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री

तय जगह पर पढ़ें नमाज

नमाज पढ़नी है तो तय जगह पर पढ़िए। संख्या ज्यादा है तो शिफ्ट में पढ़ लीजिए। हम नमाज नहीं रोकेंगे, लेकिन सड़क पर अराजकता नहीं होने देंगे। सड़कें नमाज पढ़ने या किसी तरह की भीड़ जुटाने के लिए नहीं हैं।
-योगी आदित्यनाथ, सीएम, यूपी

सहकर्मियों का पुनर्मिलन

जब नेतागण केरल पहुंचे तो ऐसा लगा जैसे "दोस्तों और सहकर्मियों का पुनर्मिलन" हो रहा हो। माहौल में आशा, ऊर्जा और उत्साह स्पष्ट रूप से व्याप्त है। यही ऊर्जा तब और भी प्रबल होगी जब हम सब मिलकर अपने सबसे बड़े साझा लक्ष्य की ओर काम करेंगे।
-ए. रेवंत रेड्डी, सीएम, तेलंगाना

गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं

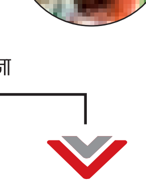

मैं स्पष्ट संदेश दे रहा हूं कि इस तरह की अशांति, गुंडागर्दी और राष्ट्रविरोधी, समाजविरोधी गतिविधियों को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम ऐसी चीजों को जारी नहीं रहने देंगे।
-शुभेंदु अधिकारी, सीएम, पश्चिम बंगाल

करंट अफेयर

ईरानी नोबेल पुरस्कार विजेता नरगिस की अस्पताल से छुट्टी

ईरान की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को दो सप्ताह से अधिक समय तक अस्पताल में भर्ती रहने के बाद सोमवार को तेहरान के एक अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उनके समर्थकों ने यह जानकारी दी। मोहम्मदी (54) को घर पर ही रहने और आगे की देखभाल और दैनिक फिजियोथेरेपी कराने की सलाह दी गयी है। मोहम्मदी के बेहोश हो जाने के बाद एक मई को उन्हें आपातकालीन स्थिति में जेल से उत्तर पश्चिमी ईरान के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लगभग 10 दिन बाद उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया और तेहरान के अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां विशेषज्ञों ने उनकी जांच की। उन्हें 2023 में जेल में रहते हुए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। मोहम्मदी को अपने करियर में कई बार जेल जाना पड़ा है। उनकी नवीनतम कैद दिसंबर में शुरू हुई जब उन्हें उत्तरपूर्वी ईरानी शहर मशहद में गिरफ्तार किया गया था। उनके परिवार ने कहा है कि जेल में उसकी सेहत बिगड़ रही थी, जिसका एक कारण यह था कि गिरफ्तारी के दौरान उसकी जमकर पिटाई की गई थी। उन्हें मार्च में दिल का दौरा पड़ा था और जेल जाने से पहले से ही उनके फेफड़े में खून का थक्का जमा हुआ था, जिसके प्रबंधन के लिए रक्त पतला करने वाली दवाओं और निगरानी की आवश्यकता होती है।

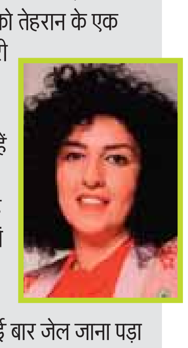

ऑफ बीट

मनुष्यों के लिए खतरनाक हो सकती है भीषण गर्मी

गर्मी हर साल हजारों लोगों को चुपचाप निगल रही है और यह दिन–ब–दिन बदतर होती जा रही है। उत्तरी गोलार्द्ध में अत्यधिक गर्मी को लेकर मीडिया की रिपोर्टिंग स्पष्ट है : रिकॉर्ड तोड़ गर्मी ने मानव अस्तित्व को खतरे में डाल दिया है। एक अनुमान है कि 'ब्रिटेन तीन दशकों में अत्यधिक गर्म हो सकता है' जो निश्चित तौर पर 97 प्रतिशत मानवता के लिए चिंता का विषय है जो ब्रिटेन के मुकाबले अधिक गर्मी वाले स्थानों पर रहते हैं। अच्छी खबर यह है : ब्रिटेन के लोगों को 2050 तक स्वीडन नहीं जाना पड़ेगा। बुरी खबर है : पहले ही जानलेवा गर्मी है जो बदतर होती जा रही है और जल्द ही एक बहुत बड़ी समस्या बन सकती है। गर्मी चुपचाप लोगों की जान ले रही है और यह अन्य किसी प्राकृतिक आपदा के मुकाबले अधिक संख्या में मौतों के लिए जिम्मेदार है। हाल के दशकों में यूरोप में भीषण गर्मी ने हजारों लोगों की जान ली है। विकासशील देशों में मृतकों की संख्या की उचित तरीके से गिनती नहीं की गयी है और संभवतः मृतकों की संख्या कहीं अधिक है। लेकिन कुछ इससे भी बुरा होने वाला है और हमें इसके लिए तैयार रहने की आवश्यकता है। अब पृथ्वी पर औसत सतह तापमान सर्वोच्च स्तर पर है। हाल में पड़ी भीषण गर्मी वैश्विक ताप वृद्धि के निशान छोड़ती है जो बाढ़ या सूखे जैसे जलवायु परिवर्तन के किसी भी असर से कहीं ज्यादा है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

दो देशों की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए राजनाथ सिंह

चीन को लगेगा तगड़ा झटका, वियतनाम संग फाइनल होगी ब्रह्मोस डील!

राजनाथ सिंह वियतनाम और दक्षिण कोरिया की यात्रा पर निकल गए हैं। उनकी इस यात्रा को बेहद खास माना जा रहा है। वियतनाम के साथ भारत की ब्रह्मोस डील अंतिम चरणों में चल रही है। ऐसे में यह आशंका भी जताई जा रही है कि राजनाथ सिंह का दौरा इस डील को अमलीजामा पहना सकता है। अगर दोनों देशों के बीच यह डील हो जाती है तो चीन के लिए यह बहुत बड़ा झटका होगा।

यात्रा का उद्देश्य इंडो-पैसिफिक में भारत की स्थित को मजबूत करना

रक्षा क्षेत्र में औद्योगिक साझेदारियों को मजबूत बनाना

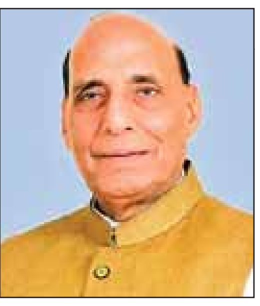

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो देशों के दौरे पर रवाना हो चुके हैं। इनमें से एक देश है वियतनाम तो वहीं दूसरा देश है साउथ कोरिया। रक्षा मंत्री की इस यात्रा का उद्देश्य इंडो-पैसिफिक में भारत की स्थित को मजबूत करना है। लेकिन उनकी इस यात्रा से बरसों से पाइपलाइन में पड़ी भारत और वियतनाम की ब्रह्मोस डील फाइनल होने की उम्मीद एक बार फिर जाग गई है। रक्षा मंत्री ने भारत से रवाना होते समय एक सोशल मीडिया पोस्ट की। अपनी इस पोस्ट में उन्होंने लिखा इस सप्ताह वियतनाम और दक्षिण कोरिया का दौरा करने के लिए मैं उत्सुक हूं, ताकि हम अपने आपसी जुड़ाव के दायरे को और अधिक विस्तृत कर सकें। मेरा मुख्य जोर रणनीतिक सैन्य सहयोग को और गहरा करने, रक्षा क्षेत्र में औद्योगिक साझेदारियों को मजबूत बनाने और समुद्री सहयोग को बढ़ावा देने पर रहेगा, जिससे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित हो सके।

सबसे ज्यादा फोकस रक्षा क्षेत्र पर

बता दें कि दोनों देश पहले ही के-9 वज्र तोप प्रणाली को लेकर मदद के साथ आगे बढ़ रहे हैं। राजनाथ के इस दौरे में अगली पीढ़ी की डिफेंस तकनीकों के अलावा एयर डिफेंस सिस्टम और रक्षा स्टार्टअप बढ़ाने पर चर्चा हो सकती है। राजनाथ सिंह दक्षिण कोरिया के दौरे पर भी जा रहे हैं। दोनों देशों के बीच कोरिया-इंडिया डिफेंस एक्सेलेरेटर को आगे बढ़ाने पर बात हो सकती है।

अंतिम चरणों में पहुंची डील

राजनाथ सिंह के वियतनाम दौरे में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग सबसे बड़ा एजेंडा रहने वाला है। सबका फोकस इस बात पर है कि ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल डील को लेकर दोनों देशों के बीच क्या बातचीत होती है। डील अंतिम चरणों में ही है। इसके साथ ही भारत और वियतनाम के बीच समुद्री सुरक्षा, संयुक्त सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण, लॉजिस्टिक सहयोग और रक्षा उपकरणों के मेंटेनेंस को लेकर भी बातचीत हो सकती है। वही दोनों देशों की चार दिवसीय यात्रा पर रहेंगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह।

दक्षिण चीन सागर पर बढ़ा रक्षा सहयोग

हाइड्रोकार्बन के विशाल स्रोत, दक्षिण चीन सागर पर चीन के व्यापक संप्रभुता के दावों को लेकर चिंताएं बढ़ती जा रही हैं। क्षेत्र के कई देशों, जैसे वियतनाम, फिलीपीन और ब्रुनेई द्वारा भी दक्षिण चीन सागर पर अलग-अलग दावे किए जाते रहे हैं। भारत और कई अन्य लोकतांत्रिक देश इन विवादों के शांतिपूर्ण समाधान तथा अंतरराष्ट्रीय कानूनों, विशेष रूप से समुद्री कानूनों से संबंधित यूएनसीएलओएस संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि के पालन पर जोर देते रहे हैं।

डील से भारत को यह फायदा होगा

- *डील फाइनल होने पर वियतनाम ब्रह्मोस खरीदने वाला तीसरा देश बन जाएगा।*
- *इससे पहले फिलीपींस और इंडोनेशिया ब्रह्मोस की खरीद कर चुके हैं।*
- *इस सौदे की अनुमानित कीमत लगभग 5 हजार 800 करोड़ रुपए हो सकती है।*
- *वियतनाम के सुखोई-30 विमानों के मेंटेनेंस के लिए मदद करने पर भी विचार।*
- *पनडुब्बियों की रिपेयरिंग का प्रस्ताव भी वियतनाम को दे सकता है भारत*

खबर संक्षेप

शिकागो : सड़क हादसे में भारतीय छात्रा की मौत

शिकागो। अमेरिका में शिकागो के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में 25 साल की एक भारतीय छात्रा की जान चली गई और छह अन्य लोग घायल हो गए। यह घटना शनिवार देर रात इंडियाना राज्य के लेक काउंटी में क्राउन पॉइंट शहर के पास इंटरस्टेट 65 हाईवे पर हुई। मीडिया से मिली जानकारी के मुताबिक मृत छात्रा की पहचान नव्या गड्डूसू के रूप में की है। लेक काउंटी कोरोनर कार्यालय ने रविवार रात 12 बजकर 16 मिनट पर नव्या को मृत घोषित कर दिया। नव्या की मौत दुर्घटना में चोट लगने से हुई है।

चीन: ट्रक पुल के नीचे गिरा एक की मौत

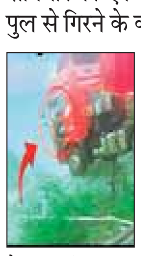

बीजिंग। दक्षिण-पश्चिम चीन में शनिवार को एक पिकअप ट्रक के पुल से गिरने के कारण एक मजदूर की मौत हो गई और नौ लोग लापता हैं। यह जानकारी सरकारी मीडिया में प्रकाशित खबरों में दी गयी है। ट्रक में कुल 15 लोग सवार थे और यह श्रमिकों को दक्षिणी ग्वांग्शी क्षेत्र में स्थित एक शकरकंद के खेत में ले जा रहा था। शेष नौ लोगों की तलाश और उन्हें बचाने के लिए रविवार को भी प्रयास जारी रहा। हुआनजियांग माओनान ऑटोनोमस काउंटी में कम जलस्तर वाले पुल को पार करते समय ट्रक नदी में गिर गया।

स्वीडन में प्रधानमंत्री ने गोलमेज सम्मेलन में यूरोपीय सीईओ से की मुलाकात

स्वीडन का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भी प्राप्त किया

पीएम मोदी ने व्यापार, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हरित परिवर्तन पर चर्चा की

भारत की वैश्विक वाणिज्यिक उपस्थिति के क्षितिज को विस्तारित करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वीडन के गोथेनबर्ग में आयोजित यूरोपीय उद्योग गोलमेज सम्मेलन में विभिन्न सीईओ से मुलाकात की

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वीडन के गोथेनबर्ग में सीईओ बैठक में भाग लिया।

इस यात्रा का उद्देश्य भारत और स्वीडन के बीच सहयोग को नई दिशा देना

यात्रा से भारत–स्वीडन संबंधों को नई गति मिलने की उम्मीद

एजेंसी ▶▶ गोथेनबर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीदरलैंड और संयुक्त अरब अमीरात की यात्राओं के बाद स्वीडन के गोथेनबर्ग पहुंचे। यह उनकी पांच देशों की यूरोप यात्रा का तीसरा चरण है। एयरपोर्ट पर स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वीडन के गोथेनबर्ग में आयोजित यूरोपीय उद्योग गोलमेज सम्मेलन में शीर्ष यूरोपीय व्यापार जगत के नेताओं से मुलाकात की, ताकि निवेश और औद्योगिक तालमेल को बढ़ावा दिया जा सके। उन्हें स्वीडन का सर्वोच्च सम्मान, रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार कमांडर ग्रैंड क्रॉस भी प्राप्त हुआ, जो उनका 31वां अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन से व्यापार, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हरित परिवर्तन पर चर्चा की। इस यात्रा में भारतीय प्रवासियों के साथ एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी शामिल था, जिसमें स्वीडिश ओपेरा गायिका चार्लोटा हुल्ड्ट ने भजन प्रस्तुत किया। इस यात्रा से भारत–स्वीडन संबंधों को नई गति मिलने की उम्मीद है।

स्वीडन एयरस्पेस में ग्रिपेन फाइटर जेट्स ने दिया एस्कॉर्ट

पीएम मोदी के आगमन को विशेष महत्व देते हुए स्वीडन के ग्रिपेन फाइटर जेट्स ने उनके विमान को स्वीडिश एयरस्पेस में एस्कॉर्ट किया। यह भारत और स्वीडन के बीच बढ़ते रणनीतिक और कूटनीतिक संबंधों का प्रतीक माना जा रहा है।

व्यापार, तकनीक और हरित ऊर्जा पर फोकस

इस यात्रा का उद्देश्य भारत और स्वीडन के बीच सहयोग को नई दिशा देना है। दोनों देशों के बीच व्यापार, तकनीक, ग्रीन ट्रांजिशन, स्टार्टअप, और उभरते क्षेत्रों में साझेदारी को और मजबूत करने पर जोर रहेगा।

भारत–स्वीडन संबंधों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

भारत ने वर्ष 2018 में पहली भारत–नॉर्डिक शिखर बैठक के दौरान स्वीडन की यात्रा की थी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह यात्रा दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक सहयोग को और गहरा करने का अवसर प्रदान करेगी।

उच्चस्तरीय वार्ता में कई अहम मुद्दों पर चर्चा

प्रधानमंत्री मोदी और स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन के बीच होने वाली वार्ता में भारत–स्वीडन संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की जाएगी। इसमें रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष सहयोग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जलवायु परिवर्तन, स्टार्टअप इकोसिस्टम और आपूर्ति श्रृंखला जैसे विषय शामिल होंगे।

बढ़ता व्यापार और निवेश

विदेश मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2025 में भारत–स्वीडन के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 7.75 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। वहीं, वर्ष 2000 से 2025 के बीच स्वीडन से भारत में 2.825 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हुआ है।

भविष्य के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की तैयारी

दोनों देश अब नवाचार-आधारित अर्थव्यवस्था, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल टेक्नोलॉजी और रक्षा निर्माण जैसे भविष्य के क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

मची अफरा-तफरी, सुरक्षित बचे चारों क्रू मेंबर्स

एयर शो के दौरान आपस में टकराए दो एफ-18 लड़ाकू विमान, क्रैश होते ही बन गए आग का गोला

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में एयर शो के दौरान हुए बड़े हादसे ने सैन्य विमानों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रदर्शन के बीच दो लड़ाकू विमान आपस में टकरा गए, हालांकि सभी क्रू मेंबर सुरक्षित बच निकले। हादसे के बाद पूरे कार्यक्रम को रद्द कर जांच शुरू कर दी गई है। अमेरिका के माउंटेन होम एयरफोर्स बेस में आयोजित एयर शो के दौरान बड़ा हादसा हो गया, जब दो अमेरिकी ईए-18जी ग्राउलर लड़ाकू विमान हवा में आपस में टकरा गए। हादसे के बाद एयरबेस को तत्काल लॉकडाउन कर दिया गया और पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। अमेरिका के माउंटेन होम एयरफोर्स बेस में आयोजित एयर शो के दौरान बड़ा हादसा हो गया, जब दो अमेरिकी ईए-18जी ग्राउलर लड़ाकू विमान हवा में आपस में टकरा गए। हादसे के बाद एयरबेस को तत्काल लॉकडाउन कर दिया गया और पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बीच आसमान में हुई इस भीषण टक्कर के बाद विमानों के परखच्चे उड़ गए। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना दोपहर करीब 12:30 बजे स्थानीय समय की है, जिसके तुरंत बाद घटना स्थल से काले धुएं का गुबार उठता देखा गया। इस हादसे का शिकार हुए विमान अमेरिकी नौसेना/वायुसेना द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले दो ईए-18जी ग्राउलर फाइटर जेट्स थे, जो एफ-18 हॉरनेट का ही एक उन्नत इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर वेरिएंट हैं। अधिकारियों ने बताया कि दोनों जेट एयरबेस से लगभग दो मील दूर जाकर गिरे। फिलहाल आपातकालीन दल घटनास्थल पर मौजूद हैं और हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

हवा में टूटे विमान, लेकिन चमत्कारिक रूप से बचे चारों क्रू मेंबर्स

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस घटना के वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे करतब दिखाते वक्त दोनों विमान आपस में टकरा जाते हैं और उनके टुकड़े हवा में बिखर जाते हैं। लेकिन इस भयानक मंजर के बीच एक चमत्कार हुआ। टक्कर के ठीक कुछ सेकेंड बाद आसमान में चार पैराशूट खुलते हुए दिखाई दिए।

मेक्सिको में गोलीबारी 10 लोगों की मौत

मेक्सिको । फीफा विश्व कप की तैयारी कर रहे मेक्सिको में सोमवार को बड़ी वारदात सामने आई है। यहां प्यूब्ला राज्य के तेहुइटजिंगो शहर में तड़के 10 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतकों में 6 पुरुष, 3 महिलाएं और एक नाबालिग शामिल है। अल जजीरा के मुताबिक, पीड़ितों पर कथित तौर पर हथियारबंद लोगों ने हमला किया था। सभी मृतक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पड़ोसियों ने गोलीबारी की जानकारी दी थी।

मिली बोरेहामवुड की कमान, जताया आभार

तुषार कुमार ने रचा इतिहास, ब्रिटेन में सबसे युवा भारतीय मूल के मेयर बने

एजेंसी ▶▶ लंदन

भारतीय मूल के 23 वर्षीय तुषार कुमार ने ब्रिटेन में इतिहास रच दिया है। उन्हें आधिकारिक तौर पर एल्सट्री और बोरेहामवुड का मेयर नियुक्त किया गया है। वह ब्रिटेन के इतिहास में इस पद पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय मूल के व्यक्ति बन गए हैं।

13 मई को बोरेहामवुड के फेयरवे हॉल में आयोजित एक समारोह में उनकी नियुक्ति की पुष्टि हुई। तुषार कुमार ने लंदन के किंग्स कॉलेज से राजनीति विज्ञान की पढ़ाई की है। मेयर की जिम्मेदारी संभालने से पहले वह डिप्टी मेयर के रूप में काम कर रहे थे। वह लंबे समय से बोरेहामवुड में स्थानीय नागरिक और सामुदायिक कार्यों में सक्रिय रहे हैं। इस बड़ी उपलब्धि पर तुषार कुमार ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने इसे एक बड़ा सम्मान बताया। तुषार ने कहा कि किंग्स कॉलेज में राजनीति विज्ञान पढ़ने से लेकर अपने पसंदीदा शहर का मेयर बनने तक का यह सफर उनके लिए किसी सपने जैसा है।

अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से परमाणु सहयोग पर की बातचीत

भारत-अमेरिका सहयोग के विस्तार पर हुई विस्तृत चर्चा : जितेंद्र सिंह

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी निवेश और औद्योगिक सहयोग के नए अवसरों पर अमेरिकी उद्योग प्रतिनिधिमंडल के साथ विस्तृत चर्चा की। यह उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल परमाणु ऊर्जा संस्थान और अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच के प्रतिनिधियों से मिलकर बना था। बैठक में भारत के महत्वाकांक्षी परमाणु ऊर्जा मिशन, निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने वाले हालिया सुधारों और स्वच्छ ऊर्जा तथा उन्नत प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में भारत-अमेरिका सहयोग के विस्तार पर चर्चा हुई। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच विज्ञान, प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा और उभरते क्षेत्रों में मजबूत और भविष्य उन्मुख साझेदारी विकसित हो रही है, जिसमें नागरिक परमाणु सहयोग का महत्व लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की फरवरी 2025 की बैठक के दौरान शुरू की गई ।

बैठक गांधी नगर में 19 से 22 मई तक आयोजित होगी

ब्रिक्स न्याय मंत्रियों की बैठक आज से भारत करेगा अध्यक्षता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ब्रिक्स देशों के वरिष्ठ अधिकारियों और न्याय मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक आज 19 मई से 22 मई तक गुजरात के गांधीनगर में आयोजित होगी। भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता के तहत इस बैठक की मेजबानी कर रहा है। विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधि मामलों के विभाग द्वारा आयोजित यह चार दिवसीय बैठक कानूनी सुधारों, विवादों के त्वरित निपटारे और वैकल्पिक विवाद समाधान (को मजबूत करने पर केंद्रित रहेगी। बैठक के अंत में ब्रिक्स न्याय मंत्रियों द्वारा संयुक्त वक्तव्य अपनाया जाएगा, जिसमें मध्यस्थता और एडीआर को मजबूत करने के लिए ठोस प्रतिबद्धताएं शामिल होंगी। मध्यस्थता और मध्यस्थता में क्षमता निर्माण के माध्यम से वैकल्पिक विवाद समाधान को मजबूत करना विषय पर एक घोषणापत्र भी जारी किया जाएगा। यह बैठक ब्रिक्स देशों के बीच न्यायिक क्षेत्र में सहयोग को नई दिशा देने वाली मानी जा रही है। भारत इस आयोजन के जरिए वैश्विक मंच पर कानूनी सुधारों और त्वरित न्याय व्यवस्था में अपनी नेतृत्व भूमिका को और मजबूत करना चाहता है।

चर्चा के प्रमुख मुद्दे

- *संस्थागत मध्यस्थता और मध्यस्थता सुधार*
- *वाणिज्यिक एवं सार्वजनिक क्षेत्र के विवादों में एडीआर की भूमिका*
- *अदालतों में लंबित मामलों को कम करना*
- *डिजिटल तकनीक के जरिए सस्ता और तेज न्याय*
- *ब्रिक्स देशों के बीच क्षमता निर्माण, ट्रेनिंग प्रोग्राम और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान*

सरकार जालसाजों से निपटने के लिए एक्शन मोड में

दूरंसचार विभाग ने 59 लाख बैंक खाते किए सीज

भारत में साइबर ठगों ने 5 वर्षों में उड़ाए 52 हजार करोड़!

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में साइबर ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। दूरंसचार विभाग के नए आंकड़ों ने सभी को हैरान कर दिया है। पिछले 5 वर्षों में भारत के लोगों ने साइबर फ्रॉड के कारण 52 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा गवां दिए हैं। हालांकि, राहत की बात यह है कि सरकार और दूरंसचार विभाग इन जालसाजों से निपटने के लिए एक्शन मोड में हैं। आइए जानते हैं कि सरकार ने इस पर क्या आंकड़े पेश किए हैं और ठगी रोकने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं।

5 वर्षों में साइबर फ्रॉड की 60 लाख शिकायतें

मुंबई में विश्व दूरसंचार दिवस के मौके पर दूरसंचार विभाग अधिकारियों ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में साइबर फ्रॉड से जुड़ी लगभग 60 लाख शिकायतें सामने आई हैं। इनमें से 3 हजार से ज्यादा मामलों को सुलझा लिया गया है और फ्रॉड करने वाले 6 बड़े गैंग्स को पकड़ा गया है। जालसाजी का तुरंत पता लगाने और नेटवर्क को सुरक्षित रखने के लिए अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सिस्टम का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके साथ ही, नया टेलीकॉम एक्ट 2023 और टेलीकॉम साइबर सिक्योरिटी रूल्स 2024 लागू होने से भारत का डिजिटल सुरक्षा ढांचा पहले से काफी ज्यादा मजबूत हुआ है।

सरकार का बड़ा एक्शन

जालसाजों की कमर तोड़ने के लिए दूरसंचार विभाग ने बैंक, यूपीआई एप्स और पुलिस जैसी कई एजेंसियों के साथ मिलकर एक बड़ा और कड़ा अभियान चलाया है। इस कार्रवाई के तहत शक के घेरे में आए 3.4 करोड़ मोबाइल नंबरों को हमेशा के लिए डिस्कनेक्ट कर दिया गया है। साथ ही साइबर फ्रॉड में शामिल 16.97 लाख व्हाट्सएप अकाउंट्स पर भी बैन लगा दिया गया है।

ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियन ट्रंप की धमकी पर बोले

पेजेशकियन ने कहा कि ईरान सम्मान के साथ वार्ता करेगा, लेकिन अपने राष्ट्रीय हितों और अधिकारों से कोई समझौता नहीं करेगा। इससे हले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को जल्द फैसला लेने की धमकी दी थी

यूएस से बातचीत से इनकार करना तर्कसंगत नहीं, अपने अधिकारों की करते रहेंगे रक्षा

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने सोमवार को अमेरिका के साथ बातचीत आगे बढ़ाने के तेहरान के फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा कि सम्मान के साथ वार्ता जरूरी है। साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान अपने अधिकारों की रक्षा करना जारी रखेगा। पेजेशकियन ने ये बात सरकारी विभागों के जनसंपर्क कार्यक्रम ईरानियन नैरेटर्स (ईरानी कहानी बताने वाले) के दौरान कहीं।

ईरानी राष्ट्रपति ने क्या कहा?

यह तर्कसंगत नहीं है कि हम कहें कि हम बातचीत नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, वे नारे लगाते हैं कि हमें बातचीत नहीं करनी चाहिए। अगर हम बात नहीं करेंगे तो क्या करेंगे? क्या अंत तक लड़ेंगे? यह तर्कसंगत नहीं है कि हम बातचीत नहीं करेंगे। हम सम्मान के साथ बात करते हैं।

हमें तर्क के साथ बात करनी चाहिए

पेजेशकियन ने आगे कहा कि ईरान कूटनीतिक वार्ता जारी रखते हुए भी अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम है। उन्होंने कहा, हम जनता के समर्थन से देश के अधिकारों की रक्षा करने में सक्षम हैं। हमें तर्क के साथ बात करनी चाहिए और तर्कपूर्ण जवाब मिलने चाहिए। ईरानी राष्ट्रपति ने क्षेत्र में तनाव के बीच राष्ट्रीय एकता की अहमियत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, हमें कोशिश करनी चाहिए।

विरोधियों पर लगाया देश को अस्थिर करने का आरोप

पेजेशकियन ने ईरान के 'विरोधियों' पर देश को अस्थिर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने हाल के क्षेत्रीय संघर्षों पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाओं की आलोचना की। उन्होंने कहा, वे तीन दिनों में इस्लामी गणराज्य की व्यवस्था को गिराना चाहते थे। लेकिन आज उन्होंने फूट डालकर आगे बढ़ने की साजिश रची। गाजा संघर्ष का जिक्र करते हुए पेजेशकियन ने कहा, हमने देखा कि उन्होंने गाजा और फलस्तीन में किस तरह के अपराध किए और अमेरिकी मीडिया लगातार यह कहते हुए सही ठहराता है कि वे अपनी रक्षा कर रहे हैं। अपनी सरकार के कूटनीतिक रुख को दोहराते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए बातचीत जारी रखेगा। पेजेशकियन ने कहा, हम विदेशियों का सम्मान करते हैं। हम बातचीत करेंगे और हम देश के अधिकारों की रक्षा करेंगे।

ट्रंप ने ईरान दी धमकी? लगातार कूटनीतिक गतिरोध के बीच जुबानी जंग और तेज हो गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को नई चेतावनी जारी की, क्योंकि यूरेनियम भंडार, प्रतिबंधों में राहत और पश्चिम एशिया में महीनों से जारी संघर्ष के बाद मुआवजे को लेकर बातचीत रुकी हुई है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, ईरान के लिए समय निकलता जा रहा है और उन्हें जल्दी कदम उठाने चाहिए। नहीं तो उनका कुछ भी नहीं बचेगा। समय बहुत अहम है।

भाजपा महानगर प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ

सात सत्रों में कार्यकर्ताओं को दिया प्रशिक्षण

जबलपुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर के दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ सोमवार को होटल वेटिवर ग्रैंड, न्यू पनागर बायपास में हुआ। कार्यक्रम में सांसद आशीष दुबे, राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीकि, जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, विधायक अशोक रोहाणी, विधायक अभिलाष पांडे सहित कई जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।प्रशिक्षण वर्ग के पहले दिन सात अलग-अलग सत्र आयोजित किए गए, जिनमें विभिन्न विषय वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। कार्यक्रम की शुरुआत विकास कार्यों पर आधारित प्रदर्शनी के उद्घाटन और अवलोकन से हुई।जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने प्रस्तावना रखते हुए कहा कि प्रशिक्षण कार्यकर्ताओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाता है और भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से व्यक्तित्व निर्माण और संगठन की विचारधारा को आत्मसात करने का अवसर मिलता है।

भाजपा के इतिहास और विकास पर चर्चा

पहले सत्र में सांसद आशीष दुबे ने भाजपा के इतिहास एवं विकास विषय पर संबोधित किया। उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना से लेकर भारतीय जनता पार्टी के गठन और केंद्र में सरकार बनने तक की यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

व्यवहारिक जीवन और संगठन पर जोर

दूसरे सत्र में प्रदेश उपाध्यक्ष नंदिता पाठक ने व्यवहारिक सत्र में कार्यकर्ताओं को सामाजिक समन्वय और व्यावहारिक जीवन के महत्व के बारे में बताया।

तीसरे सत्र में प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्रीकांत साहू ने मीडिया प्रबंधन पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि मीडिया संगठन की विचारधारा और सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। वहीं सोशल मीडिया संभागीय प्रभारी अमन शर्मा ने सोशल मीडिया के प्रभाव और उसके सावधानीपूर्वक उपयोग की जानकारी दी।

एकात्म मानववाद और कार्यकर्ता विकास पर व्याख्यान

चौथे सत्र में पूर्व सांसद आलोक संजर ने एकात्म मानववाद, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और पंचनिष्ठाओं पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि भाजपा में राष्ट्र सर्वोपरि है और पार्टी कार्यकर्ता आधारित संगठन है।पांचवें सत्र में विधायक अभिलाष पांडे ने कार्यकर्ता विकास विषय पर कहा कि संगठन का मूल आधार कार्यकर्ता ही हैं और प्रशिक्षण वर्ग उनके विकास के लिए आयोजित किए जाते हैं।

मोदी सरकार की योजनाओं की दी जानकारी

छठवें सत्र में विधायक अशोक रोहाणी ने केंद्र सरकार की योजनाओं पर चर्चा करते हुए आयुष्मान योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना और किसान कल्याण जैसी योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा सुशासन और जनकल्याण को प्राथमिकता दी है।सातवें सत्र में बालाघाट के पूर्व सांसद रमेश भटेरे ने कार्य विस्तार विषय पर संबोधित करते हुए कार्यकर्ताओं से संगठन और विचारधारा को मजबूत करने का आह्वान किया।कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकी, जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांजपे, पूर्व मंत्री जालम सिंह पटेल, पूर्व महापौर प्रभात साहू, डॉ. वाणी हलुवालिया और वरिष्ठ नेत्री श्रीमती सुषमा जैन ने की। सत्रों के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन चार और सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह सहित कई वक्ता कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे।

स्वस्थ मन ही स्वस्थ जीवन की है पहचानः प्रो. शुक्ल

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत 'मानसिक स्वास्थ्य' विषय पर व्याख्यान आयोजित

जबलपुर। स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी अग्रणी महाविद्यालय जबलपुर द्वारा "मानसिक स्वास्थ्य" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यवक्ता के रूप में साक्षी श्रीवास्तव, मनोवैज्ञानिक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुये कहा कि मानसिक स्वास्थ्य उतना ही महत्वपूर्ण है जितना शारीरिक स्वास्थ्य। वर्तमान समय में बढ़ते कार्यभार, प्रतिस्पर्धा, सामाजिक दबाव और डिजिटल जीवनशैली के कारण मानसिक तनाव तेजी से बढ़ रहा है। जैसे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पौष्टिक भोजन और व्यायाम आवश्यक है, वैसे ही मन को स्वस्थ रखने के लिए सकारात्मक सोच, संतुलित जीवनशैली और भावनात्मक शांति आवश्यक है। मानसिक स्वास्थ्य केवल बीमारी का अभाव नहीं, बल्कि खुशहाल, आत्मविश्वासी और संतुलित जीवन जीने की क्षमता है।इस अवसर पर प्रो. अरुण शुक्ल, संभागीय नोडल अधिकारी, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, जबलपुर संभाग ने कहा कि स्वस्थ मन ही स्वस्थ जीवन की पहचान है। हमें मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना चाहिए और दूसरों को भी इसके महत्व के बारे में बताना चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक समाज ही स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. ए.सी. तिवारी के साथ महाविद्यालय के लगभग 42 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

युवा सशक्तिकरण एवं सामाजिक जागरूकता पर हिंदू सेवादल की हुई बैठक

जबलपुर। पूर्व निर्धारित सूचना अनुसार अखिल भारतीय हिंदू सेवा दल की एक वृहद बैठक का आयोजन जबलपुर में राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज भारद्वाज की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। बैठक में देश के विभिन्न राज्यों में संगठन द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं राष्ट्रहित कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री भारद्वाज ने अपने उद्बोधन में समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर कर जागरूक नागरिक एवं सशक्त युवा तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने युवाओं एवं महिलाओं के लिए रोजगारमूलक योजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी उपस्थित सदस्यों को दी तथा उन्हें इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। बैठक के दौरान युवा वर्ग को रोजगार प्रशिक्षण उपलब्ध कराने हेतु किए जा रहे कार्यों की समीक्षा भी की गई। इस अवसर पर अखिल भारतीय हिंदू सेवा दल के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. विजयकांत तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि युवा रोजगार संकल्प अभियान के अंतर्गत संकल्प शिक्षा एवं जनकल्याण समिति, मध्यप्रदेश द्वारा आधारताल स्थित यश हायर सेकेंडरी स्कूल में केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत "सूर्य मित्र" प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में युवाओं को 30-30 के बैच में तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है तथा प्रशिक्षण उपरांत विभिन्न कंपनियों में रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने समाज में व्याप्त कमियों एवं चुनौतियों पर अपने विचार रखते हुए सामाजिक एकता एवं संस्कारों के संरक्षण पर बल दिया।

भगवान परशुराम वंशज ने किया समाज रत्न अलंकरण समारोह आयोजित

जबलपुर। ब्राह्मण एकता मंच, भगवान परशुराम वंशज द्वारा समाज रत्न अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जगदगुरु सुखानंद द्वाराचार्य स्वामी राघव देवाचार्य, नगर पंडित सभा के पूर्व अध्यक्ष पं. वासुदेव शास्त्री, पं. संतोष उपाध्याय, वीरेन्द्र चोबे, सुधीर नायक, संयोजक एड. राम दुबे, योगेन्द्र दुबे, केके दुबे ने रुस्तम अवार्ड पर सर्वप्रथम प्रकाश डाला। रुस्तमजी का पूरा नाम खुसरो फरमोंज रुस्तम रहा, जिनका आर्विभाव 1916 में हुआ, 1938 में इन्होंने आईपीएस को ज्वाइन किया और 2003 में इनका महाप्रयाण हो गया। केएफ रुस्तम भारत के एकमात्र पुलिस आफिसर रहे जिन्हें 1991 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। इन्होंने आजादी के समय छत्तीसगढ़ की कई रियासतों को भारत गणराज्य में सम्मिलत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

समारोह में गीता शरद तिवारी, कान्यकुब्ज ब्राह्मण महिला मंडल अध्यक्ष आशा पांडे, गीता दुबे, कविता दुबे, सुमित मिश्रा ने बताया कि मप्र शासन ने रिटायर्ड एड. एसपी राजेश तिवारी, रिटायर्ड सीएसपी प्रभात शुक्ला को वीरता और शौर्य पर, रिटायर्ड सीएसपी रविन्द्र गौतम को सर्वोच्च विशिष्ट विवेचना पर, रविन्द्र कुमार मिश्रा को सूचना संकलन के लिए रुस्तम अवार्ड से सम्मानित किया।

नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, एमआईसी सदस्य पार्षद डॉ. सुभाष, पार्षद अयोध्या तिवारी, पार्षद संतोष पंडा, पार्षद अतुल वाजपेयी, पार्षद सत्येन्द्र चौबे, कान्यकुब्ज ब्राह्मण सभा अध्यक्ष संतोष तिवारी, गौण ब्राह्मण अध्यक्ष रविन्द्र गौतम, डॉ. आरके चतुर्वेदी, मैथिल ब्राह्मण सभा अध्यक्ष नीरज पाठक, अनुपम शुक्ला, देवकुमार दुबे, भार्गव ब्राह्मण सचिव दिनेश दुबे, अजय चौबे, मनीष पाठक, आनंद पाठक, अजय तिवारी, आलोक पाठक, राम भगत तिवारी, अनिलकांत, आचार्य पिंकी ने बताया कि इन प्रोधाओं को जिन्होंने ब्राह्मण समाज के नाम को सम्पूर्ण प्रदेश और देश में उज्जवल किया है, समाज आज इन्हें समाज रत्न से अलंकृत करते हुए गौरवान्वित महसूस करता है। अनिल तिवारी, राकेश पांडे, विजय स्थापक, कपिल दुबे, राहुल दुबे, अतुल दुबे, सारंग दुबे, कौशल दुबे, आशुतोष तिवारी, अंकुर दुबे, गणेश पांडे, आशीष तिवारी ने बताया कि इस अवसर पर समस्त ब्राह्मण उपवर्ग व अनेक ब्राह्मण संगठनों के सैकड़ों सदस्यों का सम्मान छोटी बजरिया गढ़ा में नानाजी स्मृति भवन में किया गया। अंत में कार्यक्रम को गरिमामयी बनाने में सभी विप्रजनों का आभार व्यक्त किया गया।

तत्वबोध अध्ययन कक्षाएं 23-24 मई को

जबलपुर। श्री राम मंदिर मदन महल में वेदांत पाठ्यक्रम के अंतर्गत "तत्वबोध" की कक्षाएं प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को चल रही हैं। कक्षाओं का सार संक्षेप-हम भारतीय किसी भी कार्य की शुरुआत के समय अपने मन में जो पवित्र और उत्साह, उन्नति देने वाले भाव और क्रियाएं करते हैं, उसे ही मंगल आचरण कहते हैं। आदि शंकराचार्य ने भी अपने ग्रंथ तत्वबोध का आरंभ मंगलाचरण से किया है। प्रातःकाल से रात्रि शयनकाल तक मंगलाचरण शामिल कर अपने-अपने जीवन में उसके प्रभाव का अवलोकन किया जा सकता है। मंगल का अर्थ सम्पूर्ण भौतिक और आध्यात्मिक उन्नति है, इसे ही अभ्युदय तथा निःश्रेयश कहते हैं। तत्वबोध की अगली कक्षाएं 23 एवं 24 मई को शाम 04 से 5.30 बजे तक होगी जिसमें रिवीजन के पश्चात अनुबंध चतुष्टय एवं साधन चतुष्टय के विषय को समझाया जाएगा।

जबलपुर बना हेल्थकेयर हब : अब दिल्ली-मुंबई जैसा इलाज अपने शहर में, सीजीएचएस लाभार्थियों को राहत

जबलपुर। समाचार अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल में सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा सीजीएचएस बेनिफिसियरीज के लिए एक महत्वपूर्ण संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जबलपुर में उपलब्ध विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी आम नागरिकों, विशेष रूप से सीजीएचएस लाभार्थियों तक पहुंचाना था।संवाद के दौरान विशेषज्ञों द्वारा विस्तार से बताया गया कि सीजीएचएस के मरीज किस प्रकार इन आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का लाभ ले सकते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित बड़ेरिया ग्लोबल ग्रुप के चेयरमेन डॉ. सौरभ बड़ेरिया ने कहा कि पिछले लगभग 20 वर्षों में जबलपुर सहित महाकोशल, विंध्य और बुंदेलखंड क्षेत्र के मरीजों के लिए अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाओं का निरंतर विकास किया गया है। उन्होंने बताया कि अब यहां उच्च दक्षता वाले विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उपलब्ध है, जो जटिल सर्जरी भी सफलतापूर्वक कर रही है। रोबोटिक सर्जरी जैसी उन्नत तकनीकों का जबलपुर में उपलब्ध होना क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।कार्यक्रम के दौरान आगंतुकों ने अपनी समस्याएं और जिज्ञासाएं प्रश्नों के माध्यम से रखीं, जिनका संतोषजनक समाधान डॉ. बड़ेरिया द्वारा किया गया।

सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष सुभाष चंद्र ने कहा कि पूर्व में कई गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए नागपुर, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद अथवा दिल्ली जैसे महानगरों का रुख करना पड़ता था, लेकिन अब इन सुविधाओं के स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने से मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन से आग्रह किया कि सीजीएचएस लाभार्थियों के लिए एक विशेष काउंटर स्थापित किया जाए, जहां उन्हें पारदर्शी रूप से सभी सुविधाओं की जानकारी दी जा सके और प्रशिक्षित स्टाफ उनकी सहायता करे, जिससे किसी प्रकार की भ्रांति न हो।कार्यक्रम का सफल संचालन डायरेक्टर डॉ. सुनील मिश्रा ने किया। इस अवसर पर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष सुभाष चंद्र, सेक्रेटरी वी.एन. कमलाकर, पूर्व डीआईजी इंटेलिजेंस एस.के. चौबे, वरिष्ठ सदस्य एस.पी. दत्ता, एड. पिल्लई एवं डी.पी. श्रीवास्तव सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन डायरेक्टर डॉ. शोभित बड़ेरिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम ने स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ सीजीएचएस लाभार्थियों को स्थानीय स्तर पर बेहतर चिकित्सा सुविधाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वृद्ध मां के भरण-पोषण पर उठे सवाल!

मार्मिक मामले में अनुकंपा नियुक्ति की विसंगतिया उजागर

जबलपुर। पत्रकार वार्ता में एक मार्मिक मामला सामने आया, जिसने अनुकंपा नियुक्ति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया गया कि हाउसिंग बोर्ड सोसायटी में कार्यरत कर्मचारी के निधन के बाद वर्ष 2024 में उनके पुत्र दीपक कुमार पटेल को परिवार के सहारे के रूप में अनुकंपा नियुक्ति दी गई थी, क्योंकि पिता की मृत्यु के बाद घर की आर्थिक जिम्मेदारियों के साथ बहन की शादी का भार भी दीपक पर आ गया था, करीब एक वर्ष बाद दीपक का विवाह हुआ, लेकिन 08 अगस्त 2025 को दीपक की अचानक मृत्यु ने परिवार को दोबारा गहरे संकट में डाल दिया। पत्रकार वार्ता में शकुन बाई पटेल मां ने जानकारी दी कि पुत्र दीपक की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी मायके में जाकर रहने लगी हैं और अब मृतक की नौकरी पर अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है, जबकि घर में अकेली रह गई वृद्ध मां शकुन बाई पटेल के भरण-पोषण और देखभाल को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई है। सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया कि यदि अनुकंपा नियुक्ति का उद्देश्य मृतक कर्मचारी के आश्रित परिवार को सहारा देना है, तो फिर वृद्ध मां शकुन बाई पटेल की जिम्मेदारी कौन उठाएगा। कानूनी जानकारों ने भी वरिष्ठ नागरिक संरक्षण कानूनों का हवाला देते हुए कहा कि माता-पिता के भरण-पोषण को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता, आखिर अनुकंपा नियुक्ति का असली मकसद केवल नौकरी देना है या बुजुर्ग माता-पिता को सम्मानपूर्वक जीवन का सहारा सुनिश्चित करना ।

पीड़ित मानवता की सेवार्थ किया भंडारे का आयोजन

जबलपुर। मनीष बैरागी ने सुपर मार्केट में विशाल भंडारे का आयोजन कराया। मनीष भाई ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा ही सबसे महान सेवा होती है उसी के चलते सुबह से शाम तक हजारों की संख्या में लोगों ने भंडारा ग्रहण किया, जिसमें हमारे तमाम साथी मित्रगण मौजूद रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक दौलत प्रसाद बैरागी, मनीष बैरागी, अनिल टी स्टॉल फैमली, हीरालाल बैरागी दादा, अनिल बैरागी, मनीष बैरागी, गंगा बैरागी, दीपा बैरागी इत्यादि लोग मौजूद रहे।

शहर में बिना मान्यता के संचालित हो रहे प्ले स्कूल : एनएसयूआई

नौनिहालों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे स्कूल संचालक

एनएसयूआई ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, तत्काल कार्रवाई की मांग

जबलपुर। जिस उम्र में बच्चों को अच्छे रास्ते के लिए सही सीढ़ी दिखाई जाती है, उस उम्र में स्कूल संचालक मासूमों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। शहर में बिना मान्यता के संचालित हो रहे प्ले स्कूलों के खिलाफ एनएसयूआई ने आज मोर्चा खोल दिया। संगठन के पदाधिकारियों ने छात्रनेता अनुराग शुक्ला व शफी खान के नेतृत्व में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपकर 450 से अधिक अवैध प्ले स्कूलों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की।

एनएसयूआई छात्र नेता अनुराग शुक्ला व शफी खान ने कहा कि सूचना का अधिकार से खुलासा हुआ है कि जबलपुर में 600 से अधिक प्ले स्कूल चल रहे हैं, लेकिन शासन से मान्यता सिर्फ 146 स्कूलों को ही मिली है। शेष 450 स्कूल बिना किसी वैध अनुमति, फायर सेफ्टी और सुरक्षा मानकों के धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं। 1.5 से 5 साल तक के मासूम बच्चे इन स्कूलों में पढ़ते हैं, जहां राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि जिन 146 स्कूलों को मान्यता मिली है, उनमें भी कई एक ही संस्था के नाम से पोर्टल पर 6-6 बार पंजीकृत हैं। मान्यता शुल्क मात्र 2100 रुपए होने के बावजूद संचालक पंजीयन से बच रहे हैं, क्योंकि विभागीय कार्रवाई न होने से उनके हौसले बुलंद हैं।

अवैध फीस वसूली का भी आरोप

ज्ञापन में कहा गया कि अधिकांश निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों से एडमिशन फीस, एनुअल चार्ज और एक्टिविटी फीस के नाम पर मनमानी वसूली की जा रही हैं। शासन स्तर पर इनका कोई शुल्क निर्धारित नहीं है, फिर भी हजारों रुपए वसूले जा रहे हैं।

पूर्व में शासन द्वारा शिक्षा माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई थी, किंतु वर्तमान में कार्यवाही न होने से शिक्षा माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। एनएसयूआई ने मांग की है कि जिले के सभी प्ले स्कूलों का तत्काल भौतिक सत्यापन कराकर बिना मान्यता संचालित 450 स्कूलों को तुरंत बंद कर संचालकों पर 5000 रुपए जुर्माना लगाया जाए।

अवैध फीस वसूलने वाले स्कूलों से अभिभावकों को राशि वापस दिलाई जाए, मान्यता प्राप्त स्कूलों की सूची और शुल्क संरचना सार्वजनिक की जाए, फायर सेफ्टी, सीसीटीवी और प्रशिक्षित स्टाफ की जांच कर अमानक स्कूलों की मान्यता रद्द की जाए।

ज्ञापन सौंपते समय प्रदेश सचिव प्रतीक गौतम, अदनान अंसारी, अंकित शुक्ला, एजाज अंसारी, सैफ मंसूरी, अंकित कोरी, गौरव जायसवाल, युग ठाकुर, अनिकेत तिवारी, दक्ष रैकवार, वकार खान, रोहन राजपूत सहित सैकड़ों छात्र मौजूद थे।

न्यायालय नायब तहसीलदार
तहसील अधारताल, जिला जबलपुर
रा.प्र.क./0419/अ-6/2025-26
जबलपुर, दिनांक 13.5.26

आम इश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका - श्रीमती सरोज वैष्णव पति स्व. जगदीश वैष्णव निवासी- 2866/1, सरोज भवन, नया आदर्श कॉलोनी, ऑपोसिट विमल नर्सिंग होम, अमखेरा, जबलपुर म.प्र. द्वारा मौजा- बैतला, तहसील अधारताल जिला जबलपुर स्थित खसरा नं. 141/1/12/1/3/1/2, रकवा 924 वर्गफुट है। आवेदिका के पति स्व. जगदीश वैष्णव की मृत्यु दिनांक 27/01/2021 को हो चुकी है। स्व. जगदीश वैष्णव पिता स्व. रामदास वैष्णव की मृत्यु के उपरांत उनके विधिक वारसानों में पत्नि श्रीमति सरोज वैष्णव पति स्व. जगदीश वैष्णव (आवेदिका), पुत्र- जितेन्द्र वैष्णव, रविन्द्र कुमार वैष्णव दोनों के पिता स्व. जगदीश वैष्णव है। इनके अलावा अन्य कोई विधिक वारसान नहीं है। तत्संबंध में नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वो अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज पेशी दिनांक 27/05/2026 तक कार्यालय नायब तहसीलदार तहसील अधारताल महोदय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक-13.05.2026
पेशी दिनांक-27.05.2026
सील
नायब तहसीलदार
अधारताल जबलपुर

कृषि आदान विक्रेताओं की मांग पूरी, मोहन सरकार का बड़ा फैसला

मध्यप्रदेश में खाद टैगिंग पर सख्ती, जबरन बिक्री करने वाली कंपनियों पर होगी कार्रवाई

समस्त गैर अनुदानित उर्वरक की आपूर्ति और बिक्री आगामी आदेश तक प्रदेश में पूर्णतः प्रतिबंधित : वरवड़े

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश कृषि आदान विक्रेता संघ की लंबे समय से चल रही मांग को बड़ी सफलता मिली है। राज्य सरकार ने उर्वरक कंपनियों द्वारा अनुदानित खाद के साथ अन्य उत्पादों की जबरन टैगिंग किए जाने की प्रथा पर सख्त कदम उठाते हुए प्रदेश में इस व्यवस्था पर प्रभावी रोक लगा दी है। किसानों की शिकायत पर कृषि विभाग ने निर्देश दिए हैं कि अनुदानित खाद के साथ अन्य उत्पाद थोपने पर डीलरों/कंपनियों के खिलाफ एफआईआर और लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई होगी।

कृषि सचिव निशांत वरवड़े द्वारा जारी इस पत्र के अनुसार वर्तमान में अनुदानित यूरिया, डीएपी एवं काम्प्लेक्स उर्वरकों के साथ कंपनियों द्वारा उत्पादित अन्य उर्वरकों की टैगिंग की संभावना है, जिससे किसानों को अनुदानित उर्वरकों के साथ अन्य उर्वरक भी क्रय करने पड़ सकते हैं , जिससे आदान लागत में वृद्धि होगी। इस संबंध में किसानों द्वारा विभिन्न स्तरों पर शिकायतें दर्ज कराई गई है। इस संबंध में कृषि विभाग /मंत्रालय ने मध्य प्रदेश में अनुदानित यूरिया , डीएपी एवं काम्प्लेक्स उर्वरकों की आपूर्ति करने वाली कंपनियों को अनुदानित उर्वरकों की आपूर्ति के लिए दी गई अनुमति को छोड़कर उर्वरक विक्रय प्राधिकार (फार्म ए -2) में अंकित अन्य समस्त गैर अनुदानित उर्वरकों की आपूर्ति एवं विक्रय को आगामी आदेश तक प्रदेश में पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है।

अब राज्य में अनुदानित उर्वरकों के साथ गैर-अनुदानित उत्पादों की बिक्री नहीं होगी : रघुवंशी

प्रदेश सचिव संजय कुमार रघुवंशी (उज्जैन) ने जानकारी देते हुए बताया कि किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब राज्य में अनुदानित उर्वरकों के साथ गैर-अनुदानित उत्पादों की बिक्री नहीं की जा सकेगी। जारी निर्देशों के तहत यूरिया, डीएपी एवं अन्य फास्फेटिक उर्वरकों के साथ टैग किए जा रहे उत्पादों के संबंध में संबंधित कंपनियों के फार्म ए-2 में दर्ज गैर-अनुदानित उत्पादों की बिक्री पर आगामी आदेश तक रोक लगा दी गई है। अब कंपनियां केवल अधिकृत अनुदानित यूरिया, डीएपी एवं कॉम्प्लेक्स उर्वरकों की ही आपूर्ति एवं बिक्री कर सकेंगी।

सख्त निगरानी के निर्देश

विभाग के सचिव निशांत वरवड़े द्वारा जारी आदेश की प्रतियां राज्य के सभी कलेक्टर्स, संयुक्त संचालकों, उप संचालकों (किसान कल्याण एवं कृषि विकास), म.प्र. राज्य सहकारी विपणन संघ, मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक, एमपी एग्रो तथा प्रदेश में कार्यरत सभी उर्वरक कंपनियों को भेजी गई हैं, ताकि आदेश का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। संगठन पदाधिकारियों का कहना है कि इस निर्णय से प्रदेश के उर्वरक विक्रेताओं और किसानों दोनों को बड़ी राहत मिलेगी तथा टैगिंग जैसी विवादित व्यवस्था पर प्रभावी अंकुश लगेगा।

एग्रो इनपुट डीलर एसोसियेशन के प्रतिनिधिमंडल ने महानिदेशक सुरेश कुमार चौधरी से की भेंट

ऑल इंडिया एग्रो इनपुट डीलर एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महानिदेशक सुरेश कुमार चौधरी से सौजन्य मुलाकात कर उर्वरक व्यापार से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने डीलर मार्जिन, जबरन टैगिंग, रिटेलर गोदाम तक फोर सुविधा उपलब्ध कराने तथा कंपनियों द्वारा किए जा रहे भ्रामक प्रचार-प्रसार जैसे विषयों को प्रमुखता से उठाया। एसोसिएशन की ओर से आग्रह किया गया कि इन मुद्दों पर फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया केंद्र सरकार को पत्राचार करे तथा सदस्य उर्वरक उत्पादक कंपनियों को टैगिंग नहीं करने और रिटेलर स्तर तक फोर सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाएं। महानिदेशक सुरेश कुमार चौधरी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि इन सभी विषयों पर आगामी बोर्ड बैठक में विस्तृत चर्चा की जाएगी तथा उचित निर्णय लेकर संगठन को अवगत कराया जाएगा। इस प्रतिनिधिमंडल में संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्तासंजय कुमार रघुवंशी, अशोक मारु (निंबाहेड़ा) एवं प्रकाश जैन (बैतूल) विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पतंजलि की पहल से 216 पारंपरिक वैद्य सामने आए

चार जिलों में 1011 औषधीय पौधे खोजकर पतंजलि के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की टीम ने चौंकाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हरिद्वार

उत्तराखंड में अब तक 1300 औषधीय पौधों का रिकार्ड मिलता है। लेकिन अकेले पतंजलि ने जनजातीय क्षेत्रों के महज पांच जिलों में अध्ययन करके 1011 पौधों को खोज निकाला और अब इससे कहीं आगे बढ़कर उत्तराखंड के 13 जिलों में पतंजलि के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की टीम अन्य औषधीय पौधों की खोज में जुटी हुई है। जिसमें टीम को सकारात्मक परिणाम मिले हैं और यह उत्तराखंड में अब तक पाए गए 1300 औषधीय पौधों के रिकार्ड को भी पार कर सकती है।

यह पहली बार होगा कि पूरे उत्तराखंड में नई औषधीय पौधों की खोज को लेकर नई तस्वीर सामने आ सकती है। आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण के निर्देशन और उनकी मौजूदगी में उत्तराखंड के चार जिलों देहरादून, चमोली, पिथौरागढ़ और उद्यमसिंहनगर में टीम गांव-गांव तक पहुंची। जब टीम ने जनजातीय लोगों से जानकारी जुटाने शुरू की तो कई अहम बातें सामने आने लगी। लगा जैसे जड़ी-बूटियों का छिपा खजाना मिल गया हो। टीम पहाड़ों और तराई के गांवों में खूब चली। आंकड़े खुद कहानी बनते चले गए।

आचार्य की टीम 122 गांव, 14 तहसील तक गई। इन इलाकों में जाकर शोधकर्ताओं ने सीधे उन लोगों से बात की, जिनके पास पीढ़ियों से संचित चिकित्सा ज्ञान है। आश्चर्यजनिक रूप से पूरी कवायद में 216 जनजातीय वैद्यों की पहचान की गई और सभी अलग-अलग तरीके से इलाज करते थे। हर वैद्य अपने आप में एक 'ज्ञान का भंडार' निकला। इन वैद्यों से बातचीत के दौरान 238 औषधीय पौधों का वैज्ञानिक आधार पर दस्तावेजीकरण किया गया।

अमूमन हर बीमारी का जनजातीय लोग कर रहे थे इलाज

पतंजलि टीम के अध्ययन के दौरान देखने में आया कि जनजातीय लोग पेट दर्द, कोल्ड-कफ, कान-गला, बुखार, मधुमेह, घाव-चोट, दांत दर्द, डायरिया, मलेरिया-डेंगू, पाइल्स, उल्टी-दस्त, अस्थमा-मुंह के छाले, हड्डियों को जोड़ना, किडनी में पथरी, आंख सहित कई अन्य बीमारियों का उपचार कर रहे थे। इसमें सबसे अधिक उपचार जनजातीय क्षेत्रों के लोग ज्वॉइंट पेन और अर्थराइटिस में करते थे।

देश में पहली बार जनजातियों की जियो टैगिंग डेटा भी पतंजलि ने किया

पतंजलि की टीम को पांच जिलों में जहां जनजातियां रहती है, वहां उनकी जानकारी जुटाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। घुमंतू प्रवृति वाले जनजातियों का एक जगह बसेरा नहीं था। लिहाजा इनसे जानकारी हासिल करना आसान नहीं था। इसी कड़ी में आदिवासी और जनजातीय परिवारों की पतंजलि की टीम ने जियो टैगिंग की। जो अब तक भारत में कहीं भी किसी ने नहीं की है। सरकार भी 50 हजार जनजातीय परिवार की मौजूदगी की बात कहते आ रही थी। लेकिन पतंजलि ने ही बताया कि 28 हजार के करीब जनजातीय परिवार यहां रहता है। इसके अलावा, इन जनजातीय परिवारों को कृषि, व्यवसाय, नौकरी-पेशा से जोड़ने का प्लेटफार्म भी पतंजलि ने ही उपलब्ध कराया।

अमेजन नाउ ऑपरेशंस के लिए 1,000 इलेक्ट्रिक ट्रक तैनात

नई दिल्ली। अमेजन इंडिया ने देश में अमेजन नाउ के ऑपरेशंस को सपोर्ट करने के लिए लगभग 1,000 इलेक्ट्रिक तैनात करने की घोषणा की। ये ट्रक वीई कमर्शियल वैहिकल्स के बिजनेस डिवीजन, आयशर ट्रक्स एंड बसेज के सहयोग से बनाए जाएंगे। यह ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स के क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी समर्पित इलेक्ट्रिक फ्लीट्स में से एक होगी, जो ज्यादा सस्टेनेबल ट्रांसपोर्टेशन नेटवर्क स्थापित करने के अमेजन के प्रयासों को मजबूत बनाएगी। इस सहयोग के अंतर्गत वीईसीवी ने आयशर प्रो-एक्स स्मॉल ट्रक का विकास किया है। यह एक कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक ट्रक है,जो हाई-फ्रीक्वेंसी, इंट्रा-सिटी ऑपरेशंस के लिए बनाया गया है। ये ट्रक शहर के बाहर मौजूद अमेजन के फुलफिलमेंट हब से ग्राहकों के करीब स्थित अमेजन नाउ माईक्रो फुलफिलमेंट सेंटर्स के बीच ट्रांसपोर्टेशन संभव बनाएंगे। अमेजन द्वारा इस तरह के 50 ट्रकों का इस्तेमाल पहले से ही किया जा रहा है और साल 2028 के अंत तक 1,000 से अधिक इलेक्ट्रिक ट्रक तैनात किए जाने की योजना है।

सरसों-सोयाबीन सहित अन्य तेलों में 5 से 6 रुपए किलो की तेजी

बिगड़ा रसोई का बजटः 'तेल' पर महंगाई की मार अब जमाखोरी और कृत्रिम कमी की आशंका जताई

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

घरेलू बाजार में खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतों ने एक बार फिर आम लोगों की रसोई का बजट बिगाड़ना शुरू कर दिया है। एक मई से अभी तक सरसों, सोयाबीन, मूंगफली आदि तेल के दामों में 5 से 6 रुपए प्रति किलो की तेजी दर्ज हुई। बाजार जानकारों के अनुसार हाल ही में पेट्रोल- डीजल के दाम में हुई मूल्यवृद्धि का असर दो-चार दिन दिखेगा। खाद्य तेलों के भाव में 5 से 6 रुपए प्रति किलो की और तेजी दर्ज होगी, तो खाद्य तेल का भविष्य आगे तेजी सूचक का ही है।

बाजार जानकार और तेल ब्रोकर रमाकांत तिवारी के अनुसार खाद्य तेलों की कीमतों में तेजी के पीछे अंतरराष्ट्रीय कारणों से ज्यादा घरेलू और तकनीकी वजहें जिम्मेदार होने के साथ ईंधन के दाम में मूल्य वृद्धि है। सबसे बड़ा कारण रुपए की कमजोरी को माना जा रहा है। इससे खाद्य तेलों का आयात महंगा हो गया है और इसका सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ा है। तेल व्यापारियों के अनुसार केंद्र सरकार द्वारा आयात शुल्क में किए गए हालिया बदलावों ने भी कीमतों को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। कच्चे पाम तेल और सोयाबीन डीगम तेल पर आयात शुल्क मूल्य बढ़ने से इंपोर्ट कॉस्ट में इजाफा हुआ है, जिसके चलते बाजार दरों में तेजी आई है। स्थानीय बाजार में भी तेलों को मजबूत समर्थन मिला है।

तेलों की कीमतें सरकार की आयात नीति पर निर्भर

बताया जा रहा है कि मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में सोयाबीन प्रोसेसिंग प्लांट्स ने खरीदी दरें बढ़ा दी हैं, जिससे सरसों और सोयाबीन तेल की कीमतों में मजबूती बनी हुई है। सरसों तेल अभी भी अपेकृत किफायती माना जा रहा है, इसलिए इसकी मांग लगातार बनी हुई है। वहीं, मूंगफली तेल के दामों में हल्की नरमी दर्ज की गई है। इसका मुख्य कारण गुजरात में नई फसल की आवक को बताया जा रहा है, जिससे बाजार में सप्लाई बढ़ी है। विशेषज्ञों ने सूरजमुखी की घटती खेती पर चिंता जताई है। कभी बड़े पैमाने पर उगाई जाने वाली सूरजमुखी की खेती अब लगभग समाप्ति की ओर है। फिलहाल खाद्य तेल बाजार में जारी तेजी ने उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है। आने वाले दिनों में खाद्य तेलों की कीमतें काफी हद तक रुपए की स्थिति और सरकार की आयात नीति पर निर्भर रहेंगी।

एक नजर खाद्य तेल के थोक दाम पर

- सोयाबीन 160 लीटर एवं 2620 से 2720 रुपए जार (13 से 15 किलो)
- मूंगफली 200 रुपए किलो एवं 2700 से 3000 रुपए जार (13 से 15 किलो)
- सरसो 180 से 185 रुपए लीटर एवं 2700 रुपए जार (15 किलो)
- राइसब्रान 170 रुपए लीटर एवं 2550 से 2650 रुपए जार (13 किलो)

जमाखोरी रोकने उठी स्टॉक लिमिट की मांग

खाद्य तेलों में महंगाईवार शुरू होने रसोई का बजट बिगड़ता जा रहा है। बढ़ती महंगाई के बीच अब बाजार में जमाखोरी और कृत्रिम कमी की आशंका जताई जा रही है। इसके पूर्व सरकार से खाद्य तेलों पर स्टॉक लिमिट लागू करने की मांग तेज हो गई है। व्यापारिक और उपभोक्ता संगठनों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी, आयात लागत में बढ़ोतरी और घरेलू बाजार में सीमित आपूर्ति के कारण तेल कीमतों पर दबाव बना हुआ है। वहीं कुछ बड़े स्टॉकिस्ट और कारोबारी ऊंचे दाम की उम्मीद में भंडारण बढ़ा रहे हैं, जिससे खुले बाजार में आपूर्ति प्रभावित हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले महीनों में खाद्य तेलों की कीमतें और बढ़ सकती हैं। इसी को देखते हुए उपभोक्ता संगठनों और कई राज्यों के व्यापारिक प्रतिनिधियों ने केंद्र सरकार से आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत खाद्य तेलों पर स्टॉक सीमा तय करने की मांग की है। बाजार सूत्रों का कहना है कि सरकार फिलहाल खाद्य तेलों की उपलब्धता और कीमतों की लगातार समीक्षा कर रही है। यदि जमाखोरी या कृत्रिम संकट के संकेत मिलते हैं तो स्टॉक लिमिट लागू करने सहित अन्य सख्त कदम उठाए जा सकते हैं।

सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन

भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में मजबूत स्थिति बनाने की दिशा में अग्रसरः आडवाणी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के पश्चिमी क्षेत्र के अध्यक्ष एवं ब्लू स्टार लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वीर एस आडवाणी ने कहा है कि भारत के पास विश्वसनीय और लचीली वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में नेतृत्व करने का महत्वपूर्ण अवसर है। सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन के दौरान भू-रणनीति, आपूर्ति श्रृंखलाएं और रणनीतिक लचीलापन विषय पर आयोजित सत्र में बोलते हुए उन्होंने कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं तेजी से बदल रही हैं और अब केवल लागत व दक्षता ही नहीं, बल्कि विश्वसनीयता, लचीलापन, नवाचार और गति भी प्रमुख कारक बन गए हैं।

उन्होंने कहा कि कंपनियां अब मजबूत और भरोसेमंद सोर्सिंग नेटवर्क, तकनीक के एकीकरण और उत्पादन में तेजी को प्राथमिकता दे रही हैं। आडवाणी ने कहाकि आपूर्ति श्रृंखलाओं को पूरी तरह से नया रूप दिया जा रहा है। अब लागत के साथ-साथ विश्वसनीयता और लचीलापन भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है। हमें गुणवत्ता, नवाचार और गति पर ध्यान देना होगा, जिसका अर्थ है स्वदेशीकरण को बढ़ावा देना। उन्होंने आगे कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक वैश्विक विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला प्रणालियों को तेजी से बदल रही हैं, जिससे भारत के लिए एक मजबूत वैश्विक विनिर्माण और आपूर्ति साझेदार बनने के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। वीर एस. आडवाणी और भारतीय उद्योग जगत का मानना है कि भारत को अब केवल लागत-प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि गुणवत्ता, नवाचार और डिलीवरी की गति पर भी विशेष जोर देना होगा।

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

सिंह कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।

तुला लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय

वृश्चिक संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेंगे।

धनु स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन-पाठन में रुचि

मीन किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बनने का गौरव हासिल किया

एयरटेल बनी देश की दूसरी सबसे वैल्यूएबल कंपनी, एचडीएफसी बैंक को छोड़ा पीछे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दूरसंचार क्षेत्र की दिग्गज कंपनी भारती एयरटेल ने मार्केट कैपिटलाइजेशन के मामले में एचडीएफसी बैंक को पीछे छोड़ते हुए देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बनने का गौरव हासिल किया। कारोबार के दौरान एयरटेल के शेयरों में करीब 2 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई, जिससे उसका शेयर भाव बढ़कर 1,953.80 रुपए तक पहुंच गया। इस तेजी के साथ

एयरटेल का कुल मार्केट कैप बढ़कर लगभग 12 लाख करोड़ रुपएपर पहुंच गया, जबकि उसी समय एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप घटकर करीब 11.8 लाख करोड़ रुपए रह गया था। हालांकि बाजार बंद होने तक एयरटेल के शेयर में कुछ मुनाफावसूली देखने को मिली और यह 1.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,937 रुपये पर बंद हुआ। क्लोजिंग के समय कंपनी का मार्केट कैप घटकर 11.6 लाख करोड़ रुपए रह गया।

दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक का शेयर 0.17 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 1,768.80 रुपए पर बंद हुआ। बाजार बंद होने तक बैंक का मार्केट कैप बढ़कर 11.84 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जिससे वह फिर से एयरटेल से आगे निकल गया। पिछले एक सप्ताह के दौरान भारती एयरटेल के शेयरों में करीब 10 प्रतिशत की मजबूत बढ़त दर्ज की गई है, जबकि इसी अवधि में एचडीएफसी बैंक के शेयरों में केवल 1 प्रतिशत का उछाल देखने को मिला। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार एयरटेल के मजबूत कारोबारी प्रदर्शन और दूरसंचार क्षेत्र में बढ़ती आय संभावनाओं के कारण निवेशकों का रुझान कंपनी की ओर बढ़ा है

ऑक्सिलो ने घरेलू शिक्षा ऋण सेवाओं का किया विस्तार

नई दिल्ली। ऑक्सिलो फिनसर्व ने घरेलू शिक्षा ऋण व्यवसाय इंडिया-एड का विस्तार करते हुए एक नई सुविधा शुरू की है। इसके तहत अब देशभर के पंजीकृत स्कूलों और कॉलेजों को सीधे फीस भुगतान की सुविधा प्रदान की जाएगी। यह कार्यक्रम स्कूली शिक्षासे लेकर स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के इंजीनियरिंग, मेडिकल व मैनेजमेंट जैसे सभी प्रमुख पाठ्यक्रमों को कवर करता है। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया है कि ऋण की पूरी प्रक्रिया डिजिटल होगी और लोन की स्वीकृति मिलने के मात्र 48 घंटों के भीतर राशि सीधे संबंधित शैक्षणिक संस्थान के खाते में ट्रांसफर कर दी जाएगी। अनुसंधान रिपोर्टों के अनुसार, भारत में शिक्षा की लागत प्रतिवर्ष अनुमानित 10-12 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है।

शब्द पहेली - 6230

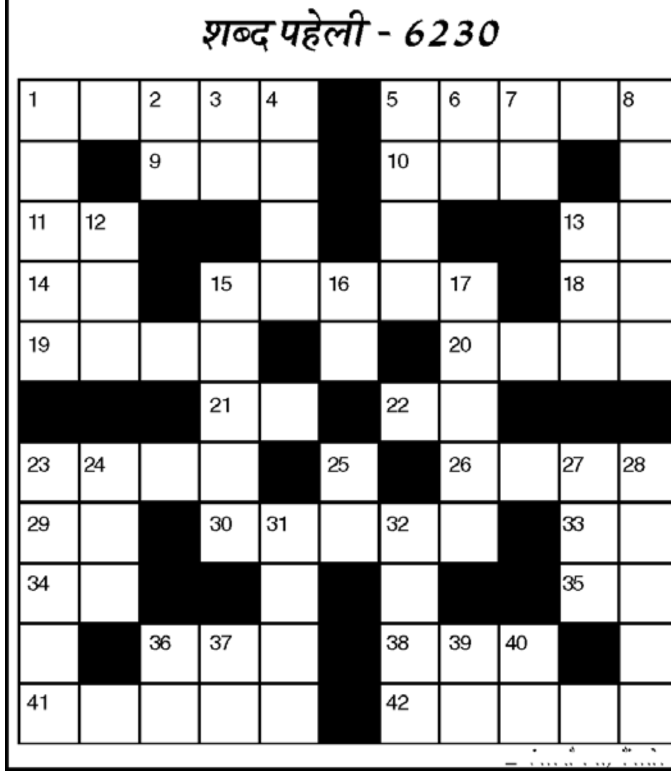

बाएँ से दाएँ
1.यश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्वा-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-4
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2
36.फूलों का रस,अर्क-3
38.तरंग, हिलोर-3
41.जरुरतमंद-5
42.सेंधमार-5

ऊपर से नीचे
1.नामकरण-5
2.टैक्स,हाथ-2
3.महीना, मास-2
4.नामवर, प्रसिद्ध-4
5.संधि, सामंजस्य-4
6.सरुर, नशा-2
7.झंकार-2
8.रमण योग्य-5
12.तगारी, नांद-3
13.सुअर-3
15.अभिमान मर्दित होना -2,3
16.समाप्त-2
17.नेकनीयत-5
23.हनुमान-3,2
24.मुलायम-3
25.उम्मीद, आशा-2
27.बहादुरी-3
28.शिव, रविलोचन-2,3
31.नामचीन-4
32.सुसंचालन-4
36.चेहरे का तेज, दर्प-2
37.रिश्तेदार-2
39.अधिकार-2
40.ईश्वर, भगवान-2

शब्द पहेली- 6229 का हल

सा	ल		ब	ला		य	म		श	र
या		क	ल		जो	श		जा	य	ज
	कै	द		श	र		का	न	न	
न	दी		खे	मा		का	त	ना		जा
म		जा	ल		का	य	र		ता	ल
	मा	न		र	म	ल		का	ला	
का	या		बी	न	ना		रा	म		सी
र		क	ह	र		शो	र		बा	धा
	की	च	ड़		सा	ला		री	त	
क	म	रा		ख	र		सी	ता		द
म	त		जी	त		मा	मा		दा	म

सूडोकु नवताल 6240

★★★☆☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

MANDAL SEMACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 6239 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

हरिभूमि
सहेली

आज के दौर में महिलाएं हर क्षेत्र में अपने आपको साबित कर रही हैं, अपनी पहचान बना रही हैं। लेकिन अभी भी कुछ ऐसे डर हैं, जो उन्हें आगे बढ़ने से रोकते हैं, उनके मानसिक स्वास्थ्य, करियर और व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करते हैं। यह एक चिंताजनक स्थिति है। महिलाएं किसी प्रकार के डर को कैसे काबू में रखें, इनसे कैसे उबरें, जानिए।

डर के आगे जीत है
महिलाएं अपने डर पर कैसे पाएं काबू

कवर स्टोरी
ललिता गोयल

एक महिला के रूप में हम जानते और समझते हैं कि तब कैसा महसूस होता है, जब आपकी हथेलियां पसीने से भीग जाती हैं, आपका दिल तेजी से धड़कने लगता है, एक डर महसूस करती हैं और तब आप बस यही सोचती हैं कि इससे कैसे बचा जाए? वहां से भाग लिया जाए या रुक कर स्थिति से लड़ा जाए? कुछ ऐसे डर जो महिलाओं को पीछे हटने और खुद को एक दायरे में सीमित कर लेने के लिए मजबूर करते हैं, इनको समझना जरूरी है।

अपने डर को पहचानें

महिलाएं प्रायः जिन डरों से घिरती हैं, इनसे छुटकारा पाने के तरीकों को जानने से पहले यह जानना-पहचानना जरूरी है कि कौन से डर हैं, जिनका अधिकांश महिलाएं अपने जीवन में सामना करती हैं।

अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का डर: यह वह स्थिति होती है, जब महिलाएं कुछ नया करने से डरती हैं, क्योंकि उन्हें असफलता का भय होता है, उन्हें लगता है कि अगर वे असफल हो गईं तो घर-परिवार के सदस्य उनका मजाक बनाएंगे। इसलिए वे कंफर्ट जोन में बनी रहती हैं, अपने विकास के रास्ते बंद कर लेती हैं।

अस्वीकृति का भय: यह वह स्थिति होती है, जब महिलाओं को लगता है कि वे जो करना चाहती हैं, उसके लिए उन्हें परिवार से स्वीकृति नहीं मिलेगी। इस 'नहीं' को सुनने के डर से वे कुछ भी करने से पीछे हट जाती हैं। महिलाएं सफलता पाने की तुलना में अस्वीकृति की संभावना को लेकर अधिक चिंतित रहती हैं।

गलत साबित होने का डर: यह वह स्थिति है, जब आत्मविश्वास की कमी के कारण महिलाएं खुद को अनभिज्ञ या अज्ञानी नहीं दिखाना चाहतीं और वे शिक्षित, अनुभवी होने के बावजूद खुद पर भरोसा करने से इनकार कर देती हैं, अपनी राय व्यक्त करने या अपने ज्ञान और अनुभव को शेयर करने से इनकार कर देती हैं।

उपहास उड़ाए जाने का डर: यह वह स्थिति है, जब आप इस बात से डरती हैं कि लोग आपके बारे में क्या कहेंगे, उपहास उड़ाएंगे, मूर्ख कहेंगे, आपको समाज द्वारा जज किए जाने का डर होता है। यह डर महिलाओं को अपनी बात खुलकर रखने से रोकता है। भले ही वे जानती हैं कि वे सही हैं।

शारीरिक इमेज का डर: कुछ महिलाएं अपनी शारीरिक बनावट को लेकर भी असुरक्षित महसूस करती हैं। कुछ को हीनता का बोध भी हो सकता है। उनके लिए डर का सामना करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

डर से कैसे उबरें

सवाल यह है महिलाएं किसी प्रकार के डर से कैसे उबरें? यहां बता रहे हैं ऐसे कुछ आसान तरीके, जो रोजमर्रा के डर और घबराहट से लड़ने में मदद करेंगे।

सपोर्ट सिस्टम बनाएं: ऐसे दोस्तों या परिवार के सदस्यों का नेटवर्क रखें, जिन पर आप भरोसा कर सकें। इससे डर कम होता है। अपने डर के बारे में किसी दोस्त, परिवार वाले या हेल्पलाइन से बात करें। अपनी बात शेयर करने से मन का बोझ हल्का होता है और डर छोटा लगने लगता है।

खुद से पूछें: खुद से पूछिए सबसे बुरा क्या हो सकता है? जब आप सबसे बुरी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हो जाती हैं, तो डर छोटा लगने लगता है।

आत्म-विश्वास और मानसिक मजबूती बढ़ाएं: जब भी डर लगे, अपनी पिछली सफलताओं और उपलब्धियों को याद करें। इससे आपको याद आएगा कि आप चुनौतियों से निपटने में सक्षम हैं।

थोड़ा ब्रेक लें: जब आप डरी हुए होती हैं, तो साफ-साफ सोचना मुश्किल होता है। ऐसे में खुद को शांत करने के लिए थोड़ा समय निकालें। 15 मिनट के लिए उस जगह से हट जाएं, कहीं टहलने चली जाएं, चाय पिएं या कोई मजेदार वीडियो देखें।

गहरी सांस से दूर होगी घबराहट: अगर डर की वजह से अचानक आपके दिल की धड़कन तेज हो जाए या आपकी हथेलियों में पसीना आने लगे, तो एक पल वहीं रुकें और उस अहसास को महसूस करें। पेट पर हाथ रखें और गहरी सांस लें। इससे आपका दिमाग घबराहट को झेलने को तैयार हो जाएगा।

कंफर्ट जोन से बाहर निकलें: जिस चीज से डर लगता है, उसका थोड़ा-थोड़ा सामना करें। अगर बोलने से डर लगता है, तो छोटे ग्रुप्स में बोलना शुरू करें। यह एक्सपोजर थैरेपी की तरह काम करता है।

डर का सामना करें: डर से दूर भागने से वह और बढ़ता है। धीरे-धीरे उस चीज के संपर्क में आएं, जिससे आप डरती हैं। जैसे अगर आपको लिफ्ट या एस्केलेटर में जाने से डर लगता है, तो बार-बार इसे यूज करें। धीरे-धीरे आपका डर कम होने लगेगा।

शारीरिक लक्षणों को समझें: घबराहट में तेज धड़कन या सांस फूलना सामान्य है। यह शरीर का खुद को तैयार करने का एक तरीका है। यह समझें कि ये लक्षण खतरनाक नहीं हैं और थोड़ी देर में ठीक हो जाएंगे।

नेगेटिव सोच से दूरी: अपने आपसे तर्कपूर्ण सवाल पूछें। जैसे क्या वाकई लिफ्ट गिर जाएगी? या क्या सच में यहां कोई खतरा है? हकीकत को जानकर आप डर को कम कर सकती हैं।

परफेक्ट बनने की कोशिश न करें: यह सोचना छोड़ दें कि आपको हमेशा शांत रहना चाहिए या जिंदगी हमेशा अच्छी होनी चाहिए। जिंदगी थोड़ी उथल-पुथल भरी हो सकती है और यह बिल्कुल सामान्य है। खुद के साथ ज्यादा सख्ती न बरतें। एक अच्छी जगह की कल्पना करें। अपनी आंखें बंद करें और किसी ऐसी जगह या याद के बारे में सोचें, जहां आप सुरक्षित और खुश महसूस करती हैं, जैसे कोई समुद्र तट या बचपन की कोई खुशनुमा याद। लोग क्या कहेंगे की परवाह न करें। अपने विचारों को स्पष्टता से व्यक्त करें और निर्णय लेने में निडर बनें। लोग क्या कहेंगे की परवाह किए बिना अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें और छोटे-छोटे कदम उठाकर नए प्रयोग करें।

अपनी सेहत का ख्याल रखें: अच्छा खाना खाएं और एक्टिव रहें। शराब या नशीली चीजों से दूर रहें, क्योंकि ये घबराहट को और ज्यादा बढ़ा देती हैं। अच्छी नींद और सेहतमंद जीवनशैली मन को मजबूत बनाती है।

खुद को शाबाशी दें: जब भी आप अपने डर के बावजूद कुछ हासिल करें, तो खुद को कोई छोटा-सा तोहफा दें। जैसे- अपनी पसंद का खाना खाएं, कोई किताब खरीदें या कोई फिल्म देखें।

जरूरी सलाह: अगर आपका डर आपकी रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत ज्यादा रुकावट डाल रहा है, तो डॉक्टर या विशेषज्ञ से सलाह लेने में संकोच न करें। a

(लाइफ कोच डॉ. सुजाता से बातचीत पर आधारित)

जीवनसाथी से ऐसे बनाए रखें प्यार

दांपत्य जीवन में मिठास बनी रहे, इसके लिए जरूरी है पति-पत्नी के बीच हमेशा संवाद बना रहे। संवाद की निरंतरता दंपति को आपस में जोड़े रखती है, इससे रिश्ते गहरे बने रहते हैं। दांपत्य जीवन में हमेशा प्यार कैसे बना रहे, जानिए।

दांपत्य
स्नेहा सिंह

हम अकसर घर से ऑफिस के लिए निकलते समय अपने जीवनसाथी से बस यही कहते हैं, 'आने में देर हो जाएगी।', 'फोन करके परेशान मत करना।' या जीवनसाथी के कोई बात पूछने पर चिढ़ कर बोल देते हैं, 'बाद में बात करते हैं।' लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि घर से निकलते समय ऐसा रूखा व्यवहार जीवन साथी को कितना कचोटता होगा? आखिर हम घर से निकलते समय अपने जीवन साथी से प्यार के दो बोल क्यों नहीं बोल सकते, क्यों नहीं एक मुस्कराहट के साथ अपनी विदाई ले सकते हैं? दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहे, इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है-

रिश्तों में हों मीठे संवाद: पति-पत्नी का रिश्ता केवल साथ रहने का नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव का रिश्ता भी होता है। इस रिश्ते की नींव मीठे संवाद पर टिकी होती है। जब दो लोग अपने मन की बातें खुलकर मधुरता के साथ करते हैं, एक-दूसरे की परेशानियां और छोटे-छोटे अनुभव साझा करते हैं, तब संबंध गहरे होते जाते हैं। लेकिन आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में दांपत्य जीवन में संवाद कम होता जा रहा है। लोग घंटों मोबाइल के साथ तो बिताते है, पर जीवनसाथी के साथ कुछ पल बैठकर बात नहीं करते। इसके अभाव में धीरे-धीरे दांपत्य रिश्तों में दूरी आ जाती है। कई बार पति-पत्नी एक ही घर में रहते हुए भी मानसिक रूप से बहुत दूर हो जाते हैं। वे केवल जिम्मेदारियां निभाते हैं, लेकिन भावनाओं को व्यक्त नहीं करते। ऐसे में रिश्ते बोझ लगने लगते हैं।

छोटी-छोटी बातें भी रखती हैं मायने: रिश्तों को मजबूत बनाए रखने के लिए हमेशा बड़े अवसरों या महंगे उपहारों की जरूरत नहीं होती। कभी-कभी छोटी-छोटी बातें भी बहुत बड़ा असर छोड़ जाती हैं। सुबह घर से निकलते समय एक प्यारी सी मुस्कान, 'अपना ध्यान रखना' जैसा वाक्य या अचानक किया गया एक फोन कॉल या फिर शाम को साथ बैठकर एक कप चाय पी लेना, ये सब बातें रिश्तों में गर्माहट बनाए रखती हैं।

नाराजगी को कभी लंबा न खींचें: रिश्तों में मतभेद होना स्वाभाविक है। पति-पत्नी के बीच बहस, गुस्सा और शिकायतें पैदा होती रहती हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब लोग अहं में आकर बात करना बंद कर देते हैं। कई बार लोग लंबी चुप्पी साधे रहते हैं। कोई बातचीत के लिए पहल नहीं करना चाहता। दोनों अपने-अपने दिल में शिकायतें जमा किए रहते हैं। झगड़े के बाद भी लंबे समय तक चुप्पी सही नहीं है। जल्दी संवाद शुरू हो जाना चाहिए।

समय देना सबसे बड़ा उपहार: आज लोग अपने करियर, सोशल मीडिया और बाहरी दुनिया में बिजी रहते हैं, रिश्तों के लिए समय ही नहीं निकालते। लेकिन सच्चाई यह है कि किसी भी रिश्ते को जीवित रखने के लिए समय देना बहुत जरूरी है। जीवनसाथी को केवल आर्थिक सुविधाएं ही नहीं चाहिए होतीं, भावनात्मक साथ भी चाहिए होता है। कभी साथ टहलना, साथ खाना, बिना मोबाइल के बैठकर बातें करना, ये सब रिश्तों को जीवंत बनाए रखते हैं। यदि हम अपने सबसे करीबी व्यक्ति के लिए समय नहीं निकाल पा रहे हैं, तो यह हमारे रिश्ते के लिए खतरे की घंटी है।

सीखें प्रेम को व्यक्त करना: बहुत से लोग अपने मन की भावनाएं व्यक्त नहीं कर पाते। वे प्रेम करते हैं, लेकिन जताते नहीं, जबकि रिश्तों में भावनाओं का खुलकर व्यक्त करना बहुत जरूरी है। कभी-कभी जीवनसाथी की तारीफ करना, उसकी मेहनत को सराहना या बस यह कहना कि 'तुम मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण हो।' रिश्तों में नई ऊर्जा भर देता है। जीवन अनिश्चित है। हमें नहीं पता अगला पल कैसा होगा। इसलिए अपने जीवन साथी को यह अहसास कराते रहना चाहिए कि वे हमारे लिए कितने खास हैं। रिश्ते केवल साथ रहने से नहीं प्रेम, सम्मान, संवाद और समय देने से गहरे होते हैं। a

हेयर स्टाइल
नैंसी गुप्ता

बहुत ईजी हैं ये हेयर स्टाइल
कम समय में पाएं परफेक्ट लुक

गर्मी के मौसम में बालों को संभालना आसान नहीं होता है। पसीना, धूल और उमस के कारण बाल चिपचिपे हो जाते हैं और उन्हें स्टाइल करना मुश्किल लगने लगता है। खासकर जब समय कम हो, तब जल्दी और आसान हेयर स्टाइल की जरूरत और भी बढ़ जाती है। ऐसे में कुछ स्मार्ट-सिंपल हेयर स्टाइल्स अपनाकर आप कम समय में भी परफेक्ट लुक पा सकती हैं।

सिंपल लो पोनीटेल: अगर आपके पास समय कम है, तो यह लो पोनीटेल सबसे आसानी से बनने वाला क्लासी हेयर स्टाइल है। इसे बनाने में कुछ मिनट लगते हैं और यह आपको एक साफ-सुथरा लुक देता है। आप इसमें हल्का सा ट्विस्ट या पफ जोड़कर अपने ओवरऑल लुक को और स्टाइलिश बना सकती हैं।

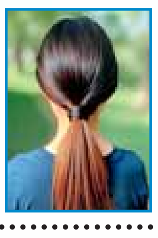

साइड ब्रेड हेयर स्टाइल: अगर आप कुछ अलग हेयर स्टाइल ट्राय करना चाहती हैं, तो साइड ब्रेड एक अच्छा विकल्प है। इसे बनाना आसान है और यह आपके लुक में एलिगेंस जोड़ता है। गर्मियों में यह बालों को उलझने से भी बचाता है।

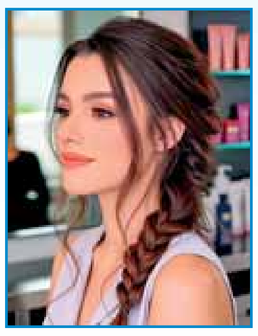

हाफ पोनीटेल: हाफ पोनीटेल, उन महिलाओं के लिए बेहतरीन है, जो बालों को पूरी तरह बांधना नहीं चाहती हैं। इसमें आधे बालों को बांधकर बाकी को खुला रखा जाता है। खास बात यह है कि यह हेयर स्टाइल कुछ ही मिनटों में तैयार हो जाता है और आपको फ्रेश लुक देता है।

क्लॉ क्लिप स्टाइल: बालों में क्लॉ क्लिप का इस्तेमाल आजकल काफी ट्रेंड में है। बालों को ट्विस्ट करके क्लॉ क्लिप से सेट करना एक मिनट का काम है और यह आपको स्टाइलिश लुक देता है। यह खासकर ऑफिस ड्रेसअप के साथ या कैजुअल आउटिंग के लिए परफेक्ट लगता है।

स्कार्फ के साथ फंकी स्टाइल: गर्मियों में स्कार्फ का इस्तेमाल स्टाइल बढ़ाने के लिए भी किया जा सकता है। आप पोनीटेल या बन के साथ स्कार्फ जोड़कर अपने लुक को और आकर्षक बना सकती हैं।

मैसी बन: मैसी बन, गर्मियों के लिए परफेक्ट हेयर स्टाइल माना जाता है। इसे बनाने में ज्यादा मेहनत नहीं लगती और यह देखने में भी काफी ट्रेंडी लगता है। यह स्टाइल बालों को गर्दन से दूर रखता है, जिससे आपको गर्मी में राहत मिलती है।

ब्रेडेड बन: अगर आप थोड़ा स्टाइलिश और फॉर्मल लुक चाहती हैं, तो ब्रेडेड बन ट्राय कर सकती हैं। इसमें पहले चोटी बनाकर उसे जूड़े में बदल दिया जाता है। यह स्टाइल लंबे समय तक टिकता है। a

प्रिकॉशन
निकिता चौहान

वैसे तो हर मौसम में फिजिकल हाइजीन के प्रति अवेयर रहना जरूरी है। लेकिन समर सीजन में इसके प्रति और भी अवेयर रहना चाहिए। इस सीजन में कैसे रखें हाइजीन का ध्यान, जानिए।

समर सीजन में ऐसे रखें हाइजीन का ध्यान

गर्मी का मौसम अपने साथ कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं लेकर आता है, खासकर महिलाओं के लिए। अधिक तापमान, पसीना, नमी और बैक्टीरिया की वृद्धि के कारण त्वचा और निजी स्वच्छता से जुड़ी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में अपनी दैनिक दिनचर्या में कुछ जरूरी बदलाव करके समर हाइजीन का विशेष ध्यान रखना चाहिए, ताकि आप स्वस्थ-सुरक्षित रह सकें।

करें प्रॉपर क्लीनिंग: गर्मी के मौसम में पसीना आने से सभी परेशान रहते हैं। इससे शरीर के संवेदनशील हिस्सों (इंटरनल ज्वाइंट्स और हमेशा कवर्ड रहने वाले एरिया) में बैक्टीरिया और फंगल इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए दिन में एक या दो बार स्नान करना जरूरी हो जाता है। खासकर जननांग क्षेत्र (इंटिमेट एरिया) की सफाई का विशेष ध्यान रखें। इस क्षेत्र को साफ और सूखा रखना बहुत जरूरी है। अत्यधिक केमिकल वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से बचें और माइल्ड, पीएच-बैलेंस्ड क्लीनर का उपयोग करें।

कॉटन फैब्रिक ड्रेसेस: सही ड्रेस का चयन भी समर हाइजीन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गर्मी में कॉटन फैब्रिक वाले लूज ड्रेसेस पहनना बेहतर होता है, क्योंकि ये स्किन को सांस लेने देते हैं और पसीने को सोख लेते हैं। सिंथेटिक फैब्रिक वाले टाइट ड्रेसेस पहनने से पसीना जमा होता है, जिससे खुजली, रैशेज और संक्रमण हो सकता है।

पीरियड्स टाइम हाइजीन: इस मौसम में पीरियड्स के दौरान स्वच्छता का ध्यान रखना और भी जरूरी हो जाता है। सेनेटरी पैड्स या टैंपोन को हर 4-6 घंटे में बदलना चाहिए। मेंस्ट्रुअल कप का उपयोग भी सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प हो सकता है, बशर्ते उसकी सही तरीके से सफाई की जाए।

हाइड्रेशन-डाइट: शरीर की आंतरिक सफाई के लिए हाइड्रेशन और डाइट भी काफी महत्वपूर्ण है। अधिक पानी पीना शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है और स्किन को हेल्दी बनाए रखता है। इसके लिए नारियल पानी, छाछ और ताजे फलों का सेवन करें। तला-भुना और अत्यधिक मसालेदार भोजन कम खाएं, क्योंकि यह शरीर में गर्मी बढ़ा सकता है।

यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन: गर्मी के मौसम में ध्यान ना देने पर महिलाओं में यूटीआई का होना भी कॉमन समस्या है। इसे रोकने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, यूरिन को लंबे समय तक रोककर न रखें और टॉयलेट जाने के बाद सफाई का सही तरीका अपनाएं। यदि जलन, दर्द या बार-बार यूरिन आने जैसी समस्या हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

फंगल इंफेक्शन: पसीने के कारण फंगल इंफेक्शन, घमौरियां और एलर्जी हो सकती हैं। जिन अंगों के आस-पास पसीना ज्यादा होता है, उस जगह को सूखा रखें और जरूरत पड़ने पर एंटी-फंगल पावडर या क्रीम का इस्तेमाल करें। बिना डॉक्टर की सलाह के कोई भी दवा न लें।

समर सीजन हाइजीन प्रिकॉशंस को नजरअंदाज करने से आगे चलकर कई समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए यहां बताई गई स्वच्छता आदतों को जरूर अपनाएं। a

(सीनियर ऑब्स्टेट्रिशियन और गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. मनन गुप्ता, दिल्ली से बातचीत पर आधारित)

अप्रतिनिधित्व क्षेत्रों में डीलरशिप एवं ASM या SR हेतु संपर्क करें
Mobile: 9285163700, Email: gdc.indore@gmail.com

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
बेंगलुरु	13	9	4	18
गुजरात	13	8	5	16
हैदराबाद	12	7	5	14
पंजाब	13	6	6	13
चेन्नई	12	6	6	12
राजस्थान	12	6	6	12
दिल्ली	13	6	7	12
कोलकाता	12	5	6	11
मुंबई	12	4	8	8
लखनऊ	12	4	8	8

ऑरेंज कैप | पर्पल कैप

साई सुदर्शन — 554 रन — गुजरात

भुवनेश्वर कुमार — 24 विकेट — बेंगलुरु

खबर संक्षेप

जर्मन मास्टर्स में 49वें स्थान पर अवनी

हैम्बर्ग। अवनी प्रशांत ने अमुंडी जर्मन मास्टर्स के चौथे दौर में बोगी रहित दो-अंडर 71 का स्कोर बनाकर अपने अभियान का समापन संयुक्त 49वें स्थान के साथ किया। अवनी ने नौवें और 14वें होल पर बर्डी लगाकर दो-अंडर का कार्ड खेला। उनका कुल स्कोर 7 ओवर पार (78-69-81-71) रहा। लियोनी हार्म ने अंतिम दौर में चार-अंडर 69 का कार्ड खेलते हुए कुल 10-अंडर पार (65-75-73-69) के स्कोर के साथ अपना पहला खिताब जीता। इससे पहले प्रणवी उर्स और वाणी कपूर कट से बाहर हो गई थीं।

डब्ल्यूपीएल की टीम खरीदना चाहता है पंजाब किंग्स

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भले ही महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का तत्काल विस्तार नहीं करना चाहता हो, लेकिन आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के सह-मालिक मोहित बर्मन का कहना है कि फ्रेंचाइजी चार सत्र पुराने इस टूर्नामेंट में किसी समय एक टीम का मालिक बनना पसंद करेगी। वर्तमान में डब्ल्यूपीएल में आईपीएल फ्रेंचाइजी के स्वामित्व वाली तीन टीम मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स हैं।

स्टार्क साथी खिलाड़ियों के लिए 'रोल मॉडल' : बदानी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच हेमांग बदानी ने मिचेल स्टार्क की जमकर तारीफ करते हुए ऑस्ट्रेलिया के इस तेज गेंदबाज को अपने साथी खिलाड़ियों के लिए 'रोल मॉडल' करार दिया। बदानी ने कहा, 'वह इस खेल के सबसे अच्छे रोल मॉडल में से एक है। उनकी कार्यशैली, खेल से पहले की तैयारी, उनकी अपनी योजनाएं और उनका अभ्यास सब कुछ बेमिसाल है। मुझे बहुत से युवा खिलाड़ियों में यह बात नजर नहीं आती और यही कारण है कि वह इतने लंबे समय से खेल में बने हुए हैं।' दिल्ली कैपिटल्स के कोच में युवा खिलाड़ियों पर स्टार्क के प्रभाव के बारे में भी बात की।

शाम 7.30 बजे से जयपुर में सूर्यवंशी और पंत में आमना-सामना

आरआर के लिए आज करो या मरो का मुकाबला, एलएसजी से भिड़ंत

एजेंसी ▶▶| जयपुर

राजस्थान रॉयल्स को अगर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीदों को बरकरार रखना है तो उसे लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ मंगलवार को होने वाले आईपीएल के मैच में खेल के हर विभाग में सुधार करना होगा। रॉयल्स ने अपने घरेलू मैदान सवाई मानसिंह स्टेडियम में अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है और यहां होने वाला अंतिम मैच घरेलू टीम के लिए करो या मरो जैसा बन गया है। रॉयल्स इसके बाद लीग चरण के अपने अंतिम मैच में मुंबई इंडियंस का सामना करेगा।

सूर्यवंशी पर निर्भर आरआर

रॉयल्स की टीम अच्छी शुरुआत के लिए 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी पर काफी हद तक निर्भर रही है, लेकिन इस युवा खिलाड़ी को दूसरे छोर से यशस्वी जायसवाल से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला है। ध्रुव जुरेल ने कुछ शानदार पारियां खेली हैं, लेकिन पिछले मैच में उन्होंने कुछ धीमी पारी खेली जबकि दूसरे छोर पर विकेट गिरते रहे। कप्तान रियान पराग ने हाल के मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह चाहेंगे कि उनकी टीम आखिरी पांच ओवरों में बल्लेबाजी में और अधिक सटीक प्रदर्शन करे।

आरआर की फील्डिंग रही खराब

आईपीएल के मौजूदा सत्र में अधिकतर टीम की फील्डिंग अच्छी नहीं रही है और उन्होंने कई कैच छोड़े हैं। राजस्थान रॉयल्स भी इन टीमों में शामिल है, जिसने कुछ अच्छे मौके गंवाए हैं। दिल्ली कैपिटल्स से मिली हार के बाद पराग ने टूर्नामेंट के अंतिम चरण में टीम के अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाने पर निराशा व्यक्त की थी। पराग ने कहा, 'फील्डिंग खराब थी। अगर हम इसी तरह खेलते रहे तो हमें शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में नहीं होना चाहिए। अब अगर हम क्वालीफाई नहीं कर पाते हैं तो यह हमारी गलती होगी किसी और की नहीं।'

एलएसजी की टीम प्लेऑफ से बाहर

एलएसजी की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। वह अब बिना किसी दबाव के खेल रही है, जिसका नमूना पिछले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मिली जीत में देखने को मिला। उसे राजस्थान रॉयल्स के बाद अपने आखिरी लीग मैच में पंजाब किंग्स का सामना करना है। उसकी टीम इन दोनों टीमों के समीकरण बिगाड़ने के लिए प्रतिबद्ध होगी।

एलएसजी की बल्लेबाजी कमजोर

बल्लेबाजी एलएसजी की सबसे कमजोर कड़ी रही है, लेकिन मिचेल मार्श ने सीएसके के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया, जिससे टीम जीत हासिल करने में सफल रही। वह अपना इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखकर इस सत्र का सकारात्मक अंत करना चाहेगी।

मैच का समय : शाम 7:30 बजे

धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में 14, 17 और 20 जून को वनडे

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

अफगानिस्तान के खिलाफ अगले महीने होने वाली एकमात्र टेस्ट और तीन वनडे मैचों की श्रृंखला के लिए मंगलवार को जब राष्ट्रीय चयनकर्ता भारतीय टीम का चयन करेंगे, तब तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के कार्यभार प्रबंधन (खिलाड़ियों को चोट से बचाने के लिए शारीरिक और मानसिक दबाव को नियंत्रित करने की प्रक्रिया) और रोहित शर्मा की मैच फिटनेस पर विशेष चर्चा होगी। आईपीएल का फाइनल 31 मई को अहमदाबाद में खेला जाना है, जबकि एक सप्ताह से भी कम समय के अंतराल पर 6 जून से मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़) में अफगानिस्तान दौरे का एकमात्र टेस्ट मैच खेला जाएगा। वनडे मैच धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में क्रमशः 14, 17 और 20 जून को खेले जाएंगे।

रोहित की फिटनेस चिंता का विषय

इस बात की संभावना कम है कि बुमराह को दोनों प्रारुपों के लिए चुना जाएगा, क्योंकि वनडे में उन्हें तुरंत खिलाने की कोई जल्दबाजी नहीं है। 50 ओवर का विश्व कप अभी काफी दूर है (अक्टूबर-नवंबर 2027)। वहीं, रोहित शर्मा की फिटनेस भी चिंता का विषय बनी हुई है। आईपीएल के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वह मुंबई इंडियंस के कई मुकाबलों से बाहर रहे थे। पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में भी उन्होंने केवल 'इम्पैक्ट प्लेयर' के रूप में बल्लेबाजी की थी। ऐसे में चयनकर्ता उन्हें तभी टीम में शामिल करेंगे, जब वह पूरी तरह फिट होंगे।

विराट के खेलने की पूरी संभावना

दूसरी ओर, विराट कोहली ने आईपीएल में शानदार फॉर्म दिखाकर अपनी उपयोगिता फिर साबित की है। रोहित की तरह अब केवल एक प्रारुप खेलने वाले कोहली के अफगानिस्तान के खिलाफ तीनों वनडे मैचों में खेलने की पूरी संभावना है। सबसे अधिक महत्व एकमात्र टेस्ट मुकाबले को दिया जा रहा है, क्योंकि हाल के समय में भारतीय टीम पारंपरिक प्रारुप में, खासकर घरेलू परिस्थितियों में, संघर्ष करती नजर आई है। बल्लेबाजों की स्पिन-अनुकूल पिचों पर कमजोरियां लगातार सामने आई हैं। पिछले वर्ष नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में यह समस्या खुलकर उजागर हुई थी।

आजमाया जा सकता हैं प्रिंस यादव को

देवदत्त पडिक्कल को घरेलू सत्र की शुरुआत से लगातार मौके दिए जाएंगे। जम्मू-कश्मीर को ऐतिहासिक रणजी ट्रॉफी खिताब दिलाने वाले आकिब नबी भी चयनकर्ताओं की चर्चा का हिस्सा बन सकते हैं। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे सत्र में 60 विकेट हासिल किए थे। आईपीएल में अपनी तेज रफ्तार और सटीक गेंदबाजी से प्रभावित करने वाले प्रिंस यादव को वनडे श्रृंखला में आजमाया जा सकता है। बुमराह अगर टीम का हिस्सा नहीं होते हैं, तो मोहम्मद सिराज आक्रमण की अगुवाई करते नजर आ सकते हैं। प्रसिद्ध कृष्णा के भी टीम में शामिल होने की संभावना है।

सीनियर महिला टीम में पहली बार फॉरवर्ड ललथांतलुआंगी को मौका

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए हॉकी टीम का ऐलान, सलीमा करेंगी कप्तानी

पर्थ में 26 से 30 मई तक होगा टूर्नामेंट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे की अगुवाई में ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए सोमवार को चुनी गई भारतीय महिला टीम में पहली बार फॉरवर्ड ललथांतलुआंगी को मौका मिला है। पर्थ में 26 से 30 मई तक होने वाला यह दौरा एफआईएच महिला हॉकी नेशंस कप 2025-26 की तैयारियों का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 15 से 21 जून के बीच ऑकलैंड में आयोजित होगा। भारतीय टीम इस दौरे में पूरे आत्मविश्वास के साथ उतर रही है। इसी वर्ष अर्जेंटीना दौरे पर टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए चार मैचों की श्रृंखला में दो मुकाबले अपने

नाम किए थे। सलीमा टेटे के नेतृत्व में टीम को अनुभव और युवा जोश का संतुलित मिश्रण मिलेगा।

युवा चेहरे अपनी प्रतिभा दिखाने को तैयार

2022 राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता सलीमा के साथ सविता, सुशीला चानू पुखरामबाम, लालरेमसियामी और नवनीत कौर जैसी अनुभवी खिलाड़ी मौजूद रहेंगी। वहीं सोनम, हीना बानो और ललथांतलुआंगी जैसे युवा चेहरे भी अपनी प्रतिभा दिखाने को तैयार हैं। सविता और बिचू देवी खारीबाम गोलकीपिंग विभाग में टीम की मजबूत दीवार होंगी। रक्षा पंक्ति में निक्की प्रधान, ईशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबाम, ललथांतलुआंगी और ज्योति के साथ शिल्पी डबास को भी पहली बार सीनियर टीम में मौका मिला है।

9 अंडर का स्कोर बनाकर लगाए 3 शॉट

विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर पहुंचे

आरोन राय ने रचा इतिहास, जीता पीजीए चैंपियनशिप का खिताब

एजेंसी ▶▶| न्यूटाउन स्क्वायर

भारतीय मूल के ब्रिटिश गोल्फर आरोन राय ने अंतिम दौर में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए तीन शॉट से पीजीए चैंपियनशिप जीतकर नया इतिहास रच दिया। वह पिछली एक सदी से भी अधिक समय में इंग्लैंड में जन्मे पहले ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने यह प्रतियोगिता जीती है।

राय पहले फॉर्मूला वन ड्राइवर बनना चाहते थे लेकिन बाद में उन्होंने गोल्फ को अपनाया। राय इस टूर्नामेंट में भाग लेने से पहले विश्व रैंकिंग में 44वें स्थान पर थे लेकिन अब वह 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं। राय ने पार-5 वाले नौवें होल पर 40 फुट का ईगल पुट लगाया। इसके बाद भी उन्होंने अपना अच्छा खेल जारी रखा और पांच अंडर 65 के स्कोर के साथ समापन किया। उन्होंने कुल 9 अंडर का स्कोर बनाकर तीन शॉट से खिताब जीता।

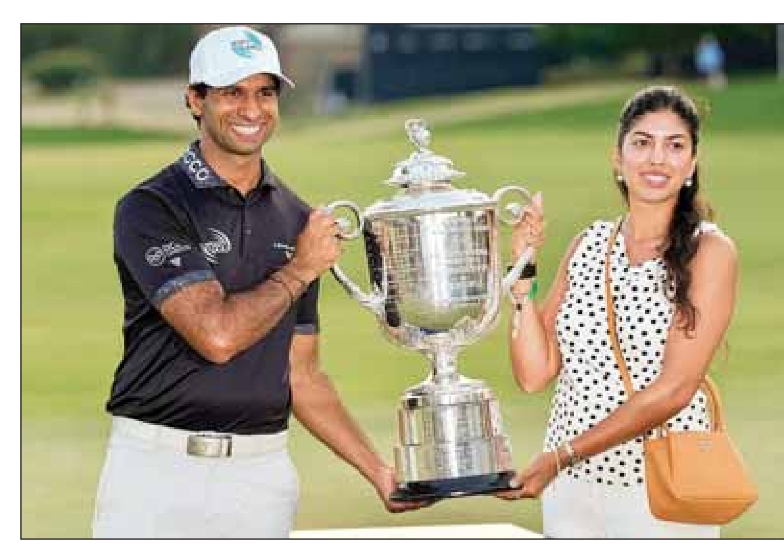

गोवा में होगी एशिया कप ब्रिज चैंपियनशिप

गोवा। देश में 'कॉन्ट्रैक्ट ब्रिज' खेल की सर्वोच्च संचालन संस्था भारतीय ब्रिज महासंघ (बीएफआई) ने घोषणा की कि प्रतिष्ठित एशिया कप ब्रिज चैंपियनशिप के पांचवें सत्र का आयोजन 21 से 27 जून तक गोवा में किया जाएगा। हर चार वर्ष में आयोजित होने वाली एशिया कप प्रतियोगिता महाद्वीपीय ब्रिज चैंपियनशिप में सबसे प्रतिष्ठित मानी जाती है। इसका आयोजन एशिया ब्रिज बिरादरी के तत्वावधान में होता है, जिसमें एशिया और ओशिआनिया के प्रमुख देशों की भागीदारी रहती है। इस वर्ष प्रतियोगिता में 20 से अधिक देशों के खिलाड़ियों के शामिल होने की उम्मीद है।

इनमें भारत, चीन, जापान, सिंगापुर, थाईलैंड, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, बांग्लादेश, श्रीलंका, पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, कुवैत और सऊदी अरब शामिल हैं। बीएफआई के अध्यक्ष प्रसाद केनी ने कहा, यह दूसरा अवसर है जब भारत को प्रतिष्ठित एशिया कप ब्रिज चैम्पियनशिप की मेजबानी का सम्मान मिला है।

फ्रांस से बदला लेने कोर्ट में उतरेंगे भारतीय शटलर

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी मंगलवार से शुरू होने वाले मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट के पुरुष एकल में अपने प्रदर्शन में सुधार करके फ्रांस से थॉमस कप के सेमीफाइनल में मिली हार का बदला चुकता करने की कोशिश करेंगे। भारत इसी महीने की शुरुआत में डेनमार्क के होर्सेन्स में थॉमस कप के सेमीफाइनल में फ्रांस से 0-3 से हार गया था और उसे कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। भारत इस मुकाबले में अपने तीनों एकल मैच हार गया था। अब मलेशिया मास्टर्स में भारतीय खिलाड़ियों का फिर से फ्रांस के खिलाड़ियों से मुकाबला होगा और इस बार वह किसी तरह की कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे।

लक्ष्य की टक्कर उबैदिल्लाह से

कोहनी की चोट के कारण फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल में नहीं खेल पाने वाले स्टार भारतीय शटलर लक्ष्य सेन इंडोनेशिया के मोह जाकी उबैदिल्लाह के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। भारत के अन्य खिलाड़ियों का मुकाबला हालांकि फ्रांस के खिलाड़ियों से होगा। इनमें थारुन मन्नेपल्ली फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव से, किरण जॉर्ज सातवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स लैनियर से और एचएस प्रणय क्रिस्टो पोपोव से भिड़ेंगे। एस शंकर मुथुसामी सुब्रमणियन को क्वालीफाइंग राउंड से गुजरना होगा।

मालविका बंसोड़ की यवोन ली से भिड़ंत

महिला एकल खिलाड़ियों में तन्वी शर्मा का मुकाबला थाईलैंड की पिचमोन ओपटनीपुथ से, छठी वरीयता प्राप्त उन्नति हुडा का चीन की हान कियान शी से, मालविका बंसोड़ का जर्मनी की यवोन ली से और अनमोल खरब का डेनमार्क की आठवीं वरीयता प्राप्त लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ड से होगा। रक्षिता श्री संतोष राम का मुकाबला जापान की नात्सुकी निदैरा से होगा, जबकि इशारानी बरुआ को पहले दौर में डेनमार्क की पांचवीं वरीयता प्राप्त लाइन क्रिस्टोफरसन की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

राष्ट्रमंडल शतरंज संघ के फिर अध्यक्ष बने चौहान

नई दिल्ली। अनुभवी भारतीय खेल प्रशासक भरत सिंह चौहान को फिर से राष्ट्रमंडल शतरंज संघ (सीसीए) का अध्यक्ष चुना गया है। श्रीलंका के वासाकाडुवा में राष्ट्रमंडल शतरंज संघ की वार्षिक आम सभा की बैठक के दौरान चुनाव कराए गए, जिसमें चौहान को सर्वसम्मति से अगले चार साल के लिए अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। सीसीए ने कहा कि 'चौहान का अध्यक्ष पद पर फिर से निर्वाचित होना राष्ट्रमंडल देशों में शतरंज को मजबूत करने और इस खेल को बढ़ावा देने के प्रति उनके दूरदर्शी नेतृत्व और लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता में निहित विश्वास और भरोसे को दर्शाता है।' 68 वर्षीय चौहान इससे पहले अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के सचिव के रूप में कार्य कर चुके हैं। वह वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष और एशियाई शतरंज महासंघ (एसीएफ) के उपाध्यक्ष भी हैं। चुनावों में मलेशिया के अखरामस्याह मुअम्मर उबैदश सानुसी को उपाध्यक्ष, श्रीलंका के जी. लक्ष्मण विजेसुरिया को महासचिव और दक्षिण अफ्रीका के विक्की मागु को कोषाध्यक्ष चुना गया।

बार्सिलोना ने रियाल बेटिस पर जीत के साथ घरेलू मैदान पर रखा रिकार्ड बरकरार

कैंप नोउ में जीता बार्सिलोना, लेवांडोव्स्की को यादगार विदाई

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

स्पेनिश चैंपियन बार्सिलोना ने रियाल बेटिस पर 3-1 की जीत के साथ घरेलू मैदान पर अपना शानदार रिकार्ड बरकरार रखा और अपने स्टार खिलाड़ी रॉबर्ट लेवांडोव्स्की को यादगार विदाई दी। बार्सिलोना ने अपने घरेलू मैदान कैंप नोउ में इस सत्र में खेले गए ला लिगा फुटबॉल टूर्नामेंट के सभी 19 मैच जीते। यह उसका अपने घरेलू मैदान पर इस सत्र का आखिरी मैच था।

राफिन्हा के दो गोल और जोआओ कैंसलो के एक गोल ने स्पेनिश लीग में बार्सिलोना को घरेलू मैदान पर अजेय बनाए रखा। बार्सिलोना ने दो दौर पहले ही लगातार दूसरी बार लीग खिताब अपने नाम कर लिया था। अभी एक दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं।

चार सत्र के बाद क्लब छोड़ रहे लेवांडोव्स्की

बार्सिलोना ने घोषणा की थी कि 37 वर्षीय लेवांडोव्स्की चार सत्र के बाद क्लब छोड़ रहे हैं। इसी तरह से एंटोनी ग्रिजमैन ने मेजर लीग सॉकर में खेलने के लिए अमेरिका जाने से पहले मेट्रोलिटानो स्टेडियम में एटलेटिको मैड्रिड के प्रशंसकों को अलविदा कहा। एटलेटिको ने गिरोना को 1-0 से हराया। लेवांडोव्स्की ने बार्सिलोना को चार सत्र में तीन स्पेनिश लीग खिताब जीतने में मदद की। उनके रहते हुए क्लब ने कोपा डेल रे का खिताब भी जीता। उन्होंने बार्सिलोना की तरफ से 192 मैचों में 119 गोल किए। पोलैंड के स्ट्राइकर के लिए यह एक भावुक विदाई थी, जिन्हें मैच के बाद उनके साथियों ने हवा में उछाल दिया।

प्रज्ञाननंदा ने खेला ड्रा, फोरेस्ट को बराबरी पर रोका

सुपर शतरंज क्लासिक : कीमर ने बनाई बढ़त

एजेंसी ▶▶| बुखारेस्ट

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने सुपर शतरंज क्लासिक टूर्नामेंट के चौथे दौर में नीदरलैंड के खिलाड़ी जॉर्डन वैन फोरेस्ट के साथ ड्रॉ खेला, जबकि जर्मनी के विंसेंट कीमर ने आसान जीत के बाद बढ़त हासिल कर ली। फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा पर एकमात्र जीत और तीन ड्रॉ के बाद प्रज्ञाननंदा के संभावित चार में से 2.5 अंक है जबकि कीमर ने फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को हराकर तीन अंकों के साथ एकल बढ़त बना ली। अनीश गिरी ने विश्व

चैंपियनशिप के चैलेंजर उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ जबकि वेस्ली सो ने रोमानिया के डिएक बोगदान-डेनियल के खिलाफ ड्रॉ खेला। फ़िरोजा स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए चौथे दौर में नहीं खेले। प्रज्ञाननंदा ने काले मोहरों से खेलते हुए किसी तरह का जोखिम लेना उचित नहीं समझा और केवल 35 चाल के बाद ड्रॉ पर सहमति जताई।

आज तक नहीं हुई एससी-एसटी वर्ग से नियुक्ति

हाई कोर्ट जजों की नियुक्ति में भी आरक्षण की मांग उठी

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति में भी आरक्षण की मांग उठी है। ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने इस सिलसिले में राष्ट्रपति, सीजेआई, कानून मंत्रालय व हाई कोर्ट के सीजे को पत्र भेजा है। जिसमें कहा गया है कि मप्र हाई कोर्ट के स्थापना काल 1956 से लेकर आज तक अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग से एक भी हाई कोर्ट जज की नियुक्ति नहीं हुई है। जबकि अन्य पिछड़ा वर्ग से अपवाद के रूप में पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत की सौगत मिली। हालांकि वे भी दिल्ली हाई कोर्ट से स्थानांतरित होकर मप्र हाई कोर्ट आए थे। आरक्षित वर्ग की उच्च न्यायपालिका में सहभागिता की इस स्थिति को लेकर ओबीसी एडवोकेट्स वेल्फेयर एसोसिएशन ने इन वर्गों के अधिवक्ताओं को हाई कोर्ट जज के रूप में नामांकित करने की आवश्यकता पर बल दिया है। इसके साथ ही महिलाओं को भी स्थान दिए जाने का बिंदु पत्र में शामिल किया गया है। एसोसिएशन से जुड़े वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर

सिंह ठाकुर ने बताया कि मप्र में अनुसूचित जाति वर्ग की आबादी 16 प्रतिशत, अनुसूचित जनजति जाति वर्ग की 21 प्रतिशत व अन्य पिछड़े वर्ग की आबादी 51 प्रतिशत है। जबकि महिलाओं की आबादी 48.3 प्रतिशत है। लिहाजा, कुल 85 प्रतिशत वाले इन वर्गों के योग्य अधिवक्ताओं को हाई कोर्ट जज बनने का अवसर मिलना चाहिए। सामाजिक न्याय की दृष्टि से ऐसा किया जाना सराहनीय होगा।

शासकीय अधिवक्ताओं की नियुक्ति को चुनौती के मामले में सरकार को अंतिम मोहलत

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में एक याचिका के जरिए मध्य प्रदेश के महाधिवक्ता कार्यालय में शासकीय अधिवक्ताओं की नियुक्ति को चुनौती देने के मामले में सोमवार को सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने शासन और एजी ऑफिस को मामले में जवाब पेश करने अंतिम मोहलत दी है। जस्टिस एमएस भट्टी एवं जस्टिस बीपी शर्मा की डिवीजन बेंच ने मामले पर अगली सुनवाई 19 जून को नियत की। हाई कोर्ट बार एसोसिएशन, जबलपुर के संयुक्त सचिव योगेश सोनी ने याचिका में आरोप लगाया है कि महाधिवक्ता कार्यालय में नियम विरुद्ध तरीके से अर्हताविहीन वकीलों को शासकीय वकील बना दिया गया है। महाधिवक्ता कार्यालय में कुल 157 लॉ आफिसर्स की नियुक्ति को लेकर 25 दिसंबर को सूची जारी की गई है।

याचिकाकर्ता का कहना है कि नियुक्ति प्रक्रिया पूरी तरह मनमानी और पक्षपातपूर्ण है। सूची में पारदर्शिता का अभाव है। अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने दलील दी कि विधि अधिकारियों का कार्यकाल एक वर्ष का है और अभी तक मामले में जवाब नहीं आया है। याचिका में कहा गया है कि वर्ष 2013 की राजपत्र अधिसूचना में सरकारी वकीलों की नियुक्ति के लिए स्पष्ट और निर्धारित प्रक्रिया तय की गई है, लेकिन महाधिवक्ता कार्यालय ने उसका स्पष्ट उल्लंघन किया। अधिसूचना में कहा गया था कि सरकारी अधिवक्ता की नियुक्ति के लिए न्यूनतम 10 वर्ष की प्रेक्टिस की योग्यता निर्धारित है। इसके उलट कई शासकीय अधिवक्ता ऐसे हैं जिनकी प्रेक्टिस 10 साल से बहुत कम है।

हवाला लूट कांड

बालक के साथ जेल में बंद महिला अधिकारी को मिली राहत

पूर्व एसडीपीओ पूजा पांडे को जमानत

जबलपुर। सर्वोच्च न्यायालय ने सिवनी जिले के बहुचर्चित हवाला लूट कांड में आरोपी मध्य एसडीओपी पूजा पांडे को जमानत दे दी है। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली दो न्यायाधीशों की पीठ ने सोमवार को पूजा पांडे की विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया।

खंडपीठ ने कहा कि जांच पूरी हो चुकी है, चार्जशीट दाखिल हो गई है और मुकदमे के समापन में अभी भी काफी समय लग सकता है। कोर्ट ने खासतौर पर यह ध्यान दिया कि याचिकाकर्ता एकल अभिभावक मां हैं और उनके 2-3 वर्षीय बालक भी उनके साथ जेल में बंद है। अदालत ने फरार होने की कोई संभावना न होने का भी उल्लेख किया।

आरोप है कि सिवनी जिले के लखनवाड़ा थाना क्षेत्र में 8-9 अक्टूबर 2025 की रात एसडीओपी पूजा पांडे सहित पुलिस की टीम ने एक हुंडई क्रेटा वाहन को रोका। वाहन में इरफान पठान और शेख मुख्तार सवार थे। वाहन में 2 करोड़ 96 लाख 50 हजार रुपये की नकदी बरामद बताई गई। आरोपियों पर दावा है कि यह रकम हवाला की थी। पुलिस अधिकारियों ने साजिश रचकर 1.45 करोड़ रुपये हड़प लिए और बाकी राशि आरोपीयों को वापस कर दी। पूजा पांडे की ओर से कोर्ट को बताया गया कि मात्र 1.45 करोड़ रुपये ही बरामद हुआ था और कुल राशि 2.96 करोड़ दिखाना गलत है। उन्होंने कहा कि यह राशि हवाला के जरिए ले जाई जा रही थी, जिसकी शिकायत सोहनलाल परमार ने की थी। पूजा पांडे को 17 अक्टूबर 2025 को गिरफ्तार किया गया था। उनकी ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा, सुशील कुमार तिवारी, असीम त्रिवेदी, अनिल गौतम और पूजा श्रीवास्तव ने पैरवी की।

कर्मचारी कोटे के भूखंड कम दर में आवंटन का मामला

संभागायुक्त व जेडीए सीईओ को अवमानना नोटिस

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने पूर्व आदेश का पालन नहीं होने पर संभागायुक्त, जबलपुर विकास प्राधिकरण के कार्यपालन अधिकारी को अवमानना नोटिस जारी किए हैं। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने सभी से जवाब तलब किया है। मामला कर्मचारी कोटे के भूखंड कम दर में आवंटित किए जाने से संबंधित है। अवमानना याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी देवेंद्र त्रिपाठी की ओर से अधिवक्ता शंभूदयाल गुप्ता ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता जेडीए में स्टेनो के पद से सेवानिवृत्त हुआ है। सेवाकाल के दौरान उसने 10 दिसंबर, 2010 को कर्मचारी कोटे के तहत भूखंड आवंटन हेतु विज्ञापन की शर्तों के अनुसार आवेदन किया था। लेकिन जेडीए के द्वारा कर्मचारी कोटे के भूखंड दूसरों को अपेक्षाकृत कम दर पर आवंटित कर दिए गए। इस रवैये के विरुद्ध हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने दिसंबर 2025 को याचिका का इस निर्देश के साथ निराकरण किया था कि छह सप्ताह के भीतर शिकायत का निपटारा करें। लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इसीलिए अवमानना याचिका दायर की गई है।

दमोह में पकड़े गए फर्जी डॉक्टरों ने किया खुलासा

चेरीताल संजीवनी क्लीनिक में भी काम कर रहा फर्जी चिकित्सक

जबलपुर। दमोह में फर्जी एमबीबीएस की डिग्री के साथ पकडे गए दो फर्जी चिकित्सकों से हुई गहन पूछताछ में जबलपुर शहर के चेरीताल संजीवनी क्लीनिक में कई माहों से सेवाएं दे रहा चिकित्सक भी फर्जी पाया गया। पूरे फर्जीवाडे.की पर्ते पुलिस में जांच में खुली, जिसके बाद जबलपुर से फर्जी डॉक्टर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक जबलपुर की चेरीताल संजीवनी क्लीनिक में पदस्थ डॉ. अजय मौर्य को डिग्री फर्जी मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है। डॉ. मौर्य चेरीताल संजीवनी क्लीनिक में करीब डेढ़ साल से पदस्थ था। गौरतलब हो कि दमोह में पदस्थ दो डॉक्टरों की डिग्री पर संदेह होने पर सीएमएचओ कार्यालय ने पुलिस को प्रकरण जांच के लिए सौंपा

था। जांच में पता चला कि उक्त चिकित्सकों ने भर्ती के समय एमबीबीएस की फर्जी डिग्री, मेडिकल काउंसिल का रजिस्ट्रेशन नंबर और अन्य दस्तावेज जाली जमा किए थे। कड़ाई से पूछताछ में उक्त दोनों आरोपियों ने जबलपुर में पदस्थ डॉ. अजय मौर्य के नाम का खुलासा भी कर दिया। आरोपियों ने यह भी पुलिस को बताया कि अजय के माध्यम से ही उन्होंने डिग्री हासिल की थी। दमोह पुलिस ने इस अंतरराज्यीय गैंग की जब पर्ते उधेड़ी तो पता चला कि उक्त फर्जी डॉक्टरों की नजरें प्रदेश में खुल रही संजीवनी क्लीनिकों पर थीं। वे जुगाड़ लगाकर केवल संजीवनी क्लीनिकों में ही पदस्थ हो रहे थे। स्वास्थ्य विभाग के रिकार्ड के हिसाब से जबलपुर के चेरीताल संजीवनी क्लीनिक में सेवाएं दे रहा डॉ. अजय मौर्य मूलतः मुरैना निवासी है जिससे अब पुलिस पूछताछ कर रही हैं। दमोह पुलिस द्वारा संजीवनी क्लिनिक में पदस्थ फर्जी डिग्रीधारी डॉक्टरों के अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश किए जाने के बाद अब जबलपुर स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक भले ही चिकित्सकों की भर्ती मुख्यालय स्तर पर हुई हो, लेकिन ज्वाइनिंग के दौरान उनके दस्तावेजों की जांच स्थानीय स्तर पर कराए जाते हैं। इसके बाद ही वेतन निर्धारण होता है व भुगतान होता है। इतना ही नहीं शासन के सार्थक एप में उपस्थिति दर्ज करानी होती है। उपस्थिति पंजीयक की जांच कर उसे भुगतान के लिए भी स्थानीय अधिकारी ही आगे बढ़ाते हैं। बहरहाल अब चेरीताल (जबलपुर) संजीवनी क्लिनिक से गिरफ्तार फर्जी डॉक्टर अजय मौर्य के मामले में विभाग जबलपुर में पदस्थ एपीएम संदीप नामदेव और अर्बन नोडल अधिकारी डॉ.अमजद खान की भूमिका की जांच कर सकता हैं।

299 वाहन चालकों से 1 लाख 58 हजार जुर्माना वसूला

जबलपुर। शहर पुलिस ने जुआ, सट्टा खिलाने वालों एवं अवैध मादक पदार्थ, अवैध हथियार, अवैध शराब के कारोबार में लिप्त आरोपियों के साथ चोरी, नकबजनी एवं मारपीट करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 299 वाहन चालकों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये 1 लाख 58 हजार 300 रूपये समन शुल्क वसूला गया। कंट्रोलरुम से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में आदतन अपराध करने वाले 4 आरोपियों के विरूद्ध धारा 129 बी.एन.एस.एस. (110 जा.फौ.) के तहत, तथा वाद विवाद करने वाले 154 व्यक्तियों के विरूद्ध 126/135 (3) बी.एन.एस.एस (107/116 जा.फौ.) के तहत, एवं 15 व्यक्तियो के विरूद्ध धारा 170 बी.एन.एस.एस (151 जा.फौ.) के तहत की गयी है, इसी प्रकार पिछले कई वर्षो से फरार 18 गैरम्यादी, 30 म्यादी वारंटी, को गिरफ्तार किया गया है एवं 22 जमानती वारंट तामील किये गये तथा अवैध शराब के कारोबार में लिप्त 30 व्यक्तियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये २४ बॉटल वियर एवं 428 पाव देशी, 29 लीटर कच्ची शराब जप्त की गयी तथा 3 व्यक्तियो के विरूद्ध 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 2 चाकू व 1 फरसा जप्त किये गये।

गर्म लू के थपेड़ों ने जनजीवन को झुलसाया

गर्मी बेकाबू, पारा 44 डिग्री के पार

जबलपुर। मई के महीनें में गर्मी अपना रौद्र रुप दिखा रही है। इस सीजन में सोमवार को पहली बार पारा 44 डिग्री के पार निकल गया। गर्म लू के थपेड़ों ने जनजीवन को झुलसाया। सूर्यास्त के बाद देर रात तक गर्म हवाएं चलती रही। दोपहर में तेज धूप से बदन चहख रहा था। दोपहर से देर रात तक सड़के वीरान रही। शाम ढलने के बाद सड़कों पर चहल पहल शुरु हुई। लोग धूप से बचने के टोपी, गमछा बांधकर निकल रहे हैं। गर्मी में सूखे कंठों को तर करने शीतल पेय पदार्थ कोल्ड ड्रिंक, गन्ने का रस, आम का पना, नारियल पानी की तरफ लोग आकर्षित हो रहे हैं। सोमवार को पारा 44 डिग्री के पार पहुंच गया था।

मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार जबलपुर में मौसम शुष्क बना हुआ है। आसमान एकदम साफ है। पश्चिमी विक्षोप समाप्त होने से बादल छंट गए, जिससे तापमान को उछलने का मौका मिल रहा। पश्चिमी हवाएं भी वातावरण को गर्म कर रही है। मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान 44.02 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 28.8 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 39 प्रतिशत और सायंकाल 18 प्रतिशत आंकी गई। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 39.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 27.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। पश्चिमी हवाएं 6 से 7 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। प्रदेश में सबसे अधिक 45 डिग्री तापमान राजगढ़ जिले में दर्ज किया गया। अगले 24 घंटों के दौरान आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना है। इसके पूर्व वर्ष 2024 में 27 मई को पारा 44.05 डिग्री पर गया था।

आयोग बना, लेकिन अब तक नहीं मिला दफ्तर

बरगी क्रूज हादसे की जांच ठंडे बस्ते में?

जबलपुर। बरगी डैम में 30 अप्रैल 2026 को हुए दर्दनाक क्रूज हादसे को दो सप्ताह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन हादसे की जांच अब भी शुरुआती स्तर से आगे नहीं बढ़ पाई है। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हुई थी, जिसके बाद पूरे प्रदेश में शोक और नाराजगी का माहौल बन गया था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घटना के अगले ही दिन पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए थे। इसके बाद मध्य प्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने 10 मई 2026 को न्यायिक जांच आयोग गठित करने की अधिसूचना जारी की। हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी को आयोग का अध्यक्ष बनाया गया और तीन महीने के भीतर रिपोर्ट सौंपने की समय-सीमा तय की गई। लेकिन आयोग गठन के कई दिन बाद भी जांच प्रक्रिया धरातल पर शुरू नहीं हो सकी है। अब सवाल उठने लगे हैं कि क्या बरगी क्रूज हादसे की जांच ठंडे बस्ते में जा रही है?

आयोग बना, लेकिन दफ्तर तक नहीं

सूत्रों के मुताबिक, जांच आयोग को अभी तक कोई स्थायी कार्यालय उपलब्ध नहीं कराया गया है। आयोग के लिए बैठने की व्यवस्था, जरूरी संसाधन और स्टाफ की नियुक्ति जैसी मूलभूत प्रक्रियाएं भी पूरी नहीं हो पाई हैं। जानकारी के अनुसार, आयोग को दस्तावेज जुटाने, बयान दर्ज करने और तकनीकी जांच के लिए अलग टीम की जरूरत होगी, लेकिन फिलहाल ऐसी कोई व्यवस्था जमीनी स्तर पर दिखाई नहीं दे रही है। स्थिति यह है कि आयोग के पास अभी तक नियमित कामकाज शुरू करने के लिए जरूरी आधारभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं।

तीन महीने की समय-सीमा पर सवाल

शासन ने आयोग को तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। लेकिन अब तक जांच की औपचारिक शुरुआत नहीं होने से समय-सीमा को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इतने बड़े हादसे की जांच में तकनीकी रिपोर्ट, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, सुरक्षा मानकों की जांच और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका का परीक्षण जरूरी होता है। इसके लिए पर्याप्त संसाधन और सक्रिय जांच तंत्र होना आवश्यक है। यदि आयोग को समय पर दफ्तर, स्टाफ और दस्तावेज नहीं मिलते, तो रिपोर्ट तय समय में पूरी होना मुश्किल हो सकता है।

पीड़ित परिवारों में बढ़ रहा आक्रोश

हादसे में अपने परिजनों को खो चुके परिवार अब जांच में हो रही देरी से नाराज नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि हादसे के बाद बड़े-बड़े दावे तो किए गए, लेकिन अब तक जिम्मेदार लोगों पर ठोस कार्रवाई दिखाई नहीं दी। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि यदि जांच प्रक्रिया में इसी तरह देरी होती रही, तो सच्चाई सामने आने में लंबा समय लग सकता है। लोगों को डर है कि देर होने से महत्वपूर्ण सबूत और तथ्य भी प्रभावित हो सकते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240